epaper.dehatsandesh.com

3 कठुआ में गोवंश तस्करी पर पुलिस का शिकंजा, 20 गोवंश छुड़ाए, 2 आरोपी गिरफ्तार

5 वेस्टइंडीज दौरे के लिए आस्ट्रेलियाई महिला टीम घोषित, सोफी मोलिन्यूक्स को कप्तानी

8 भिंडी–एक लाभकारी सब्जी

मौसम जम्मू — न्यूनतम 18, अधिकतम 31

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

# देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-60 | जम्मू तवी, बुधवार 11 मार्च, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

## प्रधानमंत्री ने कैबिनेट के फैसलों को बताया विकास की नई दिशा

**नई दिल्ली, 10 मार्च** । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कैबिनेट के फैसलों को देश के विकास के लिए अहम बताया। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन पर कैबिनेट का निर्णय ग्रामीण भारत में सतत और भरोसेमंद नल जल आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अलग–अलग पोस्ट में कहा कि जल जीवन मिशन पर कैबिनेट का फैसला बुनियादी ढांचे के निर्माण से आगे बढ़कर नागरिक–केंद्रित सेवा वितरण पर ध्यान केंद्रित करेगा। इससे जल सुरक्षा मजबूत होगी, स्वास्थ्य परिणाम बेहतर होंगे और ग्रामीण समुदायों, विशेषकर नारी शक्ति को सशक्त बनाया जाएगा।

एक अन्य पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु की वृद्धि और कनेक्टिविटी के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। कैबिनेट ने मदुरै हवाई अड्डे को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा घोषित करने की मंजूरी दी है। इससे दक्षिणी तमिलनाडु में पर्यटन, व्यापार और आर्थिक अवसरों को

बढ़ावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कैबिनेट ने एनएच–752डी के बदनावर–पेटलावद–थांदला–तिमरवानी खंड पर चार लेन कॉरिडोर के विकास को मंजूरी दी है। यह परियोजना यात्रा समय कम करेगी, लॉजिस्टिक्स को बेहतर बनाएगी और विशेष रूप से आदिवासी क्षेत्रों में आर्थिक विकास को समर्थन देगी।

प्रधानमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में पूर्वी भारत म` रेल कनेक्टिविटी और क्षमता बढ़ाने के फैसले का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कैबिनेट ने पश्चिम बंगाल और झारखंड के पांच जिलों में मल्टी–ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इससे दक्षता बढ़ेगी, भीड़भाड़ कम होगी, माल परिवहन को मजबूती मिलेगी और सतत, कम–कार्बन परिवहन को आगे बढ़ाया जाएगा।

### युवाओं की आकांक्षाएँ भारत की सबसे बड़ी पूंजी : प्रधानमंत्री

**नई दिल्ली, 10 मार्च ।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत के युवाओं की आकांक्षाएँ देश की सबसे बड़ी पूंजी हैं और नवाचार करने तथा राष्ट्र के भविष्य में सार्थक योगदान देने की उनकी इच्छा देश की एक बड़ी ताकत है।

दिव्यांगजन कौशल योजना पर आयोजित बजट के बाद की एक वेबिनार को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस प्रकार की परामर्श प्रक्रियाजन भागीदारी** का एक सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि ऐसे मंचों पर विशेषज्ञ, हितधारक और लाभार्थी एक साथ आकर केंद्रीय बजट के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए व्यावहारिक सुझाव देते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, आज भारत की सबसे बड़ी ताकत उसके युवाओं की आकांक्षाओं में निहित है — चाहे वे गांवों, कस्बों या शहरों से हों। वे नवाचार करना चाहते हैं और देश के भविष्य में सार्थक योगदान देना चाहते हैं।

## एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम, पाकिस्तानी आतंकवादी ढेर

**राजौरी, 10 मार्च** । सेना के जवानों ने मंगलवार को जम्मू–कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास घुसपैठ की कोशिश करते एक आतंकवादी को मुठभेड़ के दौरान मार गिराया। व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि खुफिया सूचनाओं पर कार्रवाई करते हुए सुरक्षा बलों ने दोपहर करीब तीन बजे एलओसी के पास नौशेरा सेक्टर के झंगड़ के सामान्य इलाके में दो आतंकवादियों की गतिविधियों का पता लगाया। गोलीबारी होने पर एक पाकिस्तानी आतंकवादी को मार गिराया गया, जिससे नियंत्रण रेखा के किसी भी उल्लंघन को प्रभावी ढंग से रोका जा सका। दूसरे आतंकवादी का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया है, जिसके बारे में माना जा रहा है कि वह इलाके

में छिपा हुआ है। सेना ने कहा कि सुरक्षा बलों ने क्षेत्र पर पूर्ण नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए एकीकृत जमीनी और हवाई निगरानी के साथ पूरे सेक्टर में अपनी परिचालन स्थिति को मजबूत करके निगरानी बढ़ा दी है।

### सांबा में संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन गतिविधि के बाद तलाशी अभियान शुरू

**जम्मू, 10 मार्च** । जम्मू–कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन गतिविधि की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने मंगलवार को तलाशी अभियान शुरू किया।

उन्होंने कहा कि सोमवार देर रात दबोह के सामान्य क्षेत्र में एक संदिग्ध दुश्मन ड्रोन की गतिविधि का पता चला, जिससे सुरक्षा बलों को जवाबी कार्रवाई शुरू करनी पड़ी जिसमें अधिक बलों की तैनाती और क्षेत्र की गहन तलाशी शामिल है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई हथियार या नशीले पदार्थ हवा से न गिराए जाएं।

अधिकारियों ने बताया कि जिस इलाके में ड्रोन देखे जाने की खबरें मिली थीं वहां सेना, पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का संयुक्त तलाशी अभियान चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि दिन के शुरुआती घंटों में संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद पुलिस और बीएसएफ ने जिले के राजपुरा इलाके में भाई नाला, लाला चक और मालानी में तलाशी अभियान भी चलाया।

### जम्मू–कश्मीर पंचायत चुनाव के लिए मतदाता सूची का ड्राफ्ट 23 मार्च को जारी होगा

**जम्मू,, 10 मार्च** । जम्मू–कश्मीर में होने वाले पंचायत चुनावों के लिए मतदाता सूची का ड्राफ्ट 23 मार्च को प्रकाशित किया जाएगा। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार ड्राफ्ट सूची जारी होने के बाद आम लोगों को अपने नाम जोड़ने, हटाने या सुधार कराने के लिए आपत्तियां और दावे दर्ज कराने का अवसर दिया जाएगा।

प्राप्त आपत्तियों और सुझावों की जांच के बाद अंतिम मतदाता सूची 10 मई को प्रकाशित की जाएगी। यह प्रक्रिया पंचायत चुनावों की तैयारी का महत्वपूर्ण चरण मानी जा रही है।

### राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के आरोप में जल शक्ति विभाग के तीन कर्मचारी बर्खास्त

**श्रीनगर, 10 मार्च** । जम्मू–कश्मीर सरकार ने राष्ट्रविरोधी और विध्वंसक गतिविधियों में कथित संलिप्तता के आरोप में जल शक्ति विभाग के तीन कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया है।

अनंतनाग जिले के इकबाल मोहल्ला बिजबेहरा निवासी शौकत अहमद जरगर बिजबेहरा में दैनिक वेतनभोगी (डीआरडब्ल्यू) के रूप में कार्यरत थे।उनके खिलाफ धारा 307 आरपीसी, 7/27 शस्त्र अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की धारा 16 और 18 के तहत एफआईआर संख्या 53/2019 दर्ज की गई थी। इस मामले में आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है और मामला फिलहाल विचाराधीन है।

इसके अलावा सरकार ने किश्तवाड जिले के भगवान मोहल्ला हुल्लर निवासी लियाकत अली भगवान को सेवामुक्त कर दिया है। वह आवश्यकता आधारित आकस्मिक श्रमिक (एनबीसीएल) के रूप में कार्यरत थे और किश्तवाड के बेरवार में तैनात थे। अधिकारियों ने बताया कि उनके खिलाफ एफआईआर संख्या 230/2019 में अमानवीय श्रम अधिनियम (यूएपीए) की धारा 13, 18, 19, 38 और 39 के तहत मामला दर्ज किया गया था और जांच पूरी होने के बाद आरोप पत्र दाखिल कर दिया गया है।

इसी प्रकार किश्तवाड जिले के हुंजला निवासी कौसर हुसैन भगवान को भी सेवामुक्त कर दिया गया है। वह भी आवश्यकता आधारित आकस्मिक श्रमिक के रूप में कार्यरत थे और पीएचई उपमंडल किश्तवाड के हुल्लर में तैनात थे। उस पर भी एफआईआर संख्या 230/2019 में अमानवीय श्रम अधिनियम (यूएपीए) की धारा 13, 18, 19, 38 और 39 के तहत आरोप हैं और मामला फिलहाल विचाराधीन है।

## जम्मू–कश्मीर में 40,000 से अधिक पद खाली, मुख्य सचिव ने भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने के दिए निर्देश

**जम्मू, मंगलवार 10 मार्च।** मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने मंगलवार एक उच्च–स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें केंद्र शासित प्रदेश के विभिन्न विभागों में जम्मू–कश्मीर लोक सेवा आयोग और जम्मू–कश्मीर कर्मचारी चयन बोर्ड के माध्यम से की जा रही भर्तियों की स्थिति और रिक्तियों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में संबंधित प्रशासनिक सचिवों, जम्मू–कश्मीर कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष, जम्मू–कश्मीर लोक सेवा आयोग के सचिव और विभिन्न विभागों के अन्य प्रतिनिधि शामिल हुए। समीक्षा के दौरान, मुख्य सचिव ने शासन को मजबूत करने और जनसेवा वितरण में सुधार के लिए सभी महत्वपूर्ण रिक्तियों को शीघ्र भरने पर जोर दिया। उन्होंने सभी प्रशासनिक सचिवों को अपने विभागों और भर्ती एजेंसियों के साथ नियमित फॉलो–अप बैठकें करने का निर्देश दिया ताकि लंबित मुद्दों का समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि भर्ती अभियानों के लिए निर्धारित समय–सीमा का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए और भर्ती एजेंसियों को प्राप्त सभी पदों का बिना किसी देरी के विज्ञापन जारी करना चाहिए। मुख्य सचिव ने एजेंसियों को सलाह दी कि वे परीक्षाओं का कैलेंडर एक साथ तैयार और प्रकाशित करें, ताकि उम्मीदवारों को परीक्षा कार्यक्रम के बारे में स्पष्टता हो और उन्हें तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके। उन्होंने जम्मू और कश्मीर लोक सेवा आयोग और जम्मू और कश्मीर सेवा चयन बोर्ड में भर्तियों को प्रभावित करने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए संबंधित विभागों को तत्काल स्पष्टीकरण जारी करने का निर्देश दिया। खाली पदों का ब्यौरा- सामान्य प्रशासन विभाग के आयुक्त सचिव, एम. राजू ने विभागों में खाली पदों का व्यापक विवरण प्रस्तुत किया। आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में कुल 40,661 पद खाली हैं, जिनमें शामिल हैं- 1: 3,808 राजपत्रित पद, 2: 24,507 अराजपत्रित पद, 3- 12,351 मल्टी–टास्किंग स्टाफ पद

सबसे अधिक रिक्तियां स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग में हैं (2,497 राजपत्रित, 8,088 अराजपत्रित और 2,712 MTS)। इसके अलावा कृषि उत्पादन, बिजली विकास, वित्त, राजस्व, वन, लोक निर्माण (R&B) और युवा सेवा एवं खेल विभागों में भी काफी रिक्तियां हैं। जम्मूकश्मीर लोक सेवा आयोग अध्यक्ष विकास कुंडल ने बताया कि 2019 से बोर्ड को 46,744 पद मिले, जिनमें से 9,260 वापस ले लिए गए। बोर्ड ने अब तक 32,956 पदों पर चयन प्रक्रिया पूरी कर ली है। वर्तमान में, 10,035 पद भर्ती के विभिन्न चरणों में हैं (2,532 विज्ञापित होने बाकी, 4,768 परीक्षा चरण में, 1,258 चयन चरण में, और 1,477 लाइव विज्ञापन के अधीन)। जम्मूकश्मीर लोक सेवा आयोग सचिव बशीर अहमद डार ने बताया कि वर्तमान में 1,745 राजपत्रित पद प्रक्रिया में हैं। इनमें से 1,573 पदों के लिए चयन कार्यक्रम तैयार किया जा चुका है। आयोग ने लक्ष्य रखा है कि मार्च 2026 तक 630 चयन, अप्रैल–मई 2026 तक 476, जून–जुलाई 2026 तक 158 और अगस्त–सितंबर 2026 तक 309 चयन पूरे किए जाएंगे।

### भारत में घरेलू उपभोक्ताओं को ईंधन की कोई कमी नहीं होगी : हरदीप पुरी

**नई दिल्ली, 10 मार्च** । केंद्रीय पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को भरोसा दिलाया कि भारत में घरेलू उपभोक्ताओं को पेट्रोलियम पदार्थों (पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और पीएनजी) की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि देश में ईंधन का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। केंद्रीय पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्री ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में ये भरोसा दिलाया कि भारत में घरेलू उपभोक्ताओं को ईंधन की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि देश में ईंधन का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और वैश्विक तनाव के बावजूद निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। हरदीप सिंह पुरी ने भरोसा दिलाया कि भारत में घरेलू कंज्यूमर्स के लिए एनर्जी की कोई कमी नहीं है और घबराने की कोई बात नहीं है। पेट्रोलियम मंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत का ऊर्जा आयात अलग–अलग सोर्स और रास्तों से लगातार हो रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार ने यह पक्का करने के लिए कई कदम उठाए हैं कि घरेलू उपभोक्ताओं को सीएनजी और पीएनजी की 100 फीसदी सप्लाई हो, और पश्चिम एशिया के मौजदा हालात के बावजूद दूसरी इंडस्ट्रीज़ को उनकी सप्लाई का 70 से 80 फीसदी मिलता रहे। पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि सरकार देश के घरेलू उपभोक्ताओं को सस्ती एनर्जी की बिना रुकावट सप्लाई पक्का करने के लिए कमिटेड है।

### एशिया का सबसे बड़ा ट्यूलिप गार्डन पर्यटकों के लिए 16 मार्च को खुलेगा

**श्रीनगर, 10 मार्च** । अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि श्रीनगर स्थित इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्यूलिप गार्डन – एशिया का सबसे बड़ा ट्यूलिप गार्डन 16 मार्च (सोमवार) को पर्यटकों के लिए खुल जाएगा। कश्मीर की पुष्पकृषि निदेशक मथूरा मासूम ने बताया कि ट्यूलिप खिल चुके हैं इसलिए विभाग ने सोमवार से गार्डन को सीजन के लिए खोलने का फैसला किया है। डल झील के नज़ारे के साथ ज़बरवान पर्वतमाला की तलहटी में स्थित यह गार्डन पर्यटकों के स्वागत के लिए पूरी तरह से तैयार है। अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष गार्डन में 70–75 किस्मों के लगभग 18 लाख ट्यूलिप प्रदर्शित किए जाएंगे और फूलों की क्यारियों का घनत्व बढ़ाकर इसे और भी जीवंत बनाया गया है।

## 'तानाशाही के खिलाफ लड़ाई जारी रखने की जरूरत' : सिसोदिया

**जम्मू तवी, 10 मार्च ।** आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को तानाशाही के खिलाफ लड़ाई जारी रखने की आवश्यकता पर जोर देते हुए आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने देश में ऐसी स्थिति पैदा कर दी है, जहां उसके खिलाफ आवाज उठाने वाले किसी भी व्यक्ति को झूठे मामलों में फंसा कर जेल भेज दिया जाता है। सिसोदिया ने यह भी मांग की कि प्रधानमंत्री स्पष्ट करें कि संयुक्त राज्य अमेरिका भारत को दुनिया के सामने अपनी कॉलोनी के रूप में कैसे पेश कर रहा है। माता वैष्णो देवी के दरबार में माथा टेकने के बाद जम्मू–कश्मीर दौरे के दौरान पत्रकारों से बातचीत में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वह जम्मू में अपने मित्र और आप नेता महाराज मलिक के परिवार से मिलने आए हैं। उन्होंने कहा, मुझे दुख होता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में ऐसी स्थिति बना दी गई है कि जब भी कोई आवाज उठाता है, उसे सीधे जेल में डाल दिया जाता है। सिसोदिया ने हिरासत में लिए गए आप विधायक मेहराज मलिक के सरकारी आवास पर जाकर उनके परिवार से मुलाकात की और पार्टी का समर्थन जताया। उन्होंने कहा कि सामाजिक कार्यकर्ता और विपक्षी नेता—जिनमें सोनम वांगचुक, महाराज मलिक, अरविंद केजरीवाल, सत्येंद्र जैन, संजय सिंह और स्वयं वह शामिल हैं—झूठे मामलों और मनगढ़ंत आरोपों का सामना कर चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया, भारतीय राजनीति में इसे एक सामान्य प्रथा बना दिया गया है। जो भी आवाज उठाता है, उस पर झूठे आरोप लगाकर उसे जेल भेज दिया जाता है, लेकिन साथ ही लोगों से हिम्मत न हारने की अपील भी की। उन्होंने कहा, इसलिए मैं आज यहां सबको यह बताने आया हूं कि यह तानाशाही के खिलाफ लड़ाई है। मैंने जम्मू में अपने साथियों से कहा कि हमें हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। जैसे दिल्ली के मामलों में अदालतों ने एक–एक कर भाजपा के झूठ को उजागर किया—कि पार्टी झूठ बोलती है और सत्ता की भूख में लोगों को परेशान करती है—उसी तरह मलिक के मामले में भी सच्चाई सामने आएगी।

## श्री रामायण यात्रा' ट्रेन 30 मार्च को दिल्ली से होगी रवाना

**नई दिल्ली, 10 मार्च** । भगवान राम से जुड़े पवित्र स्थलों की यात्रा कराने वाली प्रतिष्ठित 'श्री रामायण यात्रा' ट्रेन 30 मार्च को दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से शुरू होगी। भारतीय रेलवे और आईआरसीटीसी की ओर से चलाई जा रही यह विशेष भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन 16 रात और 17 दिन की तीर्थ यात्रा पर प्रमुख रामायण स्थलों का भ्रमण कराएगी।

भारतीय रेलवे ने देखो अपना देश और एक भारत श्रेष्ठ भारत के दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए भारत गौरव पर्यटक ट्रेनों की शुरुआत की है। इसी क्रम में संचालित की जा रही यह रामायण यात्रा श्रद्धालुओं को रामायण से जुड़े प्रमुख स्थलों के दर्शन कराने का अवसर प्रदान करेगी।

यह ट्रेन अयोध्या, नंदीग्राम, सीतामढ़ी, जनकपुर (नेपाल), बक्सर, वाराणसी, प्रयागराज, श्रृंगवेरपुर, चित्रकूट, नासिक, हम्पी और रामेश्वरम जैसे महत्वपूर्ण स्थलों को कवर करेगी। यात्रा के दौरान श्रद्धालु अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, हनुमानगढ़ी और सरयू घाट के दर्शन करेंगे। इसके अलावा वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर और गंगा आरती सहित कई धार्मिक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा।

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस इस पूर्ण वातानुकूलित ट्रेन में प्रथम एसी, द्वितीय एसी और तृतीय एसी श्रेणी की व्यवस्था होगी और कुल लगभग 150 पर्यटक इसमें यात्रा कर सकेंगे। ट्रेन में दो रेस्टोरेंट, आधुनिक रसोई, शॉवर क्यूबिकल, सेंसर आधारित वॉशरूम, सीसीटीवी कैमरे और प्रत्येक कोच में सुरक्षा कर्मियों की व्यवस्था भी होगी।

यह ट्रेन दिल्ली के अलावा गाजियाबाद, अलीगढ़, टुंडला, इटावा, कानपुर

और लखनऊ रेलवे स्टेशनों से भी यात्रियों को चढ़ने और उतरने की सुविधा देगी। पूरी यात्रा लगभग 7,560 किलोमीटर की होगी और 17वें दिन ट्रेन वापस दिल्ली पहुंचेगी।

आईआरसीटीसी ने इस पैकेज का किराया तृतीय एसी के लिए 1,14,100 रुपये, द्वितीय एसी के लिए 1,51,225 रुपये और प्रथम एसी के लिए 1,64,940 रुपये प्रति व्यक्ति निर्धारित किया है। इस पैकेज में ट्रेन यात्रा, तीन–सितारा होटलों में ठहरने की व्यवस्था, शाकाहारी भोजन, एसी बसों से स्थानीय भ्रमण, यात्रा बीमा और टूर मैनेजर की सेवाएं शामिल होंगी।

### कविंदर गुप्ता ने हिमाचल प्रदेश के 30वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली

▶▶ लोक भवन में मुख्य न्यायाधीश ने दिलाई शपथ; गरिमामय समारोह में पहाड़ी राज्य के लिए नए अध्याय की शुरुआत

**शिमला, 10 मार्च।** लोक भवन में आज आयोजित एक गंभीर और गरिमामय समारोह में श्री कविंदर गुप्ता ने हिमाचल प्रदेश के 30वें राज्यपाल के रूप में शपथ ग्रहण की। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गुरमीत सिंह संधावालिया ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। श्री गुप्ता ने हिंदी में शपथ ली। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल प्रो. अशिम कुमार घोष अपनी पत्नी श्रीमती मित्रा घोष के साथ, लेडी गवर्नर श्रीमती बिंदु गुप्ता और मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू उपस्थित रहे। समारोह स्थल पर जाने से पहले श्री कविंदर गुप्ता ने अपने परिवार के साथ पारंपरिक पूजा–अर्चना की। लोक भवन में पहली बार समारोह की शुरुआत वंदे मातरम् के गायन से हुई, जिसके बाद राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। इसी देशभक्ति की भावना के साथ समारोह का समापन भी हुआ। इसके बाद राज्यपाल को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। मुख्य सचिव श्री संजय गुप्ता ने भारत के राष्ट्रपति द्वारा जारी नियुक्ति वारंट पढ़कर सुनाया। इसके बाद राज्यपाल के सचिव श्री सी.पी. वर्मा ने राज्यपाल से कार्यभार ग्रहण प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करवाए। समारोह में कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे, जिनमें उपमुख्यमंत्री श्री मुकेश अग्निहोत्री, हिमाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री कुलदीप सिंह पठानिया, नेता प्रतिपक्ष श्री जयराम ठाकुर, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल, उद्योग मंत्री श्री हर्षवर्धन चौहान, शिक्षा मंत्री श्री रोहित ठाकुर, आयुष मंत्री श्री यादविंदर गोमा, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार श्री सुनील शर्मा, विधायकगण, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष श्री रमेश्वर सिंह ठाकुर, पुलिस महानिदेशक श्री अशोक तिवारी, विभिन्न आयोगों, बोर्डों और निगमों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व सदस्य, विश्वविद्यालयों के कुलपति तथा वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी शामिल थे। समारोह के बाद मीडिया से बातचीत में राज्यपाल श्री कविंदर गुप्ता ने भारत के राष्ट्रपति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें यह संवैधानिक जिम्मेदारी सौंपना उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने संविधान के अनुसार कार्य करने और राज्य सरकार के साथ समन्वय बनाए रखने की प्रतिबद्धता

# बॉस हों पार्ट टाइमर तो ऐसे करें डील

**जॉब के दौरान कई परिस्थितियों से दो चार होना पड़ता है। ऐसा हो सकता है कि कंपनी पार्ट टाइम बॉस को नियुक्त कर दे। ऐसी स्थिति में टीम की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। बॉस के साथ तालमेल बैठाकर उन्हें फैसले लेने होते हैं...**

जब आपके ऑफिस में पार्ट टाइम काम करने वाले बॉस हों और आप फुल टाइमर एम्प्लॉइ हों, तो स्थिति थोड़ी सी नाजुक हो जाती है। ऐसे में पूरी टीम को बॉस के साथ बराबर टच में रहना होता है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि टीम को फुल टाइमर बॉस की कमी महसूस होती है। टीम को कई मुद्दों पर बातचीत करने की जरूरत होती है। कई बार ऐसा होता है कि पार्ट टाइमर बॉस पूरा समय नहीं दे पाते हैं। आप अपनी कंपनी में ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, तो यहां पर दिए जाने वाले टिप्स कारगर साबित हो सकते हैं। आइए डालते हैं एक नजर –

### मानसिकता सही रखें

एक्सपर्ट कहते हैं कि एक पार्ट टाइमर बॉस किसी संस्था में काम करता है, तो वहां पर काम करने वाले लोगों के मन में यह भावना विकसित हो सकती है कि वह पावर का दुरुपयोग तो नहीं कर रहे हैं। बॉस का पद जिम्मेदारी भरा पद होता है और कंपनी बॉस पर भी नजर रखती है। याद रखें कि इसके लिए कंपनी हमेशा ही अपने स्तर पर सही व्यक्ति का चुनाव करती है। ऐसे में यह है कि टीम भी सही मानसिकता के साथ बॉस को सहयोग दे और अपना काम करे। वह कॉरपोरेट जगत के वैल्यू को समझे।

### कम्यूनिकेशन का होता है अहम रोल

जहां बॉस पार्ट टाइम काम करते हैं और उनके साथ काम करने वाले बाकी लोग फुल टाइम जॉब करते हैं, वहां पर कम्यूनिकेशन का रोल अहम हो जाता है। एक्सपर्ट मानते हैं कि ऐसी स्थिति में टीम को बॉस के साथ कम्यूनिकेशन लेवल हाई रखना पड़ता है। एक बार कम्यूनिकेशन करने का स्टाइल फिक्स हो जाता है, तो बाद में चीजों को बदल पाना आसान नहीं होता है। जब कम्यूनिकेशन सही रहेगा तो प्रॉब्लम का निपटारा भी पलक झपकते ही हो जाएगा। ऐसे में पार्ट टाइमर बॉस के संग भी टीम बेहतर रिजल्ट दे सकती है।

### फैसला लेने की कला सीखें

आप ऐसी जगह काम कर रहे हैं, जहां फुल टाइमर बॉस नहीं हैं, तो जरूरी है कि टीम का हर एक सदस्य खुद पर भरोसा दिखाए और फैसला लेने की कला सीखे। याद रखें कि जब बॉस फुल टाइमर नहीं होते हैं, तो सबसे ज्यादा दिक्कत फैसला लेने में ही होती है। वर्कप्लेस पर कई बार आपको पलक झपकते ही बड़े फैसले लेने होते हैं। दूसरा बड़ा मुद्दा यह होता है कि आप आज के कॉम्पिटिशन भरे माहौल में टीम में तेजी कैसे लाएं। जॉब एक्सपर्ट कहते हैं कि इससे निपटने के लिए कंपनियों को चाहिए कि वह फैसला लेने के अधिकार को बांट दे। इससे जहां टीम के सदस्यों में कॉन्फिडेंस पैदा होता है, वहीं समय के भीतर फैसला लेने से काम में तेजी भी आती है।

## ...तो आप भी हैं कामयाब लीडर

एक लीडर में अपनी बात को असरदार तरीके से दूसरों तक पहुंचाने का हुनर आना चाहिए। एक लीडर, अगर वह अपनी बात अपने साथ काम करने वालों को बेहतर तरीके से कम्यूनिकेट कर पाने में समर्थ है, तो इससे कामकाजी माहौल ऊर्जा से भर जाता है, लोग उत्साह से काम में जुटते हैं और उनकी रचनात्मकता काम में झलकने लगती है। एक दूरदर्शी सोच रखने वाला लीडर एक जुनूनी टीम बनाने में यकीन रखता है। यह टीम एक समान लक्ष्यों के लिए पूरे जोशोखरोश से काम करती है। अपना कारोबार फैलाती किसी भी कंपनी को एक मजबूत मैनेजमेंट के साथ–साथ ऐसी टीम की भी दरकार रहती है, जो साथ काम करने वाले लोगों के बीच आपसी एकता, यकीन और आदर की बुनियाद पर बनी हो। कामयाबी का राज है, कामकाज में साफ–सुथरापन। एक कामयाब लीडर इस बात की अहमियत जानता है और अच्छे कामकाज के लिए अपने एंप्लॉई के साथ एक बेहतर समझ विकसित करता है। इससे न सिर्फ कामकाज का बिना किसी रुकावट के निपटारा होता जाता है, बल्कि टीम के भीतर एक खुशनुमा कामकाजी माहौल भी बरकरार रहता है।

# इन बातों का ध्यान रखें तो कदम चूमेगी कामयाबी

**जब आप अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट होते हैं, तो यह जान जाते हैं कि आप कौन हैं? आप क्या हैं? आपको क्या करना है और आप क्या चाहते हैं? अगर ये चीजें आपके दिमाग में साफ हैं, तो आपकी सफलता का पहला चरण सुनिश्चित हो जाता है।**

### बनें योग्य

कामयाब होने के लिए सबसे पहले यह जरूरी है कि आप खुद को योग्य बनाएं। क्योंकि आप तब तक ऊपर नहीं चढ़ सकते, जब तककि आप में योग्यता नहीं हो। इसलिए पहले खुद को योग्य बनाना जरूरी होता है। इसके लिए लगातार प्रयत्न करना पड़ेगा। याद रखें कि कोशिश करने वालों की कभी भी हार नहीं होती है।

### दबाव झेलने की क्षमता

जब जिम्मेदारी बढ़ेगी तो दबाव के साथ–साथ अवरोध भी उत्पन्न होगा। ऐसे में इस तरह की विपरीत परिस्थितियों को झेलने की क्षमता आपमें जरूर होनी चाहिए। वैसे जब आपको एवरेस्ट पर चढ़ाई करनी हो तो रास्ते में दिक्कतें तो आएंगी ही। दिक्कतों का सामना करने से ही सफलता का दरवाजा खुलता है।

### भरपूर एकाग्रता जरूरी

इसके बिना तो आप साइकल भी नहीं चला सकते। एकाग्रता एक ऐसी चीज है, जो हर जगह काम आती है। आप अपने काम में इसके द्वारा ही परफेक्शन लाते हैं। किसी भी काम को साधारण से असाधारण बनाने के लिए एकाग्रता की जरूरत होती है। इसके माध्यम से आप बड़े से बड़े लक्ष्य को भेद सकते हैं।

### रचनात्मकता भी जरूरी

एक प्रफेशनल की सफलता में उसकी रचनात्मकता का काफी अहम योगदान होा है। इसलिए इस ओर ध्यान देना जरूरी है।

### साहस बनाए रखें

कहते हैं रिस्क लेने के बाद ही आगे बढ़ने का रास्ता खुलता है। इसके लिए साहस सबसे जरूरी चीज है। किसी ने सही कहा है कि हिम्मत रखने वालों की कभी हार नहीं होती इसलिए जीतने के लिए साहस बहुत जरूरी है।

# हार्डवेयर फील्ड में खूब हैं जॉब, मस्त सैलरी

**आज शायद ही ऐसा कोई ऑफिस हो, जहां का कामकाज कंप्यूटर पर आधारित न हो। इसके अलावा, घर, स्कूल आदि जगहों पर भी सभी कामकाज कंप्यूटर पर ही किए जाते हैं। अगर ये सुचारू रूप से काम न करें, तो सारा कामकाज अचानक ठप हो सकता है। बैंकों और अन्य सरकारी कार्यालयों में नेटवर्क फेल होने की वजह से काम ठप रहने की खबरें आपने अक्सर पढ़ी होंगी, तब इस नेटवर्क को सही करने के लिए हार्डवेयर प्रफेशनल्स की ही मदद ली जाती है। नेटवर्किंग दरअसल कंप्यूटरों को आपस में जोड़कर ऐसा जाल बनाने का फील्ड है जिसमें कोई संस्थान काम कर सके। कुल मिलाकर, कंप्यूटर इंस्टॉलेशन से लेकर, इसकी मेंटेनेंस और रोजमर्रा के ऐडमिनिस्ट्रेशन तक का सारा जिम्मा कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट्स यानी हार्डवेयर इंजिनियर्स के जिम्मे होता है।**

### कोर्स

हार्डवेयर इंजिनियर बनने के लिए मुख्य रूप से दो बेसिक कोर्स करने पड़ते हैं। पहला, हार्डवेयर और दूसरा बेसिक नेटवर्किंग। हार्डवेयर रिलेटिड कोर्स से कंप्यूटर पार्ट्स के बारे में तमाम तकनीकी जानकारी मिलती है। एक हार्डवेयर इंजिनियर या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर बनने के लिए ये दोनों कोर्स करने बेहद जरूरी हैं। नेटवर्किंग में इससे आगे कोई एक्सपर्ट बनना हो, तो अपनी पसंद के हिसाब से कुछ और बेसिक कोर्स करने होंगे, जैसे – लैन (लोकल एरिया नेटवर्क) और वैन (वाइड एरिया नेटवर्क) से जुड़े कोर्स। नेटवर्किंग से जुड़े कोर्स कराने के लिए कई सरकारी और प्राइवेट संस्थान हैं, जिन्होंने इन कोर्सेज के लिए अपनी अलग पहचान बनाई है। नेटवर्किंग सीखने के लिए तीन तरीके हैं – पहला ऑनलाइन स्टडी मटीरियल की मदद से खुद पढ़ाई, दूसरा ऐसे इंस्टिट्यूट्स जो किसी प्रोग्राम से जुड़े नहीं है और तीसरा सर्टिफाइड प्रोग्राम।

### जॉब की कमी नहीं

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि नेटवर्किंग में कोर्स करने के बाद कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट, हेल्प डेस्क टेक्निशन, नेटवर्क या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर, कंप्यूटर सिक्यॉरिटी स्पेशलिस्ट के रूप में करियर बना सकते हैं। आज इन एक्सपर्ट्स की जरूरत लगभग हर संस्थान में होती है। फिर चाहे वह कंप्यूटर और डेटा प्रोसेसिंग यूनिट हों, बैंक या अन्य सरकारी कार्यालय, कोई इंडस्ट्री या और कोई छोटी–बड़ी फर्म। जहां भी कामकाज कंप्यूटर आधारित है, वहां इन तकनीकी विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती है। सरकारें जिस तरह ई–गवर्नेंस पर जोर दे रही हैं, उससे यह फील्ड और भी हॉट बनता जा रहा है। इसके चलते स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क और डाटा सेंटर जैसे कई नए फील्ड खुल रहे हैं। कहा जा सकता है कि जब तक कंप्यूटर पर काम होता रहेगा, इन विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती रहेगी। ये किसी भी कंपनी के लिए नेटवर्क और कंप्यूटर सिस्टम की देखभाल से लेकर, एंप्लायीज और कस्टमर्स की तकनीकी जिज्ञासाओं को शांत करने तक का काम करते हैं। एंट्री लेवल पर आपकी जिम्मेदारी केवल नेटवर्क और कंप्यूटर मेंटेनेंस की हो सकती है, लेकिन अनुभव के साथ आपको किसी कंपनी के लिए इंट्रानेट आदि डिवेलप करने का जिम्मा भी दिया जा सकता है।

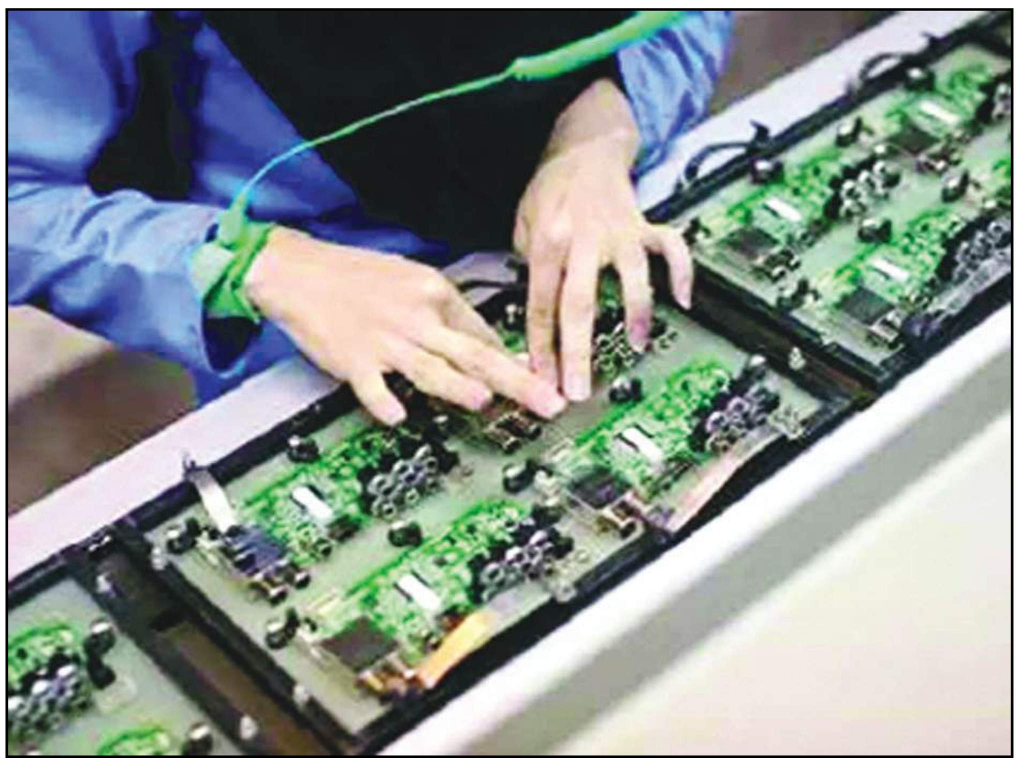

### मनी मैटर्स

बरसों से आईटी फील्ड में अच्छी–खासी सैलरी रही है। हार्डवेयर प्रफेशनल्स के लिए सॉफ्टवेयर प्रफेशनल्स की तरह मौकों की कोई कमी नहीं है। एंट्री लेवल पर आप 25 से 35,000 रुपये महीने की जॉब पा सकते हैं। अनुभव और समय के साथ इसमें बढ़ोतरी होगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबर:- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

# शिवसेना की मांग- जम्मू को ट्रांजिट नहीं, डेस्टिनेशन बनाया जाए,डायरेक्टर टूरिज्म को ज्ञापन

जम्मू, 10 मार्च (हि.स.)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की जम्मू-कश्मीर इकाई ने प्रशासन से आगामी अमरनाथ यात्रा 2026 को जम्मू संभाग के धार्मिक और प्राकृतिक पर्यटन को वैश्विक मानचित्र पर स्थापित करने के एक बड़े अवसर के रूप में देखने का आह्वान किया है।

पार्टी के प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने डायरेक्टर टूरिज्म डॉ. विकास गुप्ता से मुलाकात कर उन्हें इस संबंध में एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा।

मीडिया को संबोधित करते हुए साहनी ने कहा कि हर वर्ष लाखों श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए जम्मू पहुंचते हैं लेकिन जम्मू शहर को अब तक केवल एक ट्रांजिट या ठहराव स्थल के रूप में ही देखा जाता रहा है।

उन्होंने कहा कि अमरनाथ यात्रा के दौरान धार्मिक स्थलों समेत डोगरा विरासत और गौरवशाली इतिहास के प्रचार-प्रसार का एक सुनहरा अवसर होता है जिसका अभी तक पूरी तरह लाभ नहीं उठाया गया।

साहनी ने मांग की कि जम्मू के प्रमुख धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों को जोड़कर एक संगठित 'धार्मिक पर्यटन सर्किट' विकसित किया जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि रेलवे स्टेशन और मुख्य बेस कैंप से यात्रियों के लिए विशेष निशुल्क जम्मू दर्शन बस सेवा शुरू की जाए, ताकि श्रद्धालु रघुनाथ मंदिर, बावे वाली माता मंदिर, तिरुपति बाला जी मंदिर और अमर महल जैसे गौरवशाली स्थलों के दर्शन कर सकें।

उन्होंने कहा कि अमरनाथ यात्रा के दौरान इन धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों की ऐसी ब्रांडिंग और प्रचार-प्रसार किया जाए कि यात्री यहां से जम्मू की यादें लेकर जाएं और भविष्य में एक पर्यटक के रूप में दोबारा लौटने के लिए प्रेरित हों।

# कठुआ में गोवंश तस्करी पर पुलिस का शिकंजा, 20 गोवंश छुड़ाए, 2 आरोपी गिरफ्तार

कठुआ, 10 मार्च (हि.स.)। कठुआ पुलिस ने गोवंश तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में 20 गोवंश को मुक्त करवाया, दो आरोपियों को गिरफ्तार किया और तस्करी में इस्तेमाल दो वाहनों को जब्त किया है।

पहली कार्रवाई में थाना हीरानगर पुलिस ने एनएचडब्ल्यू लोंडी मोड़ नाका पर की। पुलिस टीम ने पंजाब से जम्मू की ओर जा रहे संदिग्ध ट्रक को रोककर जांच की। जांच के दौरान ट्रक में 13 गोवंश क्रूरता से भरे हुए मिले। पुलिस ने चालक मुजम्मिल पुत्र अनवर निवासी सहारनपुर (यूपी) को गिरफ्तार कर ट्रक जब्त कर लिया। इस संबंध में थाना हीरानगर में एफआईआर नंबर 25/2026 धारा 223 बीएनएस और 11 पीसीए एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दूसरी कार्रवाई थाना राजबाग पुलिस ने अपने क्षेत्र में नाका जांच के दौरान की, जहां ट्रैक्टर व वाटर टैंकर को रोककर तलाशी ली गई। इसमें 7 गोवंश भरे हुए पाए गए। पुलिस ने चालक राशिद अली पुत्र बली मोहम्मद निवासी चक देविया कीढ़ियां गंडियाल को गिरफ्तार कर वाहन जब्त कर लिया। इस मामले में थाना राजबाग में एफआईआर नंबर 64/2026 धारा 223 बीएनएस और 11 पीसीए एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि दोनों मामलों में कुल 20 गोवंश को बचाया गया, 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और 2 वाहन जब्त किए गए हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि गोवंश तस्करी से संबंधित किसी भी सूचना की जानकारी डायल 100 या 09858034100 पर देकर पुलिस का सहयोग करें।

# जल शक्ति विभाग की समीक्षा बैठक-राणा ने दिए सख्त निर्देश, काम में देरी बर्दाश्त नहीं

जम्मू, 10 मार्च (हि.स.)। मंत्री जावेद अहमद राणा ने मंगलवार को जल शक्ति विभाग की कार्यप्रणाली और चल रही योजनाओं की समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को परियोजनाओं की कड़ी निगरानी, जवाबदेही और तय समय सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक में विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शालीन काबरा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री ने कमजोर प्रदर्शन करने वाले डिवीजनों को फटकार लगाते हुए कहा कि काम में देरी और लापरवाही किसी भी हाल में स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि फील्ड स्तर के कर्मचारी विभाग की रीढ़ हैं और योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में उनकी अहम भूमिका है। साथ ही उन्होंने जल संरक्षण और संसाधनों के सतत प्रबंधन पर भी जोर दिया, क्योंकि प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में कम बारिश के कारण जल संकट जैसी स्थिति बन रही है। बैठक में बताया गया कि हर घर जल योजना के तहत 1,379 गांवों में से 874 गांवों को अब तक प्रमाणित किया जा चुका है और शेष गांवों का प्रमाणन जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा यूटी कैपेक्स बजट 2025-26 के तहत 762 कार्यों में से 551 पर काम शुरू हो चुका है और 161 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। विभाग ने गर्मियों में पानी की आपूर्ति बनाए रखने के लिए 308 जलापूर्ति योजनाओं में डीजी सेट के माध्यम से बैकअप बिजली व्यवस्था भी की है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोगों को बिना रुकावट पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने और परियोजनाओं को जल्द पूरा करने के लिए समन्वय के साथ काम किया जाए।

# एसीबी ने बटमालू पटवारी को 10,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा

श्रीनगर, 10 मार्च (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को श्रीनगर के हलका बटमालू में तैनात एक पटवारी को राजस्व विवरण जारी करने के बदले 10,000 रुपये की रिश्वत मांगते और लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

एसीबी को एक लिखित शिकायत मिली थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि श्रीनगर के हलका बटमालू के पटवारी सफदर हुसैन मीर शिकायतकर्ता के एक रिश्तेदार के पक्ष में राजस्व विवरण जारी करने के बदले 10,000 रुपये रिश्वत मांग रहे हैं और उन्हें आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने के लिए आज ही भुगतान करने को कहा गया है। शिकायतकर्ता ने रिश्वत देने से इनकार कर दिया और एसीबी से संपर्क करके आरोपी लोक सेवकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए एक लिखित शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत प्राप्त होने पर जाल बिछाने से पहले सत्यापन किया गया जिससे रिश्वत की मांग सिद्ध हुई। तदनुसार श्रीनगर स्थित एसीबी पुलिस स्टेशन में धारा 7 पीसी एक्ट 1988 के तहत केस संख्या 05/2026 दर्ज की गई और जांच शुरू की गई। जांच के दौरान एक ट्रैप टीम का गठन किया गया। टीम ने सफलतापूर्वक जाल बिछाया और आरोपी लोक सेवक सफदर हुसैन पटवारी, हलका बटमालू को शिकायतकर्ता से 10,000 रुपये रिश्वत मांगते और लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। सभी चिकित्सा-कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद आरोपी को हिरासत में लिया गया। मामले की आगे की जांच जारी है।

# पीएम श्री जीएचएस बॉयज़ कंडोली नागरोटा में नामांकन जागरूकता व मेगा पीटीएम का आयोजन

जम्मू, 10 मार्च (हि.स.)। पीएम श्री जीएचएस बॉयज़ कंडोली नागरोटा में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नामांकन जागरूकता कार्यक्रम, मेगा अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम), सामुदायिक जागरूकता अभियान, सोशल मीडिया जागरूकता सत्र तथा वार्षिक परिणाम घोषणा जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और स्थानीय समुदाय के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय प्रशासन ने अभिभावकों को कार्यक्रम में आमंत्रित किया ताकि वे शिक्षकों के साथ संवाद कर अपने बच्चों की शैक्षणिक प्रगति और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें।

कार्यक्रम के दौरान छात्रों के वार्षिक परिणामों की घोषणा की गई और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए प्रेरित करना था। इस मौके पर सोशल मीडिया जागरूकता पर एक विशेष सत्र भी आयोजित किया गया। इसमें विद्यालय के पूर्व छात्र और पत्रकार अमित वर्मा को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने छात्रों को सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग के बारे में जानकारी दी और कहा कि डिजिटल युग में सोशल मीडिया का उपयोग सीखने, संवाद और व्यक्तिगत विकास के लिए सकारात्मक तरीके से करना चाहिए।

अमित वर्मा ने विद्यालय प्रशासन और शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे छात्रों के भविष्य को संवारने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सराहनीय कार्य कर रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से प्रधानाध्यापिका नीलम रानी, पीएम श्री स्कूल के प्रभारी सुरिंदर डोगरा और पूरे स्टाफ के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में स्थानीय समुदाय के कई प्रमुख लोग भी उपस्थित रहे जिनमें पूर्व सरपंच रामेश्वर शर्मा, संजय शर्मा, विजय शर्मा और संजय बत्रा शामिल थे। इस अवसर पर रमेश्वर शर्मा ने कहा कि पीएम श्री विद्यालय क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और यहां से पढ़कर कई छात्र विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल कर चुके हैं।

# माइनिंग मटीरियल निकालने और ले जाने में शामिल एक डंपर और दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

पुंछ, 10 मार्च (हि.स.)। जिले में अवैध माइनिंग की गतिविधियों के खिलाफ अपनी कड़ी कार्रवाई जारी रखते हुए जिला पुलिस पुंछ ने बिना इजाजत के माइनिंग मटीरियल निकालने और ले जाने में शामिल एक डंपर और दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए। भरोसेमंद जानकारी पर कार्रवाई करते हुए और कमजोर इलाकों में रेगुलर पेट्रोलिंग और नाका चेकिंग के दौरान पुलिस टीमों ने उन गाड़ियों को रोका जो बिना वैलिड परमिशन के माइनिंग मटीरियल ले जा रही थीं। वेरिफिकेशन के बाद गाड़ियों को अवैध माइनिंग गतिविधियों में शामिल होने के लिए मौके पर ही जब्त कर लिया गया। कानून के संबंधित नियमों के तहत आगे की जरूरी कार्रवाई के लिए माइनिंग डिपार्टमेंट को सही तरीके से सूचित कर दिया गया है। जिला पुलिस पुंछ जिले में अवैध माइनिंग गतिविधियों पर रोक लगाने के अपने वादे को दोहराती है और लोगों से अपील करती है कि वे पुलिस के साथ सहयोग करें और अपने इलाकों में ऐसी किसी भी अवैध गतिविधि की रिपोर्ट करें।

# राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के आरोप में जल शक्ति विभाग के तीन कर्मचारी बर्खास्त

श्रीनगर, 10 मार्च (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर सरकार ने राष्ट्रविरोधी और विध्वंसक गतिविधियों में कथित संलिप्तता के आरोप में जल शक्ति विभाग के तीन कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया है।

अनंतनाग जिले के इकबाल मोहल्ला बिजबेहरा निवासी शौकत अहमद जरगर बिजबेहरा में दैनिक वेतनभोगी (डीआरडब्ल्यू) के रूप में कार्यरत थे उनके खिलाफ धारा 307 आरपीसी, 7/27 शस्त्र अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की धारा 16 और 18 के तहत एफआईआर संख्या 53/2019 दर्ज की गई थी। इस मामले में आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है और मामला फिलहाल विचाराधीन है।

इसके अलावा सरकार ने किश्तवाड जिले के भगवान मोहल्ला हुल्लर निवासी लियाकत अली भगवान को सेवामुक्त कर दिया है। वह आवश्यकता आधारित आकस्मिक श्रमिक (एनबीसीएल) के रूप में कार्यरत थे और किश्तवाड के बेरवार में तैनात थे। अधिकारियों ने बताया कि उनके खिलाफ एफआईआर संख्या 230/2019 में अमानवीय श्रम अधिनियम (यूएपीए) की धारा 13, 18, 19, 38 और 39 के तहत मामला दर्ज किया गया था और जांच पूरी होने के बाद आरोप पत्र दाखिल कर दिया गया है।

इसी प्रकार किश्तवाड जिले के हुंजला निवासी कौसर हुसैन भगवान को भी सेवामुक्त कर दिया गया है। वह भी आवश्यकता आधारित आकस्मिक श्रमिक के रूप में कार्यरत थे और पीएचई उपमंडल किश्तवाड के हुल्लर में तैनात थे। उस पर भी एफआईआर संख्या 230/2019 में अमानवीय श्रम अधिनियम (यूएपीए) की धारा 13, 18, 19, 38 और 39 के तहत आरोप हैं और मामला फिलहाल विचाराधीन है।

# सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू और त्रिभुवन यूनिवर्सिटी नेपाल के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

जम्मू, 10 मार्च (हि.स.)। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू और त्रिभुवन यूनिवर्सिटी, नेपाल के बीच एक औपचारिक समझौता ज्ञापन एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता वर्चुअल माध्यम से आयोजित कार्यक्रम के दौरान दोनों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू के कुलपति प्रो. संजीव जैन और त्रिभुवन यूनिवर्सिटी नेपाल के कुलपति प्रो. दीपक आर्यल मौजूद रहे। इस एमओयू का मुख्य उद्देश्य दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक और शोध क्षेत्रों में आपसी सहयोग के लिए एक मजबूत ढांचा तैयार करना है।

प्रो. संजीव जैन ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संस्थानों के बीच सहयोग से दीर्घकालिक और सार्थक साझेदारी विकसित होती है जिससे छात्रों और शिक्षकों दोनों को लाभ मिलेगा। वहीं प्रो. दीपक आर्यल ने बताया कि त्रिभुवन यूनिवर्सिटी की स्थापना 1959 में नेपाल के पहले विश्वविद्यालय के रूप में हुई थी और यह विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों की पेशकश करता है। उन्होंने कहा कि सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू के साथ यह सहयोग विशेष रूप से वायुमंडलीय विज्ञान और जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों में शोध को नई दिशा देगा। कार्यक्रम के दौरान त्रिभुवन यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर इंटरनेशनल अफेयर्स के कार्यकारी निदेशक डॉ. विष्णु प्रसाद पांडे ने कहा कि इस एमओयू का उद्देश्य दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शिक्षा, शोध, क्षमता निर्माण और अन्य शैक्षणिक क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देना है। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू की एसोसिएट डीन इंटरनेशनल अफेयर्स डॉ. श्वेता यादव ने कहा कि यह साझेदारी बदलते जलवायु परिदृश्य में हिमालयी क्षेत्र से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और इसकी शुरुआत हिमालयी जलवायु पर संयुक्त शोध से होगी।

# जीजीएम साइंस कॉलेज क्रिकेट टीम की नई यूनिफॉर्म का अनावरण

जम्मू, 10 मार्च (हि.स.)। जीजीएम साइंस कॉलेज जम्मू की क्रिकेट टीम को आगामीजम्मू क्लस्टर विश्वविद्यालय का वीसी कप से पहले बड़ा प्रोत्साहन मिला, जब कॉलेज परिसर में टीम की आधिकारिक क्रिकेट यूनिफॉर्म का औपचारिक रूप से अनावरण किया गया। नई यूनिफॉर्म का अनावरण कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर डॉ. रोमेश कुमार गुप्ता ने किया। इस अवसर पर उन्होंने क्रिकेट टीम को बधाई देते हुए खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने और संस्थान का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रिंसिपल ने खिलाड़ियों की मेहनत और समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि खेल गतिविधियां विद्यार्थियों में अनुशासन, टीमवर्क और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस मौके पर डॉ. देविंदर कुमार शर्मा ने टीम की तैयारियों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि खिलाड़ी वीसी कप टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कार्यक्रम में डॉ. राहुल कैंत सहित टीम के सभी खिलाड़ी भी उपस्थित रहे।

# नागरोटा में 15 मार्च से 72 घंटे की भूख हड़ताल शुरू होगी

जम्मू, 10 मार्च (हि.स.)। ऑल जम्मू एंड कश्मीर पंचायत कॉन्फ्रेंस के बैनर तले नागरोटा विधानसभा क्षेत्र के लोगों की मांगों को लेकर 15 मार्च से 72 घंटे की भूख हड़ताल शुरू की जाएगी। इस संबंध में नरसिंह मंदिर, जिंद्राह में क्षेत्र के प्रमुख लोगों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें यह निर्णय लिया गया। एजेकेपीसी के अध्यक्ष अनिल शर्मा इस भूख हड़ताल का नेतृत्व करेंगे। भूख हड़ताल 15 मार्च को दोपहर 12 बजे शुरू होगी और पहले चरण में 72 घंटे तक चलेगी। प्रतिनिधियों ने कहा कि यदि इस दौरान सरकार या प्रशासन बातचीत शुरू करता है और मांगों पर कार्रवाई करता है तो आंदोलन समाप्त किया जा सकता है, अन्यथा इसे आगे भी बढ़ाया जाएगा।

# महिला सशक्तिकरण पर बूट कैंप में जीडीसी हीरानगर के विद्यार्थियों की भागीदारी

कठुआ, 10 मार्च (हि.स.)। गवर्नमेंट जीएलडीएम डिग्री कॉलेज हीरानगर के विद्यार्थियों ने आईआईसी के तत्वावधान में मंगलवार को इंडस्ट्रियल बायोटेक पार्क घाटी कठुआ में आयोजित एक दिवसीय बूट कैंप में भाग लिया। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण, नेतृत्व और समाज में लैंगिक समानता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। बूट कैंप के दौरान विद्यार्थियों ने डिबेट प्रतियोगिता, निबंध लेखन और क्विज प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया और महिला सशक्तिकरण, नवाचार व सामाजिक जिम्मेदारी जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. प्रज्ञा खन्ना के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान डॉ. अनुपमा अरोड़ा, डॉ. नवीन शर्मा, प्रो. राकेश शर्मा, प्रो. शिवानी स्लाथिया और प्रो. नीरू शर्मा भी विद्यार्थियों के साथ मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में युवाओं को महिलाओं को सशक्त बनाने और एक प्रगतिशील व समावेशी समाज के निर्माण में योगदान देने का संदेश दिया गया।

# रेहाड़ी में विकास कार्यों की शुरुआत

जम्मू, 10 मार्च (हि.स.)। युद्धवीर सेठी, विधायक जम्मू पूर्व ने मंगलवार को वार्ड नंबर 8 में विकास कार्यों को आगे बढ़ाते हुए 25 लाख रुपये की लागत से टाइल लगाने के कार्य का शुभारंभ किया। यह कार्य विश्व हिंदू परिषद कार्यालय, रेहाड़ी से रेहाड़ी चुंगी तक किया जाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य पैदल चलने वालों के लिए सुविधाओं को बेहतर बनाना, इलाके की सुंदरता को बढ़ाना और इस मार्ग का प्रतिदिन उपयोग करने वाले स्थानीय निवासियों तथा यात्रियों के लिए बेहतर आधारभूत ढांचा उपलब्ध कराना है। यह पहल जम्मू पूर्व विधानसभा क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को उन्नत करने और शहरी विकास को मजबूत करने के प्रयासों का हिस्सा है।

इस अवसर पर युधवीर सेठी ने कहा कि स्थानीय आधारभूत ढांचे का विकास उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य जम्मू पूर्व की हर बस्ती में बेहतर नागरिक सुविधाएं और मजबूत बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि विश्व हिंदू परिषद कार्यालय से रेहाड़ी चुंगी तक टाइल लगाने का कार्य पूरा होने से क्षेत्र के लोगों और पैदल चलने वालों को साफ-सुथरा और सुरक्षित रास्ता मिलेगा। सेठी ने कहा कि केंद्र सरकार लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने वाले विकास कार्यों के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ऐसे विकास कार्य न केवल स्थानीय लोगों की सुविधा बढ़ाते हैं बल्कि शहर के सौंदर्यीकरण, नवाचार और आधुनिकीकरण में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

विधायक ने इस परियोजना को सुचारू रूप से लागू करने में सहयोग देने के लिए जम्मू नगर निगम के अधिकारियों और इंजीनियरों की सराहना की। उन्होंने सहायक अभियंता साहिल अरोड़ा और कनिष्ठ अभियंता राकेश के प्रयासों की भी प्रशंसा की।

# गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज जम्मू में सिविल डिफेंस का पांच दिवसीय प्रशिक्षण

जम्मू, 10 मार्च (हि.स.)। आपदा से निपटने की बढ़ती आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सिविल डिफेंस जम्मू ने गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज बिक्रम चौक जम्मू में पांच दिवसीय बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। इस प्रशिक्षण में कॉलेज के लगभग 100 छात्र भाग ले रहे हैं। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम डिप्टी एसपी ज़िया-उल-हक, डिप्टी कंट्रोलर सिविल डिफेंस जम्मू के पर्यवेक्षण में आयोजित किया जा रहा है।

प्रशिक्षण के दौरान छात्रों को प्राथमिक उपचार, आग लगने की घटनाओं की रोकथाम, प्रबंधन और नियंत्रण, सांप के काटने, चोकिंग तथा अन्य बुनियादी जीवन रक्षक तकनीकों की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही हवाई हमले और प्राकृतिक या मानव निर्मित आपदाओं के दौरान अपनाए जाने वाले बचाव उपायों के बारे में भी प्रशिक्षित किया जा रहा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर डिप्टी कंट्रोलर सिविल डिफेंस जिया-उल-हक ने सिविल डिफेंस की भूमिका और इस प्रकार के प्रशिक्षण के महत्व पर विस्तृत व्याख्यान दिया। वहीं डिप्टी चीफ वार्डन सिविल डिफेंस आर. विजय मगोत्रा ने भी सिविल डिफेंस वार्डन सेवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। कॉलेज के प्रिंसिपल इंजीनियर तलत महमूद ने संस्थान में इस तरह का प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए सिविल डिफेंस टीम की सराहना की और कहा कि इससे छात्रों को आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की व्यावहारिक जानकारी मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान सिविल डिफेंस जम्मू के पोस्ट वार्डन रमेश शर्मा, संदीप सिंह (एचओडी सिविल इंजीनियरिंग), तारिक अमीन खांडे (एचओडी एनटी), संजय गुप्ता (एचओडी इलेक्ट्रिकल), राज कुमार (एचओडी मैकेनिकल), राज शेखर (एचओडी ऑटोमोबाइल), संजय कौल (एचओडी कंप्यूटर एंड साइंसेज), रानी देवी (एचओडी एमएलटी) और खेल शिक्षक चमैल सिंह सहित कई शिक्षक और अधिकारी उपस्थित रहे।

# संपादकीय

## स्वास्थ्य क्षेत्र, विशेषकर चिकित्सा शिक्षा में उल्लेखनीय प्रगति

ऐसा प्रतीत होता है कि जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए किए जा रहे प्रयास अब रंग लाने लगे हैं। National Medical Commission द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए जम्मू-कश्मीर के मेडिकल कॉलेजों में सुपर स्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों हेतु 24 नए या उन्नत स्नातकोत्तर (पीजी) सीटों को मंजूरी दिया जाना इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है।

रिपोर्ट के अनुसार, श्रीनगर और जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेजों को क्रमशः 10 और 8 पीजी सीटें ब्रॉड स्पेशियलिटीज (बीएस) में आवंटित की गई हैं, जबकि Sher-i-Kashmir Institute of Medical Sciences, श्रीनगर को शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए 6 सीटें प्रदान की गई हैं। Government Medical College Jammu को पहली बार डीएम (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन) और एम.च. (मास्टर ऑफ चिरुर्जिए) यूरोलॉजी सीटों की स्वीकृति मिलना जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए गर्व का क्षण है और इसे संभव बनाने वालों के लिए सम्मान की बात है।

यदि हालिया उपलब्धियों पर नजर डालें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि जो क्षेत्र कभी स्वास्थ्य सेवाओं में पिछड़ा हुआ था, वहां अब चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन देखने को मिल रहा है। एमबीबीएस सीटों की संख्या 500 से बढ़ाकर 1500 कर दी गई है, साथ ही पूरे जम्मू-कश्मीर में 120 पीजी सीटों की वृद्धि हुई है। इनमें से 44 पीजी सीटें जम्मू के जीएमसी को मिली हैं। अब सुपर स्पेशियलिटी सीटों में भी बढ़ोतरी हुई है। पैरामेडिकल सीटों में भी वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अतिरिक्त, क्षेत्र में पीजी आयुर्वेदिक पाठ्यक्रम की भी शुरुआत की गई है।

इस महत्वपूर्ण क्षेत्र पर केंद्रित ध्यान लंबे समय से जनता की मांग थी और केंद्र तथा जम्मू-कश्मीर की सरकारों ने अंततः वह कार्य कर दिखाया, जिसे कई पूर्ववर्ती सरकारें केवल वादों तक सीमित रखती रहीं।

स्वास्थ्य क्षेत्र, विशेषकर चिकित्सा शिक्षा में यह उल्लेखनीय प्रगति इस बात का प्रमाण है कि यदि सरकार की नीयत साफ और दृष्टि स्पष्ट हो, तो कठिन परिस्थितियों के बावजूद किसी भी क्षेत्र में परिवर्तन संभव है। नई सीटों और नवाचारपूर्ण सुपर स्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों के साथ यह उम्मीद की जा सकती है कि इस महत्वपूर्ण क्षेत्र का भविष्य उज्ज्वल है। स्वास्थ्य सुविधाएं देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के समकक्ष पहुंचेंगी और डॉक्टरों को अब अपनी योग्यता और कौशल को बढ़ाने के लिए केंद्र शासित प्रदेश से बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

निस्संदेह, इस बड़ी उपलब्धि के लिए सरकार प्रशंसा की पात्र है, क्योंकि यह जम्मू-कश्मीर में चिकित्सा क्रांति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होने जा रहा है। जिस गति से यह क्षेत्र उपलब्धियां हासिल कर रहा है और स्वास्थ्य सेवाओं का केंद्र बनने की दिशा में अग्रसर है, उसे देखते हुए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि यहां स्वास्थ्य क्षेत्र का स्वर्णिम भविष्य अब दूर नहीं।

# भारतीय दल ने पराक्रम और कौशल से टी-20 विश्वकप पर अधिकार कर दिखाया

-आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय

**न्यू ज़ीलैण्ड की पारी शुरू हो चुकी थी। भारतीय गेंदबाज़ उनपर प्रभावी दिख रहे थे। भारतीय दल को तब ज़ोरदार झटका लगा था जब अर्शदीप सिंह के पहले ओवर के पाँचवीं गेंद पर शिवम दुबे ने साइफ़र्ट का एक आसान-सा कैच छोड़ दिया था। साइफ़र्ट ख़तरनाक बैटर हैं, जिन्हें जीवनदान का परिणाम था कि साइफ़र्ट ने हार्दिक पाण्ड्या की गेंद पर लगातार दो छक्के लगा दिये थे। हार्दिक के पहले ओवर में 21 रन बनाकर न्यूज़ीलैण्ड के बैटरों, विशेषकर साइफ़र्ट ने अपना इरादा ज़ाहिर कर दिया था।**

8 मार्च की तारीख़ भारतीय क्रिकेट की दृष्टि से देश को गौरवान्वित करने वाली थी और सबकी निगाहें गुजरात के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम की पिच पर संध्या 7 बजे स्थिर हो गयी। तमाम अटकलों को ख़ारिज़ करते हुए, जब भारत ने टी-20 विश्वकप के फ़ाइनल में न्यूज़ीलैण्ड को एकतरफ़ा से दिख रहे मुक़ाबले मे 96 रनों से मात देकर भारतीय दल लगातार दूसरी बार विश्वकप को चूमा तब मानो घड़ी भी कुछ देर के लिए ठिठक कर रह गयी थी।

अभिषेक शर्मा की लगातार विफलता को देखते हुए, उन्हें फ़ाइनल मे रखा जाये वा नहीं, इस पर बहुत मन्थन किया गया था; अन्ततः, उन्हें मौक़ा दिया गया और उन्होंने अतीत के पृष्ठों को नज़रअन्दाज़ करते हुए, एक ऐसे पृष्ठ पर अपने पराक्रम और कौशल के हस्ताक्षर कर दिये, जो अमिट हो गया है और स्वर्णाक्षरों में दर्ज हो गया है। टी-20 विश्वकप के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ कि प्रारम्भिक तीनों बैटर अर्द्धशतक बनाये। इतना ही नहीं, पॉवर-प्ले में बिना किसी क्षति के 92 रनों का स्कोर खड़ा करना भी एक कीर्तिमान बन गया है।

न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया जो कुछ हद तक सही नहीं लग रहा था। भारतीय दल ने इस मौक़े को हाथोंहाथ लिया। जब संजू सैम्सन, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन बल्लेबाज़ी कर रहे थे तब गेंदबाज़ी बहुत सामान्य स्तर की दिख रही थी। आरम्भ के एक-दो ओवर तक भारतीय बैटरों ने गेंदों के स्वभाव को समझा, उसके बाद उनके तेवर बदले और छक्के-चौके से दर्शकों और श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन होता रहा।संजू सैम्सन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और शिवम दुबे के बल्ले का कमाल था कि भारतीय दल का स्कोर 250 से पार चला गया था। एक समय वह भी था, जब भारत का स्कोर 300 रन के लगभग दिख रहा था। चारों ने उम्दा प्रदर्शन किये, जबकि कप्तान सूर्यकुमार यादव ने आते ही लापरवाही भरा शॉट खेलकर भारत को लगभग 50 रन पीछे खींच लिये; क्योंकि उसके बाद आया राम-गया राम का नज़ारा दिखता रहा।

16 वें ओवर में 204 की रन संख्या पर भारत के 4 विकेट गिर चुके थे। समझ मे नहीं आ रहा था कि न्यूज़ीलैण्ड के गेंदबाज़ नीशम ने भारतीय बैटरों पर कौन-सा जादू कर दिया है, जो अचानक एक-के-बाद-एक तीन विकेट- संजू सैम्सन, ईशान और सूर्यकुमार यादव के गिरते रहे। उसके बाद उसी स्कोर पर फ़्री की गेंद पर हार्दिक पाण्ड्या का कैच छूटा था। तीनों ने अनावश्यक शॉट लगाये थे। थोड़ा ठहर लेना था क्योंकि रन तो बन ही रहे थे। संजू सैम्सन ने भी अपने पिछले अन्दाज़ में फ़ाइनल में भी अर्द्धशतकीय पारी (46 गेंदों में 89 रन) खेली थी। अभिषेक ने 21 गेंदों में अर्द्धशतक बनाये थे। ईशान ने भी अर्द्धशतक (25 गेंदों में 54 रन) बनाकर अपनी क़ाबिलियत बता और दिखा दी थी। तीनों की बिन्दास बल्लेबाज़ी का ही नतीजा था कि भारतीय दल का स्कोर वहाँ तक पहुँच चुका था, जिसकी किसी ने उम्मीद तक नहीं की थी।

हार्दिक को आक्रामक प्रदर्शन करने के लिए पहले ही भेजा गया था; परन्तु वे निष्क्रिय दिखते रहे, जिसका परिणाम रहा कि आख़िरी 14 गेंदों में तीन विकेट की क्षति पर मात्र 9 रन बने। जो स्कोर 300 रन तक दिख रहे थे, पूरी तरह से सिकुड़ गये। तीनों के आउट होते ही रनों के लाले पड़ते दिखते रहे।

न्यूज़ीलैण्ड के गेंदबाज़ों ने 15वें ओवर से रनों पर अंकुश लगा दिये थे। एक समय था, जब भारतीय दल का रन-औसत 15-16 का था। गेंदबाज़ी में न्यूज़ीलैण्ड की अप्रत्याशित वापसी दिख रही थी। तीनों को संयमित रहना था; पर बहक गये थे। हेनरी ने हार्दिक को चलता कर दिया था। गेंदबाज़ यॉर्कर से दूर रहकर गेंदों पर तरह-तरह से अँगुलियाँ फेरते हुए कमाल की गेंदबाज़ी करते दिख रहे थे। पिछले चार ओवरों (16 से 19) में मात्र 28 रन आये थे।

बारी शिवम दुबे की थी, जिन्होंने आख़िरी ओवर में चार गेंदों में 24 रन (दो छक्का और तीन चौका) बनाकर भारत को 255 रनों तक पहुँचा दिया था, जो पिछले चार ओवर पहले बना पाना बहुत मुश्किल दिख रहा था। इस प्रकार शिवम ने मात्र 8 गेंदों में अविजित 26 रन बनाकर अपने होने को सिद्ध कर दिखाया है।

बेशक, भारत ने 255 रनों का स्कोर बनाकर मनोवैज्ञानिक लाभ ले लिया था।

न्यू ज़ीलैण्ड की पारी शुरू हो चुकी थी। भारतीय गेंदबाज़ उनपर प्रभावी दिख रहे थे। भारतीय दल को तब ज़ोरदार झटका लगा था जब अर्शदीप सिंह के पहले ओवर के पाँचवीं गेंद पर शिवम दुबे ने साइफ़र्ट का एक आसान-सा कैच छोड़ दिया था। साइफ़र्ट ख़तरनाक बैटर हैं, जिन्हें जीवनदान का परिणाम था कि साइफ़र्ट ने हार्दिक पाण्ड्या की गेंद पर लगातार दो छक्के लगा दिये थे। हार्दिक के पहले ओवर में 21 रन बनाकर न्यूज़ीलैण्ड के बैटरों, विशेषकर साइफ़र्ट ने अपना इरादा ज़ाहिर कर दिया था। एलन जिस बल्ले से आकर्षक प्रदर्शन कर रहे थे, उसे बदल कर दूसरा बल्ला ले लिया और अक्षर पटेल की अगली ही गेंद पर तिलक वर्मा को कैच थमा बैठे। जो रचिन रवीन्द्र उद्घाटक बैटर के लिए जाने जाते रहे हैं, पहले विकेट गिरने के बाद आये; परन्तु जसप्रीत बुमराह की पहली ही गेंद पर उनका ज़ोरदार कैच लाँग-ऑन पर खड़े ईशान किशन ने लपक लिया था, यद्यपि गेंद छिटका था तथापि ईशान ने उसे दूसरे प्रयास में जकड़ लिया।

पाँचवें ओवर की पाँचवीं गेंद पर अक्षर पटेल ने ख़तरनाक दिख रहे फ़िलिप्स को पैवेलियन का रास्ता दिखा दिया था।

पॉवर-प्ले में बड़ी संख्या में रनों का बनना और विकेट बचाये रखना बहुत महत्त्वपूर्ण होता है; परन्तु न्यूज़ीलैण्ड पॉवर-प्ले में भारत की तुलना में बहुत पीछे दिख रहा था। उसके पॉवर-प्ले में 52 रनों में 3 विकेट गिर चुके थे। साइफ़र्ट का कैच छोड़ना महँगा रहा; क्योंकि साइफ़र्ट ने मात्र 23 गेंदों मे 50 रन बना लिये थे। हार्दिक पाण्ड्या बल्लेबाज़ी में कुछ ख़ास नहीं कर पाये; परन्तु उन्होंने चैपमैन को क्लीन बोल्ड कर दिया था; यद्यपि उनका पहला ओवर बहुत महँगा रहा। अपने पहले ओवर में 15 रन देनेवाले वरुण चक्रवर्ती भी महँगे रहे; परन्तु उन्होंने भी आक्रामक दिख रहे साइफ़र्ट को ईशान किशन के हाथों कैच कराकर बहुमूल्य विकेट ले लिया था। इस तरह न्यूज़ीलैण्ड के आधे बैटर 9 ओवरों के खेल में 83 रनों के स्कोर पर पैवेलियन मे पहुँच चुके थे।

जब न्यूज़ीलैण्ड के पाँच विकेट गिर चुके थे तब टीवी स्क्रीन पर महेन्द्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा, कपिल देव और जय शाह के चेहरे दिखाये गये।

ग्यारहवें ओवर की पाँचवीं गेंद पर उस समय अप्रिय दृश्य दिखा, जब डैरिक मिचेल की बल्लेबाज़ी करते समय उनके शॉट लगाने के बाद अर्शदीप ने ऑफ़ स्टम्प पर खड़े मिचेल की ओर अनावश्यक रूप से तेज़ी में गेंद फेंका, जिसे लेकर मिचेल ने अम्पायर से शिकायत की थी, फिर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और अर्शदीप ने मिचेल से हाथ मिलाकर विवाद को शान्त कराया।

जब न्यूज़ीलैण्ड के महारथी आयाराम-गयाराम की भूमिका में दिख रहे थे तब कप्तान सैण्टनर ने कप्तानी पारी खेली; परन्तु तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

तेरहवाँ ओवर बहुत रोचक था, जिसमें अक्षर की पहले गेंद पर हार्दिक ने डैरिक मिचेल का आसान-सा कैच छोड़ा और दूसरे में एक ख़राब क्षेत्ररक्षण करके चार रन दे दिये; परन्तु ईशान किशन ने नहीं बख़्शा था। उन्होंने अक्षर की गेंद पर मिचेल के कैच को लपक लिया। अक्षर पटेल की गेंदबाज़ी शानदार रही, जिन्होंने तीन ओवरों में 27 रन देकर 3 विकेट झटके थे।

इस तरह उन्नीसवें ओवर में न्यूज़ीलैण्ड के 6 विकेट गिर चुके थे और भारतीय दल अपने देश में पहली बार टी-20 विश्वकप जीतने की ओर अग्रसर दिख रहा था।

सोलहवें ओवर की तीसरी गेंद पर जसप्रीत बुमराह ने सातवें विकेट के रूप में नीशम को और चौथे गेंद पर मैथ्यू हेनरी को यॉर्क करा कर भारत की जीत का मार्ग प्रशस्त कर दिया था। वही नीशम थे, जो तीन आक्रामक प्रदर्शन करने वाले भारतीय बल्लेबाज़ों को लगातार आउट करते रहे।

इस प्रकार न्यूज़ीलैण्ड ने सत्रहवें ओवर में 8 विकेटों पर 143 रन बना लिये थे। उन्नीसवें ओवर में न्यूज़ीलैण्ड के 9 विकेट गिर चुके थे। अन्ततः न्यूज़ीलैण्ड उन्नीसवें ओवर में मात्र 159 रनो पर ऑल-आउट हो चुका था और भारत लगातार दो बार विश्वकप जीतनेवाला विश्व का प्रथम देश बन चुका था; मगर अब तीसरी बार (वर्ष 2007, 2024 और 2026) टी-20 विश्वकप जीतकर विश्व का प्रथम देश होने का गौरव अर्जित कर लिया है।

यदि दो आसान कैचों के छोड़ने को अलग करके देखें तो कुल मिलाकर भारतीय खेलाड़ियों का क्षेत्ररक्षण प्रभावकारी था। ईशान किशन का क्षेत्ररक्षण देखते ही बन रहा था। बुमराह की गेंदबाज़ी कहर ढा रही थी, जिन्होंने टी-20 विश्वकप में पहली बार 4 विकेट ले लिये थे। उन्होंने मात्र 15 गेंदों में 4 विकेट लेकर भारतीय चौखट पर विश्वकप को सरका दिया था।

उन्नीसवाँ ओवर अभिषेक शर्मा को दिया गया था, जिसे उन्होंने न्यूज़ीलैण्ड का अन्तिम विकेट लेकर भारतीय दल को विजयश्री के द्वार पर विश्वकप को चूमते हुए दिखा दिया, तब न्यूज़ीलैण्ड ने उन्नीसवें ओवर में आलआउट होकर मात्र 159 रन बना पाये थे।

इस विश्वकप पर अधिकार कर लेने के बाद भारतीय दल की यशस्विता का परचम विश्व-क्रिकेट मे लहरा तो रहा ही है, खेलाड़ियों को मालामाल भी कर रहा है। विजेता भारतीय दल को 27 करोड़ 5 लाख रुपये (3 मिलियन डॉलर) दिये गये हैं, जबकि उपविजेता न्यूज़ीलैण्ड के दल को 14 करोड़ 7 लाख रुपये (1.6 मिलियन डॉलर) दिये गये हैं। इस पूरे टूर्नामेण्ट में सर्वोत्तम प्रदर्शन करने वाले संजू सैम्सन को प्लेयर ऑव़ द टूर्नामेण्ट घोषित किया गया।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

# भारत की डिजिटल संप्रभुता की वैश्विक धाक

**डॉ. मयंक चतुर्वेदी**

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने विश्व समुदाय को यह स्पष्ट संकेत दे दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भारत अब नीति निर्धारण और वैश्विक दिशा तय करने वाला देश बन चुका है। 89 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भागीदारी तथा 88 देशों द्वारा हस्ताक्षरित नई दिल्ली घोषणा ने भारत के मानव-केंद्रित एआई दृष्टिकोण को जब अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्रदान की, तब इसके साथ यह भी तय हो गया कि भारत अब एआई क्राति में आर्थिक, सामाजिक और नैतिक आयामों को समेटने वाला देश बनने जा रहा है।

दरअसल, नई दिल्ली घोषणा का मूल दर्शन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस विचार में निहित है, जिसमें एआई को मानव कल्याण का साधन माना गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्पष्ट किया कि यह घोषणापत्र सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की भावना से प्रेरित है। इसका उद्देश्य एआई संसाधनों और उसके लाभों को कुछ देशों या कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय पूरी मानवता तक पहुंचाना है। घोषणा में सात प्रमुख स्तंभों को आधार बनाया गया है; एआई संसाधनों का लोकतंत्रीकरण, आर्थिक विकास और सामाजिक भलाई, सुरक्षित और भरोसेमंद एआई, विज्ञान के लिए एआई, सामाजिक सशक्तिकरण, मानव पूंजी विकास तथा लचीली और ऊर्जा-कुशल प्रणालियां। यहां यह ढांचा वैश्विक सहयोग की नई संरचना प्रस्तुत करता हुआ दिखा है, जिसमें राष्ट्रीय संप्रभुता का सम्मान करते हुए साझा प्रगति को प्राथमिकता दी गई है।

700 अरब डॉलर तक पूंजीगत व्यय की तैयारी इस समिट ने एक और महत्वपूर्ण संदेश दिया कि भारत एआई निवेश का नया वैश्विक केंद्र बन रहा है। अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और अल्फाबेट जैसी दिग्गज कंपनियां एआई पर वैश्विक स्तर पर लगभग 700 अरब डॉलर तक पूंजीगत व्यय की तैयारी में हैं। भारत में बड़े औद्योगिक समूहों ने भी अभूतपूर्व निवेश योजनाओं की घोषणा की है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लगभग 110 अरब डॉलर डेटा सेंटर और संबंधित अवसंरचना में निवेश की योजना बना रही है, जबकि अदाणी ग्रुप ने अगले दस वर्षों में 100 अरब डॉलर एआई आधारित डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए निर्धारित किए हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने इस दशक के अंत तक ग्लोबल साउथ देशों में 50 अरब डॉलर निवेश की दिशा में बढ़ने की बात कही है। ओपनएआई और एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेज ने टाटा समूह के साथ मिलकर भारत में एआई क्षमताओं को मजबूत करने का संकल्प लिया है। ब्लैकस्टोन ने भारतीय एआई इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी नेयसा में 600 मिलियन डॉलर का निवेश किया है। एनवीडिया ने भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में अपनी भागीदारी बढ़ाने की घोषणा की है। ये निवेश केवल पूंजी प्रवाह नहीं हैं; ये भारत की डिजिटल संप्रभुता, डेटा अवसंरचना और तकनीकी आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने की दिशा में संरचनात्मक परिवर्तन का संकेत हैं। भारत अब वैश्विक तकनीकी विमर्श का केंद्रसमिट में वैश्विक तकनीकी नेतृत्व की उपस्थिति ने भारत की बढ़ती साख को और मजबूत किया। ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन, अल्फाबेट के सुंदर पिचाई, एंथ्रोपिक के डारियो अमोदेई और गूगल डीपमाइंड के डेमिस हासाबिस जैसे वैश्विक नेता इस आयोजन में शामिल हुए। निश्चित ही यह भागीदारी संकेत है कि भारत अब वैश्विक तकनीकी विमर्श का केंद्र बन चुका है। अमेरिका और भारत के बीच पैक्स सिलिका समझौते ने सिलिकॉन आधारित तकनीकों की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करने के सहयोग को नया आयाम दिया है। भारत द्वारा 18 अरब डॉलर की सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी देना इस रणनीतिक दृष्टि का आधार है। एआई के संदर्भ में भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका समावेशी दृष्टिकोण है। यहां एआई को केवल कॉर्पोरेट लाभ का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का उपकरण माना जा रहा है। इसका सबसे सशक्त उदाहरण कृषि क्षेत्र में दिखाई देता है।

# विपक्ष की भूमिका पर उठते सवाल

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारतीय लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण संस्था संसद है। यही वह मंच है जहाँ जनता के प्रतिनिधि देश के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा करते हैं, सरकार से जवाबदेही मांगते हैं और राष्ट्रीय हित में नीतियों का निर्माण करते हैं। लोकतंत्र में संसद देश की सामूहिक चेतना का प्रतीक भी होती है, यहाँ होने वाली बहसें सरकार की नीतियों को दिशा देती हैं और जनता की आकांक्षाओं और समस्याओं को भी राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनाती हैं। यही कारण है कि संसद से यह अपेक्षा की जाती है कि यहाँ होने वाली हर बहस का केंद्र भारत और उसके नागरिकों की समस्याएँ हों।

वस्तुतः हाल ही में संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन जो दृश्य सामने आया, उसने अवश्य आज लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस ने अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष तथा पश्चिम एशिया की स्थिति पर संसद में चर्चा की मांग को लेकर इतना हंगामा कर दिया कि लोकसभा की कार्यवाही चल ही नहीं सकी। यह स्थिति तब पैदा हुई जब सरकार की ओर से विदेश मंत्री पहले ही इस विषय पर संसद में विस्तृत जानकारी दे चुके थे। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या यह वास्तव में जनहित का मुद्दा था या फिर राजनीतिक विरोध के लिए संसद को बाधित करने की रणनीति?

विदेश मंत्री ने राज्यसभा और लोकसभा दोनों में पश्चिम एशिया की स्थिति पर विस्तार से सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मौजूदा संघर्ष भारत के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि खाड़ी देशों में लगभग एक करोड़ भारतीय काम करते हैं। इसके अलावा भारत की ऊर्जा सुरक्षा भी काफी हद तक इसी क्षेत्र पर निर्भर है। भारत सरकार अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह सतर्क है और अब तक हजारों भारतीयों को सुरक्षित स्थानों तक पहुँचाया जा चुका है। संबंधित मंत्रालयों और विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों के साथ लगातार समन्वय बनाए रखा जा रहा है।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि संघर्ष के कारण वैश्विक सप्लाई चेन और ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो सकती है इसलिए भारत स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। विदेश मंत्री ने यह भी स्वीकार किया कि ईरान की मौजूदा परिस्थितियों में नेतृत्व स्तर पर संपर्क करना कठिन हो गया है, किंतु भारत हमेशा शांति, संवाद और कूटनीतिक समाधान का पक्षधर रहा है।

जब सरकार इस विषय पर संसद को जानकारी दे चुकी थी, तब भी विपक्ष का लगातार फ्वी वांट डिस्कशनफ्र के नारे लगाना और सदन की कार्यवाही बाधित करना कई प्रश्नों को जन्म देता है। क्या विपक्ष को यह ज्ञात नहीं कि भारत एक विशाल और जटिल देश है, जहाँ 140 करोड़ से अधिक लोगों की आकांक्षाएँ और समस्याएँ हैं? रोजगार, कृषि संकट, शिक्षा और स्वास्थ्य की गुणवत्ता, बुनियादी ढाँचे का विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा, पर्यावरण और जल संकट जैसे अनेक विषय हैं, जिन पर संसद में गहन और गंभीर चर्चा की आवश्यकता है।

यह एक गहन तथ्य है कि भारत की अर्थव्यवस्था आज लगभग 3.5 ट्रिलियन डॉलर के आकार तक पहुँच चुकी है और सरकार इसे आने वाले वर्षों में 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। यह लक्ष्य तभी हासिल किया जा सकता है जब उद्योगों में निवेश बढ़े, रोजगार सृजन की गति तेज हो और युवाओं को व्यापक अवसर मिलें। हर वर्ष लगभग एक से सवा करोड़ युवा श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं। यदि इतने बड़े पैमाने पर रोजगार उपलब्ध नहीं हुए तो बेरोजगारी और सामाजिक असंतोष दोनों बढ़ सकते हैं।

इसका एक कारण यह भी है कि वर्तमान में देश की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यह स्थिति भारत को एक बड़ा जनसांख्यिकीय लाभ प्रदान करती है, जिसे फ्डेमोग्राफिक डिविडेंडफ्र कहा जाता है, किंतु इसका लाभ तभी लिया जा सकता है जब युवाओं को पर्याप्त शिक्षा, कौशल और रोजगार के अवसर उपलब्ध हों।

यदि ऐसा नहीं हुआ तो यही जनसांख्यिकीय लाभ भविष्य में चुनौती भी बन सकता है।

इसी तरह किसानों की आय, ग्रामीण विकास, शिक्षा व्यवस्था का सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और बुनियादी ढाँचे का विकास जैसे विषय सीधे भारत के भविष्य से जुड़े हुए हैं। संसद में इन मुद्दों पर व्यापक और गंभीर चर्चा की आवश्यकता है। यदि संसद का बहुमूल्य समय विदेशी संघर्षों पर राजनीतिक हंगामे में खर्च हो जाए, तो यह लोकतंत्र की भावना के अनुरूप कैसे माना जा सकता है?

यह स्पष्ट है कि विदेश नीति और वैश्विक घटनाएँ भी महत्वपूर्ण होती हैं। पश्चिम एशिया की स्थिति का भारत की ऊर्जा सुरक्षा और प्रवासी भारतीयों से गहरा संबंध है। इसलिए इस विषय पर सरकार का सतर्क रहना और संसद को जानकारी देना आवश्यक है। लेकिन इसका यह अर्थ बिल्कुल नहीं हो सकता कि इन मुद्दों को संसद की कार्यवाही बाधित करने का साधन बना दिया जाए।

हालांकि इसमें दो मत नहीं कि लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। वह सरकार की नीतियों की आलोचना करता है, उसकी गलतियों की ओर ध्यान दिलाता है और वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। परन्तु यह भूमिका तभी सार्थक होती है जब वह जिम्मेदार और रचनात्मक हो। संसद को बार-बार बाधित करना, नारेबाजी करना और बहस के बजाय हंगामा करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करता है।

विडंबना यह भी रही कि जब विदेश मंत्री राज्यसभा में इस विषय पर बोल रहे थे, तब विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। यदि वास्तव में चर्चा की इच्छा होती तो विपक्ष उस समय सदन में रहकर सवाल पूछ सकता था, अपनी चिंताएँ व्यक्त कर सकता था और सरकार को जवाब देने के लिए बाध्य कर सकता था। लेकिन वॉकआउट और हंगामा यह संकेत देते हैं कि उद्देश्य शायद चर्चा से अधिक राजनीतिक संदेश देना था।

वस्तुतः आज भारत विश्व मंच पर तेजी से उभरती हुई शक्ति है। आर्थिक, सामरिक और कूटनीतिक दृष्टि से भारत की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो चुकी है। ऐसे समय में संसद का हर निर्णय और हर बहस वैश्विक स्तर पर भी एक संदेश देती है। यदि संसद में बार-बार अव्यवस्था और हंगामा होता है, तो यह लोकतांत्रिक परिपक्वता की छवि को भी प्रभावित करता है। इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी राजनीतिक दल संसद की गरिमा और उसकी जिम्मेदारी को समझें। भले असहमति लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है, किंतु उसका तरीका रचनात्मक और तथ्य आधारित होना चाहिए।

लोकतंत्र में संसद राष्ट्रीय जिम्मेदारी का प्रतीक है। यहाँ होने वाली बहसें देश की दिशा और भविष्य तय करती हैं। रोजगार, कृषि, शिक्षा-स्वास्थ्य, राष्ट्रीय सुरक्षा और पर्यावरण जैसे मुद्दे करोड़ों भारतीयों के जीवन से जुड़े प्रश्न हैं। इन पर गंभीर, तथ्य आधारित और दूरदर्शी चर्चा ही भारत को समावेशी और टिकाऊ विकास की राह पर आगे बढ़ा सकती है। सभी सांसदों से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वे संसद में राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को प्राथमिकता दें। यदि सभी दल इस भावना के साथ काम करें तो संसद वास्तव में उस उद्देश्य को पूरा करती दिखती है जिसके लिए उसे लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था कहा जाता है।

## फुटबॉल टूर्नामेंट फीफा विश्व कप की 11 जून से होगी शुरुआत और 19 जुलाई को फाइनल

**नई दिल्ली।** दुनिया के सबसे बड़े फुटबॉल टूर्नामेंट फीफा विश्व कप 2026 का 23वां संस्करण 11 जून से शुरू होगा। इस बार टूर्नामेंट की मेजबानी तीन देश–संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको–मिलकर करेंगे। उद्घाटन मुकाबला मेक्सिको सिटी के प्रसिद्ध एस्टाडियो एज्टेका स्टेडियम में खेला जाएगा। इस बार टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 48 टीमें हिस्सा लेंगी, जो अब तक के इतिहास में सबसे अधिक है। फीफा विश्व कप 2026 कुल 39 दिनों तक चलेगा। टूर्नामेंट 11 जून से शुरू होकर 19 जुलाई 2026 तक खेला जाएगा। पूरे टूर्नामेंट में कुल 104 मैच खेले जाएंगे। ग्रुप चरण के मुकाबले 11 जून से 27 जून तक खेले जाएंगे। इसके बाद नॉकआउट दौर की शुरुआत 29 जून से होगी।इस विश्व कप में नए फॉर्मेट के तहत राउंड ऑफ 32 शामिल किया गया है। यह चरण 29 जून से 3 जुलाई के बीच खेला जाएगा। इसके बाद राउंड ऑफ 16 के मुकाबले 4 से 7 जुलाई तक होंगे। क्वार्टर फाइनल मुकाबले 9 से 11 जुलाई के बीच खेले जाएंगे, जबकि सेमीफाइनल 14 और 15 जुलाई को आयोजित होंगे। तीसरे स्थान के लिए प्ले-ऑफ मैच 18 जुलाई को होगा।

## इंडियन वेल्स 2026: हाथ में तेज दर्द के कारण कोको गॉफ ने तीसरे दौर का मैच बीच में छोड़ा

**इंडियन वेल्स।** दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन अमेरिका की कोको गॉफ को इंडियन वेल्स ओपन 2026 के तीसरे दौर के मुकाबले में चोट के कारण मैच बीच में छोड़ना पड़ा। खेले गए मैच में गॉफ फिलीपींस की खिलाड़ी एलेक्जेंड्रा एला के खिलाफ खेल रही थीं, लेकिन बाएं हाथ में तेज दर्द के कारण वह मुकाबला जारी नहीं रख सकीं। 21 वर्षीय गॉफ उस समय 2-6, 0-2 से पीछे चल रही थीं। अंतिम गेम से पहले उन्होंने मेडिकल टाइमआउट लिया और फिर मैच से हटने का फैसला किया। नेट पर गॉफ ने एला से माफी मांगते हुए कहा, 'मुझे माफ करना, तुम बहुत अच्छा खेल रही थीं।' मैच के बाद गॉफ ने बताया कि उनके बाएं हाथ में अचानक बेहद तेज दर्द शुरू हो गया था। उन्होंने कहा कि ऐसा लग रहा था जैसे हाथ के अंदर पटाखा फट रहा हो और पूरा हाथ जल रहा हो। गॉफ ने कहा, 'ऐसा लग रहा था जैसे मेरे हाथ के अंदर आतिशबाजी हो रही हो और पूरा हाथ आग की तरह जलने लगा। डॉक्टरों का मानना है कि यह शायद नसों से जुड़ी समस्या हो सकती है।' उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने करियर में पहले कभी ऐसी स्थिति का सामना नहीं किया था और यह अनुभव उनके लिए काफी डरावना था। गॉफ के करियर में यह केवल दूसरी बार है जब उन्हें मैच बीच में छोड़ना पड़ा। इससे पहले उन्होंने 2022 में सिनसिनाटी ओपन के दौरान एक मुकाबले से रिटायरमेंट लिया था।

## एसजेएफआई के नेशनल कन्वेंशन की मेजबानी दो दशकों बाद करेगी दिल्ली, हीरो मोटोकॉर्प टाइटल स्पॉन्सर घोषित

**नई दिल्ली।** स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजेएफआई) के नेशनल कन्वेंशन की मेजबानी दो दशकों बाद एक बार फिर नई दिल्ली करने जा रही है। इस बार आयोजन पहले से अधिक भव्य और बड़े स्तर पर होगा। 13 से 16 मार्च तक होने वाले इस चार दिवसीय कन्वेंशन के लिए देश की अग्रणी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प को टाइटल स्पॉन्सर घोषित किया गया है। इस वर्ष एसजेएफआई के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में इसका गोल्डन जुबली संस्करण मनाया जाएगा।गोल्डन जुबली कन्वेंशन को देश की कई प्रमुख कंपनियों और खेल संगठनों का समर्थन मिला है। टाइटल स्पॉन्सर हीरो मोटोकॉर्प के अलावा कुल 23 संस्थाएं इस आयोजन से जुड़ी हैं। इनमें सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क , दिल्ली डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) , जिंदल स्टील, रेड बुल, पंजाब किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स, राजस्थान यूनाइटेड एफसी और आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया सहित कई संस्थाएं शामिल हैं। इसके अलावा एसजी स्पोर्ट्स, जेके टायर, डीडीए, विदा, ईएसजीएफ, वर्ड्सवर्क कम्युनिकेशन कंसल्टिंग और अन्य कई संगठनों ने भी इस आयोजन में साझेदारी की है। डीएसजेए के सचिव साबी हुसैन ने कहा कि 50 साल के इस ऐतिहासिक पड़ाव की मेजबानी करना उनके लिए सम्मान की बात है।

## घरेलू मैदान पर टी20 विश्व कप फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच बनना बेहद खास: जसप्रीत बुमराह

**अहमदाबाद।** भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा कि आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच बनना उनके लिए बेहद खास पल है, खासकर इसलिए क्योंकि यह जीत उनके घरेलू मैदान पर मिली। भारत ने न्यूजीलैंड को फाइनल में 96 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। यह टी20 विश्व कप के इतिहास में भारत की सबसे बड़ी जीत भी रही। यह मुकाबला नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद में खेला गया, वही मैदान जहां भारत को आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। बुमराह ने मैच के बाद कहा, 'यह बेहद खास महसूस हो रहा है क्योंकि मैंने अपने घरेलू मैदान पर पहले भी एक फाइनल खेला था, लेकिन तब हम जीत नहीं सके थे। आज यहां जीत हासिल करना बहुत खास है।' भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 255 रन का विशाल स्कोर बनाया। इसके जवाब में न्यूज़ीलैंड की टीम 159 रन पर सिमट गई।

# वेस्टइंडीज दौरे के लिए ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम घोषित, सोफी मोलिन्यूक्स को कप्तानी

**एजेंसी**

**मेलबर्न।** ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान ऑलराउंडर सोफी मोलिन्यूक्स को सौंपी गई है, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज ताहलिया विल्सन को पहली बार टीम में जगह मिली है। टीम में लूसी हैमिल्टन और निकोला कैरी को भी बरकरार रखा गया है, जो हाल ही में भारत के खिलाफ खेली गई सीरीज का हिस्सा थीं। वहीं भारत के खिलाफ टी20 टीम में शामिल रहीं ग्रेस हैरिस को इस बार टीम में जगह नहीं मिली है। इसके अलावा ऑलराउंडर एनबेल सदरलैंड इस दौरे से बाहर रहेंगी। चयनकर्ताओं के अनुसार पिछले 12 महीनों में अधिक क्रिकेट खेलने के कारण उनके वर्कलोड को ध्यान में रखते हुए उन्हें

आराम दिया गया है। राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा कि भारत के खिलाफ हालिया टी20 सीरीज में मोलिन्यूक्स ने शानदार कप्तानी की थी और यह दौरा उनके नेतृत्व को और मजबूती देगा। उन्होंने बताया कि मोलिन्यूक्स पीठ की चोट से उबर रही हैं और उनके खेलने की संभावना है, हालांकि मैचों के दौरान उनकी फिटनेस का आकलन किया जाता रहेगा।

ऑस्ट्रेलिया का यह दौरा 19 मार्च से 2 अप्रैल तक खेला जाएगा, जिसमें तीन टी20 और तीन वनडे मैच खेले जाएंगे। मुकाबले सेंट विंसेंट और सेंट किट्स में होंगे। वनडे सीरीज आईसीसी महिला चैंपियनशिप का हिस्सा होगी।

चयनकर्ताओं के अनुसार यह सीरीज आगामी महिला टी20 विश्व कप से पहले टीम के लिए अपनी रणनीति को अंतिम रूप देने का अच्छा मौका होगी।

**ऑस्ट्रेलिया महिला टीम (स्क्वॉड):** डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, एश्ले गार्डनर, किम गार्थ, लूसी हैमिल्टन, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैक्ग्रा, सोफी मोलिन्यूक्स (कप्तान), बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शुट, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम, ताहलिया विल्सन।

## इलाहाबाद स्पोर्टिंग क्लब ने जीती पुष्पा शुक्ला स्मारक वॉलीबाल प्रतियोगिता

**एजेंसी**

**प्रयागराज।** उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जनपद के मांडा क्षेत्र के बामपुर चेहरा ग्राउंड पर लहरी भैया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय वॉलीबाल प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। इसमें इलाहाबाद स्पोर्टिंग क्लब प्रयागराज की टीम ने फाइनल मैच में अंसार क्लब मंडौर फूलपुर की टीम को 25-17, 22-25 व 25-19 अंकों से हराकर पुष्पा शुक्ला स्मारक ओपेन वॉलीबाल प्रतियोगिता की ट्रॉफी जीत ली। प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग कर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया था। विजेता टीम इलाहाबाद स्पोर्टिंग क्लब प्रयागराज के कप्तान खिलाड़ी विवेक शुक्ला, अक्षय श्रीवास्तव व आशीष यादव तथा उपविजेता टीम अंसार क्लब मंडौर के खिलाड़ी आजम खां व अफसर खान का खेल विशेष रूप से सराहनीय रहा।

खेल प्रारंभ होने से पूर्व डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन के महासचिव आर.पी. शुक्ला तथा कोषाध्यक्ष के.वी.एल. श्रीवास्तव ने स्व.पुष्पा शुक्ला की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करने के पश्चात प्रतिभागी टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता के दौरान खेले गए क्वार्टर फाइनल एवं सेमीफाइनल मैचों में कंबाइंड वॉलीबाल क्लब बामपुर चेहरा ने फ्रेंड्स क्लब मेंजा को, मदन मोहन मालवीय स्टेडियम ने युवा वॉलीबाल क्लब को, वॉलीबाल क्लब मिश्रपुर ने मंगला प्रसाद इंटर कॉलेज बामपुर को, एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में शिवाजी क्लब एडीए नैनी को, इलाहाबाद स्पोर्टिंग क्लब ने कमासिन वॉलीबाल क्लब को, लालगंज स्पोर्टिंग क्लब ने भास्कर क्लब महेवा को, सिगरा स्पोर्टिंग क्लब ने यूनाइटेड वॉलीबाल क्लब को हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया था।

## सदर्न ब्रेव ने हेमांग बदानी को बनाया मुख्य कोच, इयान बेल होंगे सहायक

**एजेंसी**

**लंदन।** सदर्न ब्रेव ने आगामी सत्र के लिए अपनी पुरुष टीम का मुख्य कोच पूर्व भारतीय क्रिकेटर हेमांग बदानी को नियुक्त किया है, जबकि इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज इयान बेल को उनका सहायक कोच बनाया गया है। यह नियुक्ति द हंड्रेड टूर्नामेंट के अगले सीजन को ध्यान में रखते हुए की गई है।

दिलचस्प बात यह है कि हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स ने भी इंडियन प्रीमियर लीग में इयान बेल को हेमांग बदानी का सहायक कोच बनाया था। दिल्ली कैपिटल्स के मालिक जीएमआर समूह ने पिछले साल जुलाई में सदर्न ब्रेव में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी। हेमांग बदानी ने पिछले सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच का पद संभाला था। उनके मार्गदर्शन में टीम ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन प्लेऑफ में जगह बनाने से चूक गई। बदानी को फ्रेंचाइजी क्रिकेट में कोचिंग का व्यापक अनुभव है। वह जीएमआर समूह की अन्य टीमों के साथ भी जुड़े रहे हैं, जिनमें सिएटल ऑर्कास (मेजर लीग क्रिकेट) और दुबई कैपिटल्स (इंटरनेशनल लीग टी20)

शामिल हैं। वहीं इयान बेल को इंग्लैंड की परिस्थितियों का अच्छा अनुभव है। वह पहले इंग्लैंड अंडर-19 और इंग्लैंड लायंस टीम के साथ काम कर चुके हैं। इसके अलावा 2024 में इंग्लैंड दौरे के दौरान उन्होंने श्रीलंका टेस्ट टीम के बल्लेबाजी कोच के रूप में भी जिम्मेदारी निभाई थी। सदर्न ब्रेव ने 2021 में पुरुष वर्ग के पहले द हंड्रेड टूर्नामेंट का खिताब जीता था और 2024 में उपविजेता रही थी। हालांकि पिछले सीजन में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और आधे मुकाबले हारने के कारण वह नॉकआउट चरण में जगह नहीं बना सकी।

## नई दिल्ली में 11-13 मार्च तक होगा वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री 2026, आठ देशों के 250 से अधिक खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** भारत एक बार फिर वैश्विक पैरा खेलों के केंद्र में रहने जा रहा है। राजधानी में 11 से 13 मार्च तक विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स 2026 के दूसरे संस्करण का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आठ देशों के लगभग 257 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इस प्रतियोगिता में भारत के अलावा रूस, नेपाल, भूटान, हांग कांग, सर्बिया, बोस्निया और हर्ज़ेगोविना और मिस्र के खिलाड़ी भाग लेंगे। भारतीय टीम इस प्रतियोगिता में सबसे बड़ा दल उतारेगी, जिसमें करीब 219 खिलाड़ी विभिन्न ट्रैक और फील्ड स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

प्रतियोगिता में भारत के कई प्रमुख पैरा एथलीट भी भाग लेंगे। इनमें पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मरियप्पन थंगावेलु, विश्व रिकॉर्डधारी और पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल और स्वर्ण पदक विजेता प्रवीण कुमार शामिल हैं। इसके अलावा अजीत सिंह, देवेन्द्र सिंह गुर्जर, एशियन पैरा गेम्स मेडल विजेता अंकुर धामा, टी12 स्प्रिंटर सिमरन शर्मा और प्रीति पाल भी भारतीय टीम में शामिल हैं।

यह प्रतियोगिता भारतीय

खिलाड़ियों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण होगी, क्योंकि इसमें अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरण के 74 स्लॉट उपलब्ध रहेंगे। इनमें शारीरिक दिव्यांगता वाले खिलाड़ियों के लिए 39, दृष्टि बाधित खिलाड़ियों के लिए 29 और बौद्धिक दिव्यांगता वाले खिलाड़ियों के लिए 6 स्लॉट निर्धारित किए गए हैं। इससे भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए आवश्यक वर्गीकरण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। भारतीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष देवेन्द्र झाझरिया ने कहा कि भारत के लिए इस प्रतियोगिता की मेजबानी करना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि आठ देशों के 250 से अधिक खिलाड़ियों की भागीदारी भारत में पैरा एथलेटिक्स के बढ़ते वैश्विक महत्व को दर्शाती है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 में आयोजित इस प्रतियोगिता के पिछले संस्करण में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 134 पदक–45 स्वर्ण, 40 रजत और 49 कांस्य–अपने नाम किए थे और पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया था। आयोजकों को उम्मीद है कि 2026 का यह संस्करण भी पैरा एथलेटिक्स के विकास को नई गति देगा।

# भारत-न्यूजीलैंड ने खेल सहयोग बढ़ाने पर की चर्चा, 2026 में खेल संबंधों के 100 वर्ष पूरे

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेल सहयोग को मजबूत करने के लिए मंगलवार को नई दिल्ली में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने की। इसमें न्यूजीलैंड के खेल प्रतिनिधिमंडल के साथ दोनों देशों के बीच खेल सहयोग बढ़ाने और खेल पारिस्थितिकी तंत्र में साझेदारी मजबूत करने पर चर्चा हुई। वर्ष 2026 भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेल संबंधों के 100 वर्ष पूरे होने का प्रतीक है। इन संबंधों की शुरुआत 1926 में भारतीय सेना की ऐतिहासिक हॉकी टीम के न्यूजीलैंड दौरे से मानी जाती है, जो दोनों देशों के बीच शुरुआती प्रमुख खेल संपर्कों में से एक था। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में खेल सचिव हरि रंजन राव सहित युवा एवं खेल मामलों के मंत्री, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और भारतीय ओलंपिक संघ के वरिष्ठ अधिकारी

तथा विभिन्न राष्ट्रीय खेल महासंघों के प्रतिनिधि शामिल थे। न्यूजीलैंड के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व खेल एवं मनोरंजन मामलों के सहयोगी मंत्री क्रिस बिशप ने किया। इसमें भारत में न्यूजीलैंड के उच्चायुक्त पैट्रीक जॉन राटा, पूर्व क्रिकेटर रॉस टेलर और स्पोर्ट्स न्यूजीलैंड की मुख्य कार्यकारी अधिकारी रैलेन कैसल सहित कई अधिकारी शामिल रहे। बैठक में रग्बी, रोइंग, कैनोइंग, सेलिंग, एथलेटिक्स और साइक्लिंग जैसे खेलों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। साथ ही इंडिया-न्यूजीलैंड सेंटेनरी स्पोर्ट्स कोऑपरेशन प्रोग्राम 2026 शुरू करने पर चर्चा हुई, जिसके तहत खेल विकास, उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण, नवाचार और खिलाड़ियों के आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया जाएगा। दोनों देशों ने संयुक्त प्रशिक्षण शिविर, कोचिंग एक्सचेंज, खेल विज्ञान और प्रदर्शन विश्लेषण जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी जोर दिया। इसके अलावा न्यूजीलैंड के कोच विकास मॉडल को राष्ट्रीय खेल संस्थान (पटियाला) के पाठ्यक्रम में शामिल करने की संभावना पर भी विचार किया गया।

बैठक में इस सहयोग को लागू करने के लिए संयुक्त कार्य समूह गठित करने और समय-समय पर प्रगति की समीक्षा करने पर भी सहमति बनी।

## एएफसी महिला एशियन कप में चीनी ताइपे के खिलाफ 'फाइनल' के लिए तैयार भारत

**एजेंसी**

**सिडनी।** भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम एएफसी महिला एशियन कप ऑस्ट्रेलिया 2026 के ग्रुप-सी के अपने तीसरे और अंतिम मुकाबले में चीनी ताइपे से भिड़ने के लिए तैयार है। यह मैच सिडनी के वेस्टर्न सिडनी स्टेडियम में खेला जाएगा।भारत फिलहाल दो मैचों में शून्य अंक के साथ ग्रुप में चौथे स्थान पर है। टीम को वियतनाम के खिलाफ 1-2 और जापान के खिलाफ 0-11 से हार का सामना करना पड़ा। जापान दो मैचों में छह अंकों के साथ शीर्ष पर है, जबकि चीनी ताइपे और वियतनाम तीन-तीन अंकों के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। हालांकि, ब्लू टाइग्रेस के पास अभी भी क्वार्टर-फाइनल में पहुंचने का मौका है। इसके लिए भारत को चीनी ताइपे को कम से कम दो गोल के अंतर से हराना होगा और साथ ही जापान को वियतनाम के खिलाफ मंगलवार को होने वाले मुकाबले में जीत दर्ज करनी होगी। एक गोल के अंतर से जीत भी भारत के लिए पर्याप्त हो सकती है, बशर्ते बांग्लादेश और उज्बेकिस्तान के बीच खेला गया मैच ड्रॉ पर खत्म हो। तीनों ग्रुप की शीर्ष दो टीमें और दो सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान की टीमें क्वार्टर-फाइनल में पहुंचेंगी। भारत की मुख्य कोच अमेलिया वालवर्डे ने पिछले दो मैचों के परिणामों को पीछे छोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों मैच (वियतनाम और जापान के खिलाफ) बिल्कुल अलग थे। सबसे पहली चीज हमें यह करनी है कि जो हो चुका है उसे जितनी जल्दी हो सके पीछे छोड़ दें। हमें इस मैच की अच्छी तैयारी करनी है और इसमें कोई संदेह नहीं है। वालवर्डे ने कहा कि हम इस मैच के महत्व को समझते हैं। हमने पिछले मैच को पीछे छोड़ दिया है और अब हमारे पास यह अवसर है, जिसे हमें पूरी गंभीरता के साथ लेना होगा।

# यूकी भांबरी और आंद्रे गोरान्सन की जोड़ी इंडियन वेल्स मास्टर्स के प्री-क्वार्टर फाइनल में

**एजेंसी**

**इंडियन वेल्स।** भारत के शीर्ष डबल्स खिलाड़ी यूकी भांबरी और उनके स्वीडिश जोड़ीदार आंद्रे गोरान्सन ने इंडियन वेल्स मास्टर्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। इंडो-स्वीडिश जोड़ी ने पहले दौर के मुकाबले में फ्रांस के फैब्रिस मार्टिन और नीदरलैंड्स के डेविड पेल की जोड़ी को सीधे सेटों में 6-1, 6-3 से हराया।

अनसीडेड भांबरी और गोरान्सन की जोड़ी ने मुकाबले में शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। उन्होंने पहले दौर के इस मुकाबले में विरोधी जोड़ी की सर्विस को पांच बार तोड़ा। 66 मिनट तक चले इस मुकाबले में भांबरी और गोरान्सन ने पांच ऐस लगाए, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी सिर्फ तीन

ऐस ही लगा सके। वहीं पेल और मार्टिन ने मैच के दौरान छह डबल फॉल्ट भी किए, जिसका फायदा इंडो-स्वीडिश जोड़ी को मिला। प्री-क्वार्टर फाइनल में अब भांबरी और गोरान्सन का सामना नीदरलैंड्स के सैंडर एरेंड्स और चेक गणराज्य के जीरी लेहेका की जोड़ी से होगा। एरेंड्स और लेहेका की जोड़ी ने दूसरे वरीय ब्रिटिश खिलाड़ियों जूलियन कैश और लॉयड ग्लासपूल को हराकर बड़ा उलटफेर किया है।

**टूर्नामेंट में एकमात्र भारतीय खिलाड़ी**

विश्व रैंकिंग में 23वें स्थान पर काबिज यूकी भांबरी इस साल के पहले मास्टर्स सीरीज टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं।भांबरी का यह प्रदर्शन भारतीय टेनिस के लिए भी सकारात्मक संकेत माना जा रहा है और उनसे टूर्नामेंट में आगे भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

## आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 की 'टीम ऑफ द टूर्नामेंट' घोषित, सैमसन और बुमराह सहित 4 भारतीय शामिल

**एजेंसी**

**दुबई।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) टी20 विश्व कप 2026 'टीम ऑफ द टूर्नामेंट' की घोषणा कर दी है। इस टीम में चैंपियन बनी भारतीय टीम के चार खिलाड़ियों को जगह मिली है। इनमें संजू सैमसन, ईशान किशन, हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह शामिल हैं। टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए संजू सैमसन को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया। उन्होंने पांच पारियों में 321 रन बनाए और फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 89 रन की पारी खेली, जो टी20 विश्व कप फाइनल का सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर रहा। ईशान किशन ने भी टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 317 रन बनाए और शीर्ष क्रम में भारत की बल्लेबाजी को मजबूती दी। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दिया। उन्होंने दो अर्धशतक लगाए और पूरे टूर्नामेंट में नौ विकेट भी झटके।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने

भी शानदार गेंदबाजी करते हुए आठ मैचों में 14 विकेट हासिल किए और संयुक्त रूप से टूर्नामेंट के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में शामिल रहे। फाइनल मुकाबले में उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' भी चुना गया। इस टीम में पाकिस्तान के साहिजादा फरहान को सलामी बल्लेबाज के रूप में जगह मिली है, जिन्होंने 383 रन बनाकर टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम को टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि उनके हमवतन तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी को भी टीम में शामिल किया गया है।

इंग्लैंड के विल जैक्स और आदिल राशिद, वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर तथा जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजारबानी को भी टीम में स्थान मिला है। वहीं, अमेरिका के शेडली वैन शाल्कविक को 12वें खिलाड़ी के रूप में चुना गया है। आईसीसी के चयन पैनल में इयान बिशप, नेटली जर्मनोस, इयोन मोर्गन, गौरव सक्सेना और रेक्स क्लेमेंटाइन शामिल थे।

## दिल्ली एयरपोर्ट पर हुआ हेड कोच गौतम गंभीर का जोरदार स्वागत

**नई दिल्ली।** भारतीय टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के खिताब को अपने नाम किया। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराया। भारतीय टीम की ऐतिहासिक जीत के बाद दिल्ली एयरपोर्ट पर हेड कोच गौतम गंभीर का जोरदार स्वागत हुआ। गौतम गंभीर के स्वागत के लिए एयरपोर्ट पर फैंस का हुजूम उमड़ा। गंभीर का माला पहनाकर स्वागत किया गया। गंभीर अपनी पत्नी और दोनों बेटियों के साथ एयरपोर्ट पर नजर आए। कड़ी सुरक्षा के बीच गंभीर को उनकी गाड़ी तक पहुंचाया गया, जहां से वह अपने घर के लिए रवाना हो गया। गौतम गंभीर के हेड कोच बनने के बाद टीम इंडिया ने यह दूसरी आईसीसी ट्रॉफी जीती है। इससे पहले साल 2025 में भारतीय टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया था। फाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट गंवाकर 255 रन बनाए। टीम की ओर से संजू सैमसन ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 46 गेंदों में 89 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी के दौरान 5 चौके और 8 छक्के लगाए। वहीं, अभिषेक शर्मा ने 21 गेंदों में 52 रनों की तेज तर्रार पारी खेली। ईशान किशन ने 25 गेंदों में 54 रनों की दमदार पारी खेली। अंतिम ओवरों में शिवम दुबे ने महज 8 गेंदों में 26 रन बनाए, जिसके दम पर भारतीय टीम टी20 विश्व कप के नॉकआउट मुकाबले का सबसे बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही।

# राष्ट्रीय ट्रायल के 50 मीटर 3पी राइफल में तिलोत्तमा सेन की लगातार तीसरी जीत

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय चैंपियन तिलोत्तमा सेन ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में चल रहे नेशनल सेलेक्शन ट्रायल्स (ग्रुप ए) में 50 मीटर राइफल 3 पोजीशंस के फाइनल में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। नेशनल सेलेक्शन ट्रायल्स टी3 का समापन मंगलवार को 10 मीटर एयर पिस्टल महिला वर्ग की क्वालिफिकेशन और फाइनल के साथ होगा। उन्होंने इससे पहले जनवरी में हुए नेशनल सेलेक्शन ट्रायल्स टी1 और टी2 के फाइनल भी जीते थे और अब टी3 का फाइनल भी अपने नाम कर लिया। पुरुष वर्ग के फाइनल में किरण अंकुश जाधव ने शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि 10 मीटर एयर पिस्टल टी3 फाइनल में उधयवीर सिद्धू विजेता बने। तिलोत्तमा प्रोन सीरीज के बाद चौथे स्थान पर थीं, लेकिन उन्होंने स्टैंडिंग सीरीज़ में शानदार वापसी करते हुए 357.0 के स्कोर के साथ पहला स्थान हासिल किया। निश्छल सिंह 356.6 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जो तिलोत्तमा से सिर्फ 0.4 अंक पीछे थीं। ओलंपियन अंजुम मौदगिल ने 345.8 के स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। साक्षी सुनील पडेकर, मेहुली घोष, श्रियांका सदांगी, लज्जाकुमारी गॉस्वामी और नुपुर कुमरावत अन्य फाइनलिस्ट रहीं।

पुरुषों के फाइनल में 10 मीटर एयर राइफल के राष्ट्रीय चैंपियन किरण अंकुश जाधव ने रोमांचक मुकाबले में शीर्ष स्थान हासिल किया। नेवी के इस शूटर ने 353.6 का स्कोर बनाया और नीरज कुमार (353.3) को महज 0.3 अंक से पीछे छोड़ दिया। गोल्डी गुर्जर 342.4 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। निशान बुधा (329.6), अखिल श्योरन (321.7), सिधार्थ गौर (311.0), अर्जुन बाबूता (297.5) और सूर्य प्रताप सिंह

(296.4) शीर्ष आठ में शामिल रहे।

10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष वर्ग में उधयवीर ने शुरुआत से ही शानदार निरंतरता बनाए रखी और 243.2 के स्कोर के साथ पहला स्थान हासिल किया। केदारलिंग उचगांवे, जिन्होंने क्वालिफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया था, 242.6 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि 50 मीटर पिस्टल के विश्व चैंपियन रविंदर सिंह 221.9 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इससे पहले महिलाओं के 50 मीटर राइफल 3 पोजीशंस क्वालिफिकेशन में अंजुम मौदगिल ने 588 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। उनके बाद निश्छल और मेहुली ने 587-587 का स्कोर किया। लज्जाकुमारी (586), तिलोत्तमा (585), नुपुर (584), श्रियांका (584) और साक्षी (584) शीर्ष आठ में शामिल रहीं। पुरुष वर्ग में अखिल श्योरन ने 589 के स्कोर के साथ क्वालिफिकेशन में पहला स्थान हासिल किया। उनके बाद नीरज कुमार और किरण अंकुश जाधव ने 588-588 का स्कोर किया। सिधार्थ गौर (587), गोल्डी गुर्जर (586), अर्जुन बाबूता (585), निशान बुधा (584) और सूर्य प्रताप सिंह बंशतु (584) फाइनल के लिए क्वालिफाई करने वाले शीर्ष आठ शूटर रहे। 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष क्वालिफिकेशन में केदारलिंग ने 587 के स्कोर के साथ पहला स्थान हासिल किया। आकाश भारद्वाज 583 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि मुकेश नेल्लावाल्ली 581 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। फाइनल के विजेता उधयवीर सिद्धू, जोनाथन गेविन एंटनी, अनमोल जैन, जयपाल मालवीय और रविंदर सिंह ने भी 581-581 का स्कोर कर फाइनल में जगह बनाई।

## ऐसटेक ई-कॉमर्स की स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री, लिवाली से लगा अपर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। डोरशिपिंग, टेलीशॉपिंग और क्रॉस-बॉर्डर सेलिंग जैसी ई-कॉमर्स एक्टिविटीज में शामिल कंपनी ऐसटेक ई-कॉमर्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री कर अपने कारोबार की शुरुआत की। हालांकि, फ्लैट लिस्टिंग के बाद लिवाली का सपोर्ट मिलने से इस शेयर के भाव में तेजी आ गई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 112 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी उतार चढ़ाव के 112 रुपये के स्तर पर ही हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर उछल कर 117.60 रुपये के अपर सर्किल लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 5.60 रुपये यानी पांच प्रतिशत का फायदा हो गया। ऐसटेक ई-कॉमर्स का 48.95 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 फरवरी से चार मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.14 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन सौ प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था। नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 157 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन आया था।

## मार्च में बिकवाल की भूमिका में विदेशी निवेशक, चार कारोबारी दिन में 21 हजार करोड़ निकाले

नई दिल्ली। फरवरी के महीने में खरीदारी का दम दिखाने के बाद मार्च के महीने में विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) एक बार फिर बिकवाल (सेलर) की भूमिका में आ गए हैं। पश्चिम एशिया में संकट शुरू होने के बाद पिछले चार कारोबारी दिनों के दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों ने स्टॉक मार्केट से 21,000 करोड़ रुपये की निकासी कर ली है। इसके पहले फरवरी का महीने में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में शुद्ध रूप से 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया था। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सितंबर 2024 के बाद पहली बार फरवरी के महीने में इतना बड़ा निवेश किया था। फरवरी 2026 में जम कर खरीदारी करने के पहले लगातार तीन महीने तक विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार में शुद्ध बिकवाल (सेलर) बने हुए थे। आंकड़ों के अनुसार जनवरी 2026 में विदेशी निवेशकों ने 35,962 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। उसके पहले दिसंबर 2025 में विदेशी निवेशकों की बिकवाली का आंकड़ा 22,611 करोड़ रुपये का था, जबकि नवंबर 2025 में विदेशी निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में शुद्ध रूप से 3,765 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे।

## सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक गिरावट का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई मामूली गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,63,640 रुपये से लेकर 1,63,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,49,990 रुपये से लेकर 1,50,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी आज 2,84,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है।दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,63,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,50,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,63,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,49,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,63,690 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,50,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,63,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,49,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

## चावल, चीनी मजबूत, गेहूं नरम, दालों, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव बढ़ गये। चावल के साथ चीनी में तेजी रही, जबकि गेहूं में नरमी देखी गयी। दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 103 रुपये बढ़कर 3,856 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं 44 रुपये टूटकर 2,810 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। आटा भी 62 रुपये सस्ता हुआ। दाल-दलहनों में तुअर दाल औसतन 161 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। चना दाल की कीमत 126 रुपये और मसूर दाल की 118 रुपये बढ़ गयी। मूंग दाल 70 रुपये मजबूत हुई। वहीं, उड़द दाल 10 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 203 रिंगिट चढ़कर 4,570 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 2.78 प्रतिशत की बढ़त में 68.43 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल की औसत कीमत 189 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी। पाम ऑयल 60 रुपये और सोया तेल 44 रुपये सस्ता हुआ।

# शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन बड़ी गिरावट, निवेशकों को लगी 8.49 लाख करोड़ की चपत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे कारोबारी दिन बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। पश्चिम एशिया संकट की वजह से कच्चे तेल की कीमत में आई जोरदार तेजी, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और कमजोर ग्लोबल संकेतों की वजह से आज के कारोबार की शुरुआत भी बड़ी गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली के दबाव में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की कमजोरी और बढ़ गई। पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाना शुरू कर दिया, जिसकी वजह से बाजार की स्थिति में काफी सुधार भी हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.71 प्रतिशत और निफ्टी 1.73 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।आज दिन भर के कारोबार के दौरान ज्यादातर सेक्टोरल इंडेक्स कमजोरी के साथ लाल निशान में बंद हुए। मेटल, ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, कैपिटल गुड्स, ऑयल एंड गैस, पीएसयू बैंक और प्राइवेट बैंक सेक्टर के शेयरों में आज दो से चार प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा हेल्थ केयर, एफएमसीजी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ लाल निशान में बंद हुए। दूसरी ओर, निफ्टी का आईटी इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 1.97 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब साढ़े आठ लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 441.19 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 449.68 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 8.49 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,536 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 972 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,379 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 185 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,978 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 471 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,507 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 5 शेयर बढ़त के साथ और 25 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 8 शेयर हरे निशान में और 42 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 1,862.15 अंक की कमजोरी के साथ 77,056.75 अंक के स्तर पर खुला।

## राजपुताना स्टेनलेस लिमिटेड का आईपीओ पहले दिन 30 फीसदी सब्सक्राइब

एजेंसी

नई दिल्ली। राजपुताना स्टेनलेस लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बोली के पहले दिन 30 फीसदी सब्सक्राइब हुआ है। कंपनी के शेयर 16 मार्च को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होने के लिए प्रस्तावित है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के आंकड़ों के मुताबिक आईपीओ को 63,04,430 शेयरों के लिए बोलियां मिलीं, जबकि 2,09,00,000 शेयरों की पेशकश की गई है। आंकड़ों के अनुसार पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) की श्रेणी को 99 फीसदी अभिदान मिला है, जबकि गैर-संस्थागत निवेशकों के कोटा को 65 फीसदी अभिदान मिला। खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों (आईआईआई) के हिस्से को चार फीसदी अभिदान मिला है। राजपुताना स्टेनलेस लिमिटेड के इस आईपीओ में 1,46,50,000 इक्विटी शेयर तक का ताजा निर्गम और 62,50,000 इक्विटी शेयर तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 116-122 रुपये प्रति शेयर तय किया है। ये आईपीओ आज खुला, जो बुधवार, 11 मार्च को सब्सक्रिप्शन के लिए बंद हो जाएगा। कंपनी ने एंकर निवेशक शाइन स्टार बिल्ड कैप से 10 करोड़ रुपये जुटाए हैं। यह फर्म स्टेनलेस-स्टील के कई उत्पाद बनाती है, जिसमें बिलेट्स, फोर्जिंग इनगॉट्स, रोल्ड ब्लैक बार्स, रोल्ड ब्राइट बार्स, फ्लैट्स, पट्टी और अन्य सहायक उत्पाद शामिल हैं।

# वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम में तेजी का महंगाई पर खास असर नहीं : सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम में वृद्धि का महंगाई पर खास असर पड़ने की संभावना नहीं है, क्योंकि देश में महंगाई पहले से ही अपने निचले स्तर के करीब है। लोकसभा में एक लिखित सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि फरवरी के अंत से दो मार्च तक कच्चे तेल की कीमत (भारतीय बास्केट) 69.01 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 80.16 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गई। चूंकि, भारत में महंगाई अपने निचले स्तर के करीब है, इसलिए फिलहाल महंगाई पर इसका प्रभाव महत्वपूर्ण नहीं माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि हालांकि, महंगाई पर वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का मध्यम अवधि का प्रभाव कई कारकों पर निर्भर करता है। इसमें विनिमय दर में उतार-चढ़ाव, वैश्विक मांग और आपूर्ति की स्थिति, मौद्रिक नीति का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाना, सामान्य मुद्रास्फीति की स्थिति और अप्रत्यक्ष प्रभाव की सीमा शामिल हैं। लोकसभा में पूछ

गया था कि क्या सरकार ने देश में महंगाई पर बढ़ते वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों के प्रभाव की समीक्षा की है। इस सवाल का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि रिजर्व बैंक की अक्टूबर, 2025 की मौद्रिक नीति रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया था कि यदि कच्चे तेल की कीमत आधारभूत अनुमानों से 10 फीसदी अधिक होती है और घरेलू कीमतों पर इसका पूरा प्रभाव पड़ता है, तो महंगाई 0.3 फीसदी तक बढ़ सकती है। पश्चिम एशिया संघर्ष तेज होने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने की आशंका के बीच वायदा कारोबार में कच्चे तेल की कीमतें आज 26 फीसदी से अधिक के उछाल के साथ 114.29 डॉलर (10,549 रुपये) प्रति बैरल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है।

# फिलहाल नहीं बढ़ेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम, देश के पास पर्याप्त ईंधन भंडार

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने के बावजूद फिलहाल पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की जाएगी। सरकार ने तेल एवं गैस विपणन कंपनियों को एलपीजी प्रोडक्शन बढ़ाने का आदेश दिया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तुरंत बढ़ोतरी की कोई संभावना नहीं है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस समय उत्पाद शुल्क को घटाने पर भी कोई विचार नहीं चल रहा है। देश के पास पर्याप्त ईंधन भंडार है। सप्लाई को लेकर कोई चिंता नहीं है। सूत्रों ने बताया कि सरकार कच्चे तेल की कीमतों पर लगातार नजर बनाए हुए है। सरकारी सूत्रों का कहना है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ने की उम्मीद नहीं है, क्योंकि हमारे पास तेल का पर्याप्त स्टॉक है। आधिकारिक सूत्रों का कहना है, जब तक कच्चे तेल की कीमतें 130 डॉलर प्रति बैरल को पार नहीं करतीं, पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने की उम्मीद नहीं है। हमें उम्मीद है कि कच्चे तेल की कीमतें लगभग 100 डॉलर प्रति बैरल होंगी। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि देश जरूरत नहीं है। भारत दूसरे देशों के मुकाबले बेहतर स्थिति में है। कई देशों ने स्टॉक लेने के लिए भारत से संपर्क किया है।सरकारी सूत्रों का कहना है कि एलपीजी के जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए घरेलू रसोई गैस की बुकिंग का समय 21 से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया है।

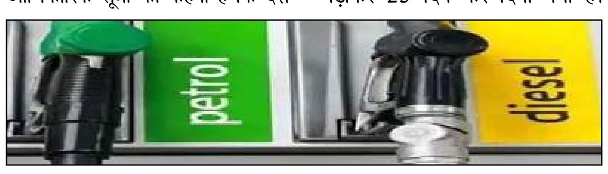

में किसी भी पंप पर पेट्रोल और डीजल की कमी की कोई समस्या नहीं है। इनमें होर्मुज जलडमरूमध्य के बाहर के रास्तों से कच्चे तेल की सोर्सिंग तेज कर दी है। भारत के पास एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) का काफी स्टॉक है। क्योंकि भारत एटीएफ का निर्माता और निर्यातक है। एटीएफ को लेकर भी घबराने की दरअसल, कुछ ऐसे मामले भी सामने आए हैं, जहां जो लोग पहले 55 दिनों में एलपीजी सिलेंडर को बुक करते थे, उन्होंने अब 15 दिनों में एलपीजी सिलेंडर बुक करना शुरू कर दिया है। इनको देखते हुए सरकार ने रिफाइनरियों को एलपीजी का उत्पादन बढ़ाने का आदेश दिया है।

# कच्चे तेल में तेजी से धड़ाम हुए एविएशन स्टॉक्स, स्पाइसजेट 6.5 प्रतिशत से अधिक फिसला

एजेंसी

मुंबई। कच्चे तेल में तेजी के कारण एविएशन शेयरों में बड़ी गिरावट देखने को मिली और इंडिगो एवं स्पाइसजेट के शेयर करीब 6.5 प्रतिशत तक फिसल गए। कारोबारी सत्र के अंत में देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो, जो कि इंटरग्लोबल एविएशन नाम से लिस्टेड है, के शेयर 3.47 प्रतिशत गिरकर 4,251.20 रुपए पर बंद हुए। दिन के दौरान शेयर ने 4,255 का उच्चतम स्तर और 4,035 का न्यूनतम स्तर छुआ। वहीं, स्पाइसजेट का शेयर 6.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ 13.07 रुपए पर बंद हुआ। दिन के दौरान शेयर ने 13.40 का उच्चतम स्तर और 12.85 का न्यूनतम स्तर छुआ।

एनएसई पर एसएमई श्रेणी में लिस्टेड फ्लाईएसबीएस एविएशन के शेयर लगभग 5 प्रतिशत गिरकर 433.35 रुपए पर बंद हुए। इसके विपरीत, निजी हेलीकॉप्टर ऑपरेटर ग्लोबल वेक्ट्रा हेलीकॉर्प के शेयर बीएसई पर बढ़कर 158 रुपए पर बंद हुए। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण

ब्रेंट क्रूड की कीमत में 26 प्रतिशत तक की तेजी देखी गई है और यह 119 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया था। हालांकि, इसमें अब नरमी देखी जा रही है और फिलहाल यह 12.84 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104 डॉलर के आसपास बना हुआ है।

भारतीय शेयर बाजार में सोमवार के कारोबारी सत्र में बड़ी गिरावट देखने को मिली। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,352.74 अंक या 1.71 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 77,566.16 और निफ्टी 422.40 अंक या 1.73 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,028.05 पर बंद हुआ। बाजार में गिरावट का नेतृत्व ऑटो और बैंकिंग शेयरों ने किया। निफ्टी ऑटो 4.10 प्रतिशत, निफ्टी पीएसयू बैंक 3.97 प्रतिशत, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल 2.81 प्रतिशत, निफ्टी प्राइवेट बैंक 2.78 प्रतिशत, निफ्टी मेटल 2.60 प्रतिशत, निफ्टी पीएसई 2.39 प्रतिशत, निफ्टी ऑयल एंड गैस 2.37 प्रतिशत और निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग 2.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। केवल निफ्टी आईटी 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी गिरावट हुई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,127.85 अंक या 1.97 प्रतिशत की गिरावट के साथ 56,265.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 366.70 अंक या 2.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 16,132.20 पर था।

## मीशो को आयकर विभाग से मिला 1,500 करोड़ रुपये का मांग नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स कंपनी मीशो को आयकर विभाग से लगभग 1,500 करोड़ रुपये की कर मांग का नोटिस मिला है। कंपनी ने इस नोटिस को चुनौती देने का निर्णय लिया है। ई-कॉमर्स कंपनी मीशो ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि उसे छह मार्च को आकलन वर्ष 2023-24 के लिए आयकर विभाग से यह नोटिस मिला। इसमें विभाग की आकलन इकाई ने ब्याज सहित कुल 1,499.73 करोड़ रुपये की कर मांग रखी है। यह कर मांग कंपनी की घोषित आय में कुछ बढ़ोतरी और समायोजन को आधार बनाते हुए जारी किया गया है।

नियामकीय सूचना के मुताबिक मीशो ने कहा कि वह इस आकलन आदेश की समीक्षा कर रही है और उसमें की गई टिप्पणियों और समायोजनों से सहमत नहीं है। कंपनी ने कहा कि हमारा मानना है कि कंपनी के पास इसे चुनौती देने के लिए पर्याप्त कानूनी एवं तथ्यात्मक आधार है और अपने हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठा रहे हैं। कंपनी ने बताया कि आकलन वर्ष 2022-23 के लिए भी इसी तरह की कर मांग रखी गई थी।

उस मामले में कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 17 अप्रैल, 2025 को अंतरिम स्थगन दे दिया था और मामला अभी लंबित है। मीशो ने कहा कि मौजूदा आकलन आदेश और कर मांग नोटिस का कंपनी की वित्तीय स्थिति, परिचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई बड़ा प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

# पश्चिम एशिया संकट की रुपये पर गिरी गाज, सबसे निचले स्तर पर पहुंची भारतीय मुद्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमत में आई जोरदार तेजी की वजह से भारतीय मुद्रा रुपये पर दबाव काफी बढ़ गया है। आज भारतीय मुद्रा ने डॉलर की तुलना में बड़ी गिरावट के साथ कारोबार की शुरुआत की और थोड़ी ही देर में अभी तक के सबसे निचले स्तर 92.35 रुपये प्रति डॉलर तक गिर गई। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को रुपये ने डॉलर के मुकाबले 91.74 के स्तर पर कारोबार का अंत किया था। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी बड़ी गिरावट के साथ की थी। इंटर बैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 46 पैसे की कमजोरी के साथ 92.20 रुपये प्रति डॉलर के स्तर

से कारोबार की शुरुआत की थी। बाजार खुलने के बाद कच्चे तेल की कीमत में 25 प्रतिशत तक की उछाल ने मार्केट सेंटीमेंट्स पर काफी नकारात्मक असर डाला, जिसकी वजह से भारतीय मुद्रा 61 पैसे गिर कर अभी तक के सबसे निचले स्तर 92.35 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक आ गई। हालांकि, इसके बाद रुपये की स्थिति में मामूली सुधार भी हुआ। दोपहर एक बजे तक का कारोबार होने के बाद भारतीय मुद्रा 52 पैसे की कमजोरी के साथ 92.26 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर कारोबार कर रही थी। मुद्रा बाजार के अभी तक के कारोबार में रुपये ने डॉलर के साथ ही दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) और यूरो के मुकाबले भी मुकाबले भी कमजोर प्रदर्शन किया। दोपहर एक बजे के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 81.95 पैसे की कमजोरी के साथ 123.06 के स्तर पर पहुंच गया था। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया 41.40 पैसे फिसल कर 106.61 के स्तर पर पहुंचा हुआ था।

# पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच भारत की विमानन कंपनियां आज 50 उड़ानें करेंगी संचालित

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष का असर विमान सेवाओं पर पड़ा है, जिससे बड़ी संख्या में लोग वहां फंस गए हैं। ईरान और इजराइल में तनाव के बीच आज भारतीय एयरलाइंस कंपनियां एयर इंडिया, इंडिगो, स्पाइसजेट और अकासा वहां से लगभग 50 उड़ानें संचालित करेंगी। यात्रियों की सुरक्षा और परिचालन क्षमता को देखते हुए उठाया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बताया कि पश्चिम एशिया में बदलते हालात पर मंत्रालय करीब से नजर रख रहा है। दुबई, मस्कट, अबू धाबी, फुजैरा और जेद्दा जैसे शहरों से उड़ानों का संचालन जारी है। एयर इंडिया 10-18 मार्च के बीच 9 रूट्स पर 78 अतिरिक्त् फ्लाइट्स भी जोड़ेगी, ताकि कैपेसिटी बढ़ाई जा सके। यात्रियों की सुरक्षा और सुचारू उड़ान संचालन सुनिश्चित करने के लिए एयरलाइंस वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक परिचालन बदलाव कर रही हैं। मंत्रालय के मुताबिक 7 मार्च को भारत की विमानन कंपनियों की कुल 51 उड़ानें इस क्षेत्र से भारत पहुंचीं, जिनमें 8,175 यात्री सवार थे। इसी तरह 8 मार्च को एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, इंडिगो, स्पाइसजेट और अकासा ने दुबई, अबू धाबी, रस अल खैमाह, फुजैरा, मस्कट और जेद्दा जैसे क्षेत्रीय हवाई अड्डों से 49 आगमन उड़ानों का संचालन किया। भारतीय एयरलाइंस क्षेत्र के अन्य हवाई अड्डों पर जमीनी स्थिति का लगातार आकलन कर रही हैं, ताकि इन स्थानों से भारतीय एयरलाइंस द्वारा अधिक उड़ानें संचालित की जा सकें। नागर विमानन मंत्रालय एयरलाइंस और अन्य संबंधित हितधारकों के साथ लगातार समन्वय बनाए हुए है। टिकटों की कीमतें उचित स्तर पर बनी रहें और इस दौरान उनमें अनावश्यक बढ़ोतरी न हो, इसे सुनिश्चित करने के लिए हवाई किरायों पर भी सख्त निगरानी रखी जा रही है। इसके अलावा यात्रियों को उड़ान समय-सारणी संबंधी नवीनतम जानकारी के लिए अपनी-अपनी एयरलाइनों के संपर्क में रहने की सलाह दी गई है। मंत्रालय स्थिति पर पूरी तरह नजर बनाए रखेगा और जरूरत पड़ने पर आगे की जानकारी उपलब्ध कराएगा।

## पश्चिम एशिया जंग से भारत में नहीं होगी उर्वरक की कमी

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में फिलहाल किसानों के लिए उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता है, लेकिन अगर पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष लंबे समय तक जारी रहता है तो आने वाले महीनों में समस्या पैदा हो सकती है। यह जानकारी सरकारी कंपनी फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स त्रावणकोर लिमिटेड (फैक्ट) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी है। फैक्ट दक्षिण भारत के राज्यों में उर्वरक की बड़ी आपूर्तिकर्ता कंपनी है। कंपनी उर्वरक बनाने के लिए रॉक फॉस्फेट और फॉस्फोरिक एसिड जैसे कच्चे माल पर निर्भर करती है, जो पश्चिम एशिया और मध्य पूर्व के कई देशों से समुद्री मार्ग के जरिए भारत लाया जाता है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एस. सक्तिमणि ने बताया कि फिलहाल देश में यूरिया की पर्याप्त उपलब्धता है और खरीफ सीजन के लिए कोई समस्या नहीं होगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि युद्ध की स्थिति एक महीने के अंदर सामान्य हो सकती है। एस. सक्तिमणि के अनुसार वर्तमान में भारत में कोई फसल कटाई का मौसम नहीं है, और यह जुलाई के बाद ही शुरू होगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि खरीफ मौसम के लिए यूरिया की पर्याप्त उपलब्धता है और उम्मीद है कि युद्ध की स्थिति एक महीने के भीतर सुलझ जाएगी। इससे किसानों को कोई परेशानी नहीं होगी। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यह स्थिति छह महीने तक बनी रहती है तो अगले फसल सीजन, यानी रबी सीजन में उर्वरक की सप्लाई पर असर पड़ सकता है।

# तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार, हमले बढ़े तो 200 डॉलर से ऊपर जाएंगी

एजेंसी

इस्तांबुल। पश्चिम एशिया में 10 दिनों से जारी युद्ध के कारण ऊर्जा आपूर्ति को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के बीच वैश्विक तेल बाजार में बड़ा उछाल देखने को मिल रहा है। साल 2022 के बाद यह पहली बार है जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गई हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष और बढ़ता है तो कीमतें 200 डॉलर प्रति बैरल से भी अधिक हो जाएंगी। तुर्किये की सरकारी समाचार एजेंसी अनादोलु एजेंसी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड तेल 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गया, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी इसी स्तर के पार चला गया। तेल की कीमतों में यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से पश्चिम एशिया में अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच 10 दिन से जारी युद्ध के कारण हुई है। क्षेत्र में ऊर्जा सुविधाओं और अमेरिकी हितों को निशाना बनाकर किए गए हमलों ने वैश्विक आपूर्ति को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि अरब की खाड़ी दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा कॉरिडोर में से एक है। इस क्षेत्र से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल वैश्विक बाजार तक पहुंचता है। ऐसे में यदि यहां किसी प्रकार की बाधा आती है तो इसका सीधा असर पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति और कीमतों पर पड़ता है।

बाजार को सबसे बड़ी चिंता होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर है। यह दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण तेल ट्रांजिट मार्ग माना जाता है। आम तौर पर इस मार्ग से रोजाना लगभग 15-20 मिलियन बैरल कच्चा तेल गुजरता है, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत है। यदि यहां किसी प्रकार की सैन्य गतिविधि या नाकाबंदी होती है तो वैश्विक बाजार में तेल की भारी कमी हो सकती है।

इस बीच, ईरान के सैन्य नेतृत्व ने एक कड़ी चेतावनी जारी की। ईरानी सेना की यूनिफाइड कॉम्बैटेंट कमांड खतम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर्स ने कहा कि यदि अमेरिका और इजराइल ईरान के ऊर्जा ढांचे पर हमले जारी रखते हैं तो पूरे क्षेत्र की तेल सुविधाओं को निशाना बनाया जा सकता है। ईरानी अधिकारियों ने हाल के अमेरिका और इजराइल ऑपरेशन को 'क्रूर हमले' बताते हुए आरोप लगाया कि इन हमलों में ईरान के तेल और ऊर्जा के आधारभूत संरचना के साथ-साथ नागरिक सुविधाओं को भी निशाना बनाया गया है। ईरान ने अरब देशों से भी अपील की है कि वे अमेरिका और इजराइल पर दबाव डालें ताकि तेल सुविधाओं पर हमले रोके जा सकें। ईरान ने चेतावनी दी कि अगर क्षेत्र में तनाव कम नहीं हुआ तो तेल की कीमतें 200 डॉलर प्रति बैरल से भी ऊपर जा सकती हैं, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ेगा। बीते शनिवार को तेहरान में तेल स्टोरेज डिपो और रिफाइनिंग सुविधाओं पर इजराइल के हवाई हमलों ने क्षेत्र को तेल आपूर्ति को बाधित कर दिया। यह पहली बार था जब इजराइल ने सीधे तौर पर ईरान के ऊर्जा क्षेत्र को निशाना बनाया। ईरानी अधिकारियों के अनुसार इन हमलों के जवाब में ईरान पहले ही इजराइल, इराक, जॉर्डन और खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले कर चुका है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि वैश्विक तेल संयंत्रों और निर्यात सुविधाओं पर हमले बढ़ते हैं तो वैश्विक ऊर्जा बाजार में अभूतपूर्व अस्थिरता देखने को मिल सकती है। खाड़ी के कई अरब देश, जहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने और महत्वपूर्ण तेल आधारभूत संरचना मौजूद हैं, इस समय संभावित हमलों के खतरे के बीच सबसे अधिक संवेदनशील माने जा रहे हैं।

## बहरीन की सबसे बड़ी सरकारी तेल कंपनी पर हमला, सप्लाई पर संकट

एजेंसी

**मनामा।** बहरीन की सरकारी तेल कंपनी बापको एनर्जीज ने अपनी गतिविधि पर 'फोर्स मेज्योर' घोषित किया है। इसका मतलब है कि अगर किसी वजह से तेल की सप्लाई प्रभावित होती है, तो कंपनी उसकी जिम्मेदार नहीं मानी जाएगी क्योंकि हालात उसके नियंत्रण से बाहर हैं। यह फैसला तब लिया गया जब देश की मुख्य तेल रिफाइनरी की तरफ से घना धुआं उठता हुआ देखा गया। इससे पहले सरकार ने कहा था कि सित्रा इलाके में ईरानी ड्रोन हमले के कारण कुछ लोग घायल हुए हैं और संपत्ति को थोड़ा नुकसान भी हुआ है। बापको एनर्जीज बहरीन की मुख्य तेल रिफाइनरी चलाने वाली कंपनी है, और यह देश के ऊर्जा क्षेत्र का एक अहम केंद्र है। न्यूज एजेंसी ने एक्स पोस्ट में कहा, 'कंपनी ने साफ किया कि स्थानीय बाजार की सभी जरूरतें मौजूदा प्लान के हिसाब से पूरी तरह से काम कर रही हैं, जिससे सप्लाई जारी है। बापको एनर्जीज अपने सभी हितधारकों के साथ अपने रिश्तों को महत्व देती है और उन्हें अपडेट करती रहेगी।

## वैश्विक तेल बाजार स्थिर करने के लिए भारत से की तेल खरीद की बातः अमेरिकी ऊर्जा मंत्री

**वॉशिंगटन।** अमेरिका के ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने कहा कि अमेरिका ने ईरान के साथ जारी संघर्ष के बीच वैश्विक ऊर्जा बाजार को स्थिर करने के लिए भारत से उन रूसी तेल कार्गो को खरीदने को कहा, जो अभी चीन के रिफ़ाइनरियों पर अनलोड होने के लिए इंतजार कर रहे थे। राइट ने सीएनएन को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि ट्रंप प्रशासन ने मध्य पूर्व में तेल बाजारों में उठते डर को कम करने के लिए सीधे भारत से संपर्क किया। उन्होंने कहा कि 'मैंने भारतीयों को कॉल किया, जैसा कि अमेरिकी वित्त सचिव स्कॉट ब्रेसेंट ने भी किया, और कहा कि देखिए, बहुत सारा तेल है जो चीन के रिफ़ाइनरियों में अनलोड होने के लिए तैर रहा है।'' उन्होंने आगे कहा, 'छह हफ्ते इंतजार करने के बजाय, उस तेल को जल्दी आगे ले आते हैं, इसे भारत के रिफाइनरियों पर उतारते हैं और तेल की कमी के डर और कीमतों में उछाल जैसी चिंताओं को कम करते हैं। ' अमेरिका के ऊर्जा सचिव ने बताया कि इस कदम का उद्देश्य जल्दी से अतिरिक्त क्रूड तेल को वैश्विक बाजारों में लाना और ईरान के साथ चल रही जंग के कारण तेल कीमतों में और वृद्धि को रोकना है।

## मुजतबा खामेनेई बने ईरान के नए सुप्रीम लीडर : 1979 के बाद पहली बार पिता के बाद बेटा सत्ता पर काबिज

**तेहरान/वॉशिंगटन।** ईरान की 'असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स' ने एक ऐतिहासिक और विवादास्पद फैसले में मुजतबा खामेनेई (56) को देश का नया सुप्रीम लीडर (सर्वोच्च नेता) चुन लिया है। मुजतबा, पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के दूसरे बेटे हैं। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद यह पहला अवसर है जब ईरान में सत्ता का हस्तांतरण पिता से पुत्र को हुआ है, जो देश के 'वंशवादी शासन विरोधी' सिद्धांतों पर सवाल खड़े कर रहा है। ट्रंप की चेतावनी : 'यह चुनाव स्वीकार्य नहीं' मुजतबा की नियुक्ति के साथ ही युद्ध और तेज होने की आशंका बढ़ गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस फैसले को 'अस्वीकार्य' बताते हुए कहा है कि अगर तेहरान ने उनकी मंजूरी के बिना नेतृत्व चुना है, तो यह 'ज्यादा समय तक नहीं टिकेगा।' ट्रंप ने स्पष्ट किया कि वाशिंगटन ईरान की भविष्य की राजनीतिक दिशा में दखल रखेगा। इजरायली सेना ने पहले ही चेतावनी दी थी कि वह अली खामेनेई के हर उत्तराधिकारी और उसे नियुक्त करने वाले लोगों को निशाना बनाएगी। गौरतलब है कि अली खामेनेई 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल के संयुक्त हवाई हमले में मारे गए थे।

## बालेन्द्र शाह ने ओली को 50 हजार वोट से हराने में खर्च किए 14 लाख रुपये

**काठमांडू।** राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की तरफ से निर्वाचित बालेन्द्र शाह ने अपना चुनाव खर्च का विवरण चुनाव आयोग में जमा किया है। उन्होंने झापा-5 से इस चुनाव में करीब 14 लाख रुपये खर्च करके अपने प्रतिद्वंद्वी केपी शर्मा ओली को 50 हजार मतों के बड़े अंतर से परास्त किया है। चुनाव परिणाम आने के तीस दिन के भीतर उम्मीदवारों को अपना चुनावी खर्च विवरण सार्वजनिक करते हुए आयोग में जमा करना होता है। दाखिल किए गए खर्च विवरण के अनुसार बालेन्द्र शाह ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान कुल 14,17,289 नेपाली रुपये खर्च किए। सबसे बड़े हिस्से के रूप में 5,80,000 रुपये निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में घर-घर प्रचार अभियान पर खर्च हुए। इसी तरह प्रचार अभियान के दौरान इस्तेमाल की गई दो गाड़ियों के किराये और ईंधन पर 2,93,800 रुपये खर्च किए गए। चुनाव प्रचार के दौरान हवाई यात्रा के पांच दौरों पर 35,000 रुपये, 58 प्रतिभागियों वाले मतदाता प्रशिक्षण कार्यक्रम में जलपान पर 28,970 रुपये, नमूना मतपत्र छपाई पर 49,850 रुपये, पोस्टर और बैनर जैसे प्रचार सामग्री की छपाई पर 1,57,041 रुपये, बैनर और स्टिकर सहित अन्य प्रचार सामग्री पर 1,99,808 रुपये खर्च करने का उल्लेख किया गया है।

# ईरान हमलों पर न्यूजीलैंड चिंतित, पीएम लक्सन बोले-जरूरत पड़ी तो हरक्यूलिस विमान तैयार

एजेंसी

**न्यूजीलैंड।** मिडिल ईस्ट में इस वक्त हालात काफी तनावपूर्ण बने हुए हैं। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने ईरान की तरफ से जारी हमलों पर अपनी चिंता जाहिर की है। उन्होंने न्यूजीलैंड के लोगों को अपने देश वापस लौटने के लिए कमर्शियल फ्लाइट लेने की सलाह दी है, जो फिर से शुरू हो गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो जारी कर प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने कहा, 'मिडिल ईस्ट में लड़ाई न्यूजीलैंड के कई लोगों के लिए चिंता की बात है और आज मैं आपको अपडेट करना चाहता था कि सरकार क्या कर रही है और इस मुश्किल समय का आपके लिए क्या मतलब हो सकता है। जाहिर है, हमारी पहली प्राथमिकता यह सुनिश्चित

करना है कि कीवी सुरक्षित रहें और हम जानते हैं कि मिडिल ईस्ट में न्यूजीलैंड के लोग परेशान और अनिश्चित महसूस कर रहे होंगे। इसलिए जहां यह सुरक्षित है और ऐसा करना मुमकिन है, हम न्यूजीलैंड के उन लोगों को बढ़ावा देते हैं जो घर आना चाहते हैं कि वे कुछ शहरों से फिर से शुरू हो रही कमर्शियल फ्लाइट लें। ' उन्होंने आगे कहा कि हमने मिडिल ईस्ट इलाके में लड़ाई में फंसे न्यूजीलैंड के नागरिकों को निकालने में, अगर जरूरत पड़ी तो मदद के लिए आरएनजेडएएफ हरक्यूलिस एयरक्राफ्ट भी तैयार रखे हैं। सरकार इस इलाके में न्यूजीलैंड के लोगों को ज्यादा कॉन्सुलर रिसोर्स देकर भी मदद करने की पूरी कोशिश कर रही है। बेशक, यहां घर पर आप लड़ाई के आर्थिक असर के बारे में चिंता करने लगे होंगे और यह काफी समझ में आता है। पीएम लक्सन ने आगे कहा, 'हम पहले से ही पेट्रोल की कीमत में बढ़ोतरी देख रहे हैं, लेकिन हमारे लिए लंबे समय में कीमत का असर, बेशक, लड़ाई के समय पर निर्भर करेगा। कैबिनेट ने आज इन आर्थिक असर पर करीब से नजर रखने के लिए एक मिनिस्टीरियल ओवरसाइट समूह बनाया है। मैं आपको भरोसा दिलाना चाहता हूं कि न्यूजीलैंड इस नई मुश्किल का सामना करने के लिए अच्छी स्थिति में है, क्योंकि हमने दो साल से ज्यादा समय बेसिक बातों पर ध्यान दिया है। ध्यान से खर्च किया है और महंगाई और अपने अकाउंट को कंट्रोल में रखा है। ' उन्होंने कहा कि यह लड़ाई ऐसे समय में शुरू हुई, जब न्यूजीलैंड पहले ही एक लंबी मंदी से उभरना शुरू कर चुका था। अर्थव्यवस्था बढ़ रही है।

## पाकिस्तानः बिगड़ती कानून-व्यवस्था के बीच डेरा इस्माइल खान में धारा 144 लागू

एजेंसी

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत स्थित डेरा इस्माइल खान शहर में मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए स्थानीय अधिकारियों ने धारा 144 लगा दी है। स्थानीय मीडिया ने एक आधिकारिक नोटिफिकेशन के हवाले से बताया कि उन्होंने कई सड़कों और सेंसिटिव इलाकों में आवाजाही पर रोक लगाने के आदेश भी जारी किए हैं। डेरा इस्माइल खान के डिप्टी कमिश्नर अब्दुल नासिर खान ने कहा कि ये पाबंदियां सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे (लोकल टाइम) तक लागू रहेंगी। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, इस दौरान तय इलाकों में पैसेंजर गाड़ियों, कार्गो ट्रांसपोर्ट और मोटरसाइकिलों की आवाजाही पर रोक रहेगी। जिला प्रशासन की तरफ से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक, तारिक शहीद से भुगोवाल तक डेरा-टैंक रोड बंद रहेगा, जबकि कुलाची-हथला रोड, कोट अटाल रोड और गढ़ अब्दुल्ला रोड समेत कई दूसरी सड़कें बंद रहेंगी। अधिकारियों ने कहा कि टिकवाराह-हथला रोड, पोटा बाध, कनोरी-गढ़ मोहब्बत, चेहकन गांव से दरबारी और पोटा-कोट ईसा खान लिंक रोड समेत कई लिंक रोड बंद रहेंगे। पोटा हथला बाजार भी सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे (लोकल टाइम) तक बंद रहेगा। नोटिफिकेशन के मुताबिक, इमरजेंसी सर्विस, जिसमें लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियां, एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां शामिल हैं, को इन पाबंदियों से छूट मिलेगी। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, इसके अलावा इमरजेंसी में पुलिस या सिक्योरिटी वालों की इजाजत से थोड़ी आवाजाही की इजाजत दी जा सकती है।

## पुतिन ने ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई को दी बधाई, क्रेमलिन ने दोहराया तेहरान के लिए 'अटूट समर्थन'

एजेंसी

**मास्को।** रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई को उनके पद संभालने पर बधाई दी है। यह जानकारी क्रेमलिन की ओर से जारी बयान में दी गई। आधिकारिक बयान में कहा गया कि रूस ईरान का 'विश्वसनीय साझेदार' रहा है और आगे भी तेहरान के साथ खड़ा रहेगा। यह संदेश ऐसे समय आया है जब मध्य-पूर्व में तनाव चरम पर है और ईरान क्षेत्रीय संघर्षों के बीच नई नेतृत्व व्यवस्था के साथ आगे बढ़ रहा है। क्रेमलिन की वेबसाइट पर जारी संदेश में पुतिन ने कहा कि ईरान जिस कठिन दौर से गुजर रहा है, उसमें सर्वोच्च नेता का पद संभालना साहस और दृढ़ता की मांग करता है। उन्होंने विश्वास जताया कि मोजतबा खामेनेई अपने पिता की विरासत को सम्मानपूर्वक आगे बढ़ाएंगे और कठिन परिस्थितियों में ईरानी जनता को एकजुट रखेंगे। पुतिन ने यह भी कहा कि रूस तेहरान के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को जारी रखेगा और सहयोग बनाए रखेगा।

व्लादिमीर पुतिन ने अपने बधाई संदेश में ईरान को पूरी हिम्मत से हमलों का सामना करने की सलाह

दी। संदेश के मुताबिक, 'अब जब ईरान हथियारों से हमला झेल रहा है, तो जिस पद पर आप हैं उसके लिए आपको बेशक बहुत हिम्मत और कुर्बानी की जरूरत होगी। '

मोजतबा खामेनेई को हाल ही में ईरान के शक्तिशाली धार्मिक निकाय 'असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स' ने देश का नया सर्वोच्च नेता चुना है। वे दिवंगत ईरानी नेता अली खामेनेई के बेटे हैं और लंबे समय से ईरान की राजनीतिक-धार्मिक व्यवस्था में प्रभावशाली माने जाते रहे हैं। उनके नेतृत्व में सत्ता का यह परिवर्तन ऐसे समय हुआ है जब ईरान क्षेत्रीय संघर्ष और अंतरराष्ट्रीय दबाव दोनों का सामना कर रहा है।

रूस और ईरान पिछले कुछ वर्षों में रणनीतिक रूप से करीब आए हैं। यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी प्रतिबंधों के बाद मास्को और तेहरान के बीच सैन्य, ऊर्जा और कूटनीतिक सहयोग बढ़ा है।

## मध्य पूर्व संकटः ईरान में भारतीय दूतावास की अपील, 'लैंड बॉर्डर से दूर रहें, सतर्कता बरतें'

एजेंसी

**तेहरान।** अमेरिका और इजरायल के ईरान पर संयुक्त सैन्य हमले के बाद खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। हालात को देखते हुए भारत सरकार ने एक बार फिर ईरान में रह रहे अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर घरों में रहने की अपील की है। ईरान में भारतीय दूतावास ने अपने नागरिकों को सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह देते हुए नए दिशा निर्देश जारी किए। अपना ख्याल रखने, अनावश्यक यात्रा से बचने और दूतावास के संपर्क में रहने की सलाह दी गई है। यह एडवाइजरी मुख्य रूप से भारतीयों को ईरान की भूमि सीमाओं से बाहर यात्रा करने से पहले दूतावास से समन्वय करने की सलाह देती है। भारतीय नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे ईरान की किसी भी सीमा (लैंड बॉर्डर) पर बिना दूतावास से पूर्व समन्वय के बाहर जाने का प्रयास न करें। एक बार ईरानी क्षेत्र से बाहर निकलने के बाद, दूतावास की ओर से कोई सहायता प्रदान नहीं की जा सकेगी, खासकर सलाह दी गई है। 3 मार्च 2026 की एडवाइजरी में घर के अंदर रहने और सतर्कता बरतने पर जोर दिया गया था। दूतावास ने इमरजेंसी हेल्पलाइन

यदि तीसरे देश में प्रवेश में समस्या हो। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, अनावश्यक यात्रा से बचने, घर के अंदर रहने और स्थानीय समाचारों पर नजर रखने की सलाह देते हुए दूतावास से संपर्क में रहने को कहा गया है। जनवरी से मार्च 2026 के बीच कई एडवाइजरी जारी की गई हैं, जिसमें भारतीयों को ईरान छोड़ने, यात्रा न करने और सुरक्षित रहने की नंबर और ईमेल आईडी भी जारी की है। किसी भी आपात स्थिति में संपर्क करने के हेल्पलाइन नंबरः +98 912 810 9115, +98 912 810 9102, +98 912 810 9109 और +98 993 217 9359 हैं। वहीं ईमेलः सीओएनएसडॉटतेहरानएटएमईएडॉटजीअ ोवीडॉटइन के जरिए भी संपर्क साधा जा सकता है।

# अमेरिका की वजह से बातचीत का रास्ता बंद, हम पर थोपी गई जंगः ईरान

एजेंसी

**तेहरान।** ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने दावा किया है कि अमेरिका की वजह से कूटनीतिक रास्ते बंद हुए हैं और तेहरान इसके लिए जिम्मेदार नहीं है। उन्होंने मीडिया के समक्ष 'थोपी गई जंग', 'पड़ोसियों के साथ संबंध' और 'दूतावासों की सुरक्षा' को लेकर विचार रखे। साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में उन्होंने कहा कि जब ईरान कूटनीतिक संवाद जारी रखे हुए था, उसी दौरान उस पर हमला कर दिया गया। अब ईरान के लोग एकजुट होकर अपने देश की रक्षा कर रहे हैं। अमेरिका और इजरायल के हमलों ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन किया है। उनके मुताबिक इन हमलों से अंतरराष्ट्रीय नियमों और व्यवस्था को नुकसान पहुंचा है। बघाई ने इसके लिए यूरोपीय देशों को भी जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, 'बदकिस्मती से यूरोप के देशों ने ये हालात बनाने में मदद की है। कानून के राज पर बल देने के बजाय, अमेरिका की

दादागिरी और ज्यादतियों का सामना करने के बजाय, उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में प्रतिबंध फिर से लगाने पर चर्चा के बारे में बात की और उनसे सहमत हुए। इन सभी चीजों ने मिलकर अमेरिकी और इजरायल को हिम्मत दी। ' ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने दावा किया कि ईरान क्षेत्र के देशों के साथ अच्छे और मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखना चाहता है। ईरान की यह स्पष्ट नीति है कि 'पड़ोसी और क्षेत्रीय देशों के साथ सहयोग और दोस्ती के रिश्ते बनाए रखें। अगर किसी देश की जमीन का इस्तेमाल ईरान पर हमला करने के लिए किया जाता है, तो ईरान को अपनी रक्षा करने का पूरा अधिकार है। ईरान की तरफ से की गई रक्षात्मक कार्रवाई को इन देशों के खिलाफ दुश्मनी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। ' इस्माइल बघाई ने विदेशी दूतावासों की सुरक्षा को अपनी जिम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा कि देश में मौजूद सभी विदेशी दूतावासों और राजनयिक मिशनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार पूरी कोशिश कर रही है। ईरान में अभी भी 100 से अधिक देशों के राजनयिक मिशन मौजूद हैं और उनकी सुरक्षा के लिए जरूरी इंतजाम किए गए हैं। बघाई ने कहा कि सरकार इन दूतावासों और उनके कर्मचारियों को आवश्यक सुरक्षा और संरक्षण देने के लिए काम कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि ये जंग मजबूरी के कारण लड़ी जा रही है। इसमें ईरान की पसंद का सवाल नहीं है। बघाई ने कहा, 'ईरान मजबूरी में जंग लड़ रहा है, यह उसकी पसंद नहीं है।

## अजरबैजान ने ईरान बॉर्डर से लगा रूट खोला, ड्रोन हमले के बाद किया था बंद

एजेंसी

**बाकू।** अजरबैजान ने ईरान के साथ अपनी सीमा को फिर से माल ढुलाई (कार्गो) के लिए खोल दिया है। यह जानकारी रूसी समाचार एजेंसी टीएएसएस की एक रिपोर्ट में दी गई है। पिछले हफ्ते अजरबैजान ने यह सीमा बंद कर दी थी। उसका कहना था कि नखचिवन स्वायत्त गणराज्य में कथित ईरानी ड्रोन हमले की घटना हुई थी, जिसके बाद यह कदम उठाया गया। नखिचेवन अजरबैजान का एक अलग क्षेत्र है, जो ईरान के रास्ते उसके सहयोगी रूस से जुड़ता है और यह सबसे छोटा जमीनी रास्ता माना जाता है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव से फोन पर बात की थी। अजरबैजान के राष्ट्रपति कार्यालय के मुताबिक, पेजेशकियान ने भरोसा दिलाया कि नखिचेवन की घटना में ईरान का कोई हाथ नहीं है और तेहरान इस मामले की जांच कर रहा है। 5 मार्च को अजरबैजान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर हमले की जानकारी दी थी। उन्होंने कहा, 'एक ड्रोन ने नखचिवन स्वायत्त गणराज्य में हवाई अड्डे की टर्मिनल बिल्डिंग पर हमला किया, जबकि दूसरा ड्रोन शकराबाद गांव में एक स्कूल बिल्डिंग के पास गिरा। ' इस हमले को अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन बताया गया था। अजरबैजान ने ईरान से जल्द इस मामले को स्पष्ट करने और भविष्य में ऐसी घटनाएं न होने के लिए जरूरी कदम उठाने की मांग की थी। बाकू ने यह भी कहा कि अजरबैजान इस मामले में जवाबी कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है। साथ ही ईरान के राजदूत को बुलाकर इस घटना पर कड़ा विरोध दर्ज कराया गया था। अजरबैजान, ने मिडिल ईस्ट संघर्ष में न्यूट्रल रुख अपनाया है। लेकिन इसने हाल ही में इजरायल और ट्रंप प्रशासन के साथ करीबी संबंध बनाए, जबकि धीरे-धीरे काकेशस में पारंपरिक सहयोगी रहे मास्को से दूरी बनाई।

## सऊदी अरब में अपने दो नागरिकों की मौत पर बांग्लादेश ने जताई चिंता, अंतरराष्ट्रीय समुदाय से की शांति की अपील

एजेंसी

**सऊदी अरब।** सऊदी अरब के अल-खरज गवर्नरेट में हुए हवाई हमले में दो बांग्लादेशी नागरिकों की मौत और कई अन्य के घायल होने की घटना पर बांग्लादेश सरकार ने गहरा दुख और चिंता जताई है। सरकार ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हालात को शांत करने के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाने की अपील की है। बांग्लादेश सरकार ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि सऊदी अरब के अल-खराज गवर्नरेट में हुए हवाई हमले में दो बांग्लादेशियों की मौत का बेहद अफसोस है। सरकार ने कहा कि इस इलाके में लगातार बेगुनाह बांग्लादेशी नागरिकों की जान जाना बहुत चिंता की बात है। बांग्लादेश विदेश मंत्रालय के अनुसार, हमले में मारे गए दो बांग्लादेशी किशोरगंज कटियाडी के मिस्टर बच्चू मिया और तंगैल शाकिपुर के मिस्टर मोशर्रफ हुसैन हैं। अन्य घायलों का इलाज लोकल अस्पतालों में चल रहा है। रियाद में बांग्लादेश एंबेसी के अधिकारियों ने अस्पतालों में घायलों से मुलाकात की है। वे उनके शव वापस लाने के लिए सऊदी अधिकारियों के साथ करीबी संपर्क में हैं। बांग्लादेश विदेश मंत्रालय के अनुसार, बांग्लादेश ऐसे सभी हमलों की कड़ी निंदा करता है जिनसे बेगुनाह लोगों की जान जाती है। बांग्लादेश सरकार ने सभी संबंधित पक्षों से ज़्यादा से ज़्यादा संयम बरतने का आग्रह कि?या। साथ ही इंटरनेशनल कम्युनिटी से हालात को शांत करने और जान-माल के नुकसान को रोकने के लिए तुरंत और असरदार कदम उठाने की अपील की। सरकार मिडिल ईस्ट में बांग्लादेशी नागरिकों की सुरक्षा और भलाई को बहुत ज़्यादा प्राथमिकता देती है और बदलते हालात पर करीब से नजर रख रही है। पश्चिम एशिया में एक हफ्ते से ज्यादा समय से तनाव जारी है। बीते दिन सऊदी अरब के अल-खरज के रिहायशी इलाके में एक प्रोजेक्टाइल गिरने की घटना सामने आई। हमले में 12 लोग घायल भी हुए। दरअसल, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने पहले कहा था कि उसने अल-खरज समेत कई जगहों पर रडार सिस्टम को निशाना बनाया है। अल-खरज में प्रिंस सुल्तान एयरबेस है, जिसका इस्तेमाल अमेरिकी सेना करती है। पिछले हफ्ते ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल की लड़ाई में इस पर कई बार हमला हुआ है।

## वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच बांग्लादेश सरकार का बड़ा फैसला, देशभर के विश्वविद्यालय किए बंद

एजेंसी

**ढाका।** पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा संकट गहराया हुआ है। मौजूदा संकट को देखते हुए बांग्लादेश सरकार ने बिजली और ईंधन बचाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार ने पूरे देश में विश्वविद्यालयों को बंद करने का आदेश जारी किया है। शिक्षा मंत्रालय की ओर से जारी निर्देश के अनुसार, विश्वविद्यालयों में छुट्टियां पवित्र ईद-उल-फितर की छुट्टियों के अंत तक जारी रहेंगी, जैसा कि विश्वविद्यालयों के शैक्षणिक कैलेंडर में निर्धारित है। बांग्लादेश के बंगाली डेली अखबार प्रोथोम आलो के अनुसार, 'वैश्विक संकट से निपटने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर बिजली और ऊर्जा की बचत करना आवश्यक है। इसके लिए सभी सार्वजनिक और निजी विश्वविद्यालयों के अधिकारियों और कर्मचारियों को बिजली और ऊर्जा के उपयोग में जिम्मेदारी और दक्षता दिखानी होगी।' शिक्षा मंत्रालय ने बिजली और ईंधन बचाने के लिए 11 बिंदुओं वाले निर्देशों को लागू करने का भी आह्वान किया है। इनमें वाहनों के उपयोग को सीमित करना भी शामिल है। यह संकट पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध से पैदा हुआ है, जो 28 फरवरी से और बढ़ गया है। उस दिन संयुक्त अमेरिका-इजरायल हमलों में ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया और सर्वोच्च नेता आयतोल्लाह अली खामेनेई की मौत हो गई। इसके जवाब में ईरान ने इजरायल, अमेरिकी हितों और उन कई खाड़ी देशों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने हैं।

बांग्लादेश के जाने-माने अखबार द डेली स्टार की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जैसे-जैसे वेस्ट एशिया में लड़ाई से ग्लोबल एनर्जी मार्केट में तनाव बना हुआ है, बांग्लादेश को इसके नतीजे महसूस होने लगे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सप्ताह के अंत में ढाका, चट्टोग्राम और अन्य स्थानों के पेट्रोल पंपों पर ईंधन खरीदने के लिए लोगों की भीड़ लग गई। संभावित कमी के डर से वाहन चालक ईंधन भरवाने के लिए दौड़ पड़े।द डेली स्टार के एडिटोरियल में कहा गया, 'कई पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लग गईं, जहां चालक अपने टैंक भरवाने के लिए घंटों इंतजार कर रहे थे। देश ऊर्जा आयात पर काफी निर्भर है, खासकर मध्य पूर्व से आने वाले फ्यूल ऑयल और लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) पर।

## पाकिस्तानी सेना ने बिना किसी कानूनी कार्रवाई के सात बलूचों का किया कत्ल: मानवाधिकार संगठन

एजेंसी

**क्वेटा।** पाकिस्तानी सेना की बलूचों पर ज्यादती का एक और मामला सामने आया है। यहां करीब सात बलूच नागरिकों को बिना किसी अदालती आदेश के कत्ल किए जाने का आरोप बड़े मानवाधिकार संगठन ने लगाया है। बलूच नेशनल मूवमेंट के मानवाधिकार विभाग, पांक ने अवारन जिले के दो भाइयों, नादिल बलूच और शेर जान, की बिना कानूनी कार्रवाई के हत्याओं की कड़ी निंदा की। आरोप है कि पाकिस्तानी सिक्योरिटी फोर्स ने उन्हें जबरदस्ती गायब कर दिया था। राइट्स बॉडी ने बताया कि नादिल का गोलियों से छलनी शव 8 मार्च को अवारन में जाहू के कोटू इलाके में फेंक दिया गया था। आरोप है कि हत्या से लगभग चार महीने पहले तक उसे 'गैर-कानूनी हिरासत' में रखा गया था। उसी दिन, शेर का क्षत-विक्षत शव बाद में अवारन के तीरतागे इलाके में मिला। उसे 21 नवंबर, 2025 को पाकिस्तानी लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों ने हब चौकी मेन बाजार से जबरदस्ती गायब कर दिया था। गहरी चिंता जताते हुए, पांक ने कहा कि 'इन दोनों भाइयों की हत्या बलूचिस्तान में आम तौर पर बताई जाने वाली किल एंड डंप पॉलिसी को दर्शाती है, जहां लोगों को जबरदस्ती गायब कर दिया जाता है, फिर लंबे समय तक गैर-कानूनी हिरासत में रखने के बाद उन्हें मृत पाया जाता है। ' पांक ने आगे बताया कि 5 मार्च को पंजगुर जिले के परूम इलाके में डेथ स्क्वाड ने दो युवा ड्राइवरों को निशाना बनाकर मार डाला।

मरने वालों की पहचान 20 साल के नियाज बलूच और 20 साल के जाकिर बलूच के तौर पर हुई। इस मानवाधिकार संस्था ने नियाज और जाकिर की हत्याओं की एक स्वतंत्र और पारदर्शी जांच की मांग की, साथ ही जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही भी डिमांड की।

पांक ने आगे बताया कि हलीम बलूच का क्षत-विक्षत शव 6 मार्च को पंजगुर के सरीकुरान इलाके में जबरदस्ती गायब किए जाने के बाद मिली थी। मानवाधिकार संस्था के मुताबिक, पंजगुर के खुदाबदन में रहने वाले और अपनी दुकान चलाने वाले हलीम को 20 फरवरी को डेथ स्क्वॉड ने उनके घर से जबरदस्ती गायब कर दिया था।इस बीच, मानवाधिकार संस्था बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) ने बताया कि हम्माल हसनी, जो एक वकील थे, को पाकिस्तान के फ्रंटियर कॉर्प्स के लोगों ने 6 मार्च को पंजगुर जिले के कोह सब्ज पलंतक इलाके में मार डाला था। बीवाईसी ने कहा, 'हम्माल हसनी की हत्या एक ऐसे पैटर्न पर हुई है जिसे मानवाधिकार रक्षक दो दशकों से ज्यादा समय से डॉक्यूमेंट कर रहे हैं। एक बलूच नागरिक को पकड़ लिया जाता है, किसी दूर के इलाके, घर या चेकपॉइंट पर ले जाया जाता है, और उसे मरा हुआ उसके परिवार को लौटा दिया जाता है, और अधिकारी या तो उसे नकली एनकाउंटर में मारा गया मिलिटेंट बता देते हैं या कोई सफाई नहीं देते। ' पंजगुर में एक अलग घटना में, एक और ड्राइवर, 19 साल के उमर जान को 5 मार्च को परूम इलाके में पाकिस्तान की मदद से चल रहे डेथ स्क्वॉड ने गोली मार दी थी।उमर की बेरहमी से हत्या की निंदा करते हुए, बीवाईसी ने कहा, 'पिछले साल, ये हत्याएं बढ़ीं और बिना किसी नतीजे के जारी रहीं। ह्यूमन राइट्स ऑर्गनाइजेशन को पाकिस्तानी सरकार से बलूचिस्तान के मौजूदा हालात के बारे में पूछना चाहिए। हर किसी की जिंदगी मायने रखती है। बलूचिस्तान को इंसाफ मिलना चाहिए। तुरंत दखल के बिना, जवान और बेगुनाह लोगों की हत्याएं जारी रहेंगी, और दुनिया इंसानियत के बजाय चुप्पी चुन लेगी। '

## नेपाल की संघीय संसद के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई गई

एजेंसी

**काठमांडू।** नेपाल की संघीय संसद के नवनिर्वाचित सदस्यों को सिंहदरबार में राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष नारायण प्रसाद दाहाल ने नेपाल के संविधान के अनुच्छेद 86 की धारा 2 के अनुसार पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के बाद अध्यक्ष दाहाल ने संसद का आधिकारिक प्रतीक चिन्ह प्रदान करके उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामना दी।राष्ट्रीय सभा में कुल 59 सदस्य होते हैं। संवैधानिक प्रावधान के अनुसार हर दो साल में इसके एक-तिहाई सदस्यों का चुनाव कराया जाता है। राष्ट्रीय सभा की 18 सीटों के लिए चुनाव 25 जनवरी को आयोजित किए गए थे। इन चुनावों में विभिन्न प्रांतों से नए सदस्य निर्वाचित हुए हैं। कोशी प्रदेश से रोशनी मेचे, सोमनाथ पोर्टेल और सुनील बहादुर थापा निर्वाचित हुए। मधेश प्रदेश से रेखा कुमारी झा, धर्मेंद्र पासवान, रंजीत कर्ण और महन्थ ठाकुर चुने गए। इसी तरह बागमती प्रदेश से गीता देवकोटा और प्रेम प्रसाद डंगाल निर्वाचित हुए। गंडकी प्रदेश से जगत तिमिल्सिना और सम्झना देवकोटा ने जीत दर्ज की। लुम्बिनी प्रदेश से राम कुमारी झांकी, चंद्रबहादुर केसी और वासुदेव घिमिरे निर्वाचित हुए। कर्णाली प्रदेश से मीना सिंह रखाल और ललित जंग शाही चुने गए।

page 1 and 8 mar 11_page 1 Mar 25 final ds.qxd 3/10/2026 11:43 PM Page 2



# बकरी पालन

भारत जैसे कृषि प्रधान देश की अर्थव्यवस्था में पशुधन एवं पशुपालन का महत्वपूर्ण स्थान है।

बकरी-पालन हमारे देश का काफी बहुत पुराना व्यवसाय है। बात चाहे दुध की हो या मांस की, हमारे देश के गरीब किसान के लिए बकरी से बेहतर कोई दूसरा जानवर नहीं है। बड़े पशुओं जैंसे गाय, भैंस आदि की शारीरिक जरूरत और रखरखाव काफी

महंगी पड़ती है, ऐसी स्थिती में छोटे व गरीब किसानों के लिए बकरी-पालन काफी सरल एवं लाभप्रद व्यवसाय है। बकरी के इन्हीं गुणों के कारण इसें '' गरीब की गाय'' कहा जाता है। भारत में सभी प्रकार की कठिन परिस्थितियों एवं उचित आहार के अभाव में भी बकरियों में उत्पादन करने की विलक्षण क्षमता होती है। बकरी को घर के छोटे बच्चे व खाली सदस्य आराम से सार्वजनिक चरागाहों, अन्य भूमी पर चराकर पाल सकते है, जिससें इसके पालन पर होने वाले खर्च को कम किया जा सकता है।

बकरी-पालन मुख्य रूप से दुग्ध, मांस और रेशो के लिए किया जाता है। हमारे देश में उपस्थित देसी नस्ल की बकरियों की उत्पादन क्षमता निचले स्तर की है परन्तु इसमें उच्च एवं निम्न तापक्रमों को सहने, रोगो से लडने एवं निम्न स्तर के रखरखाव पर भी सहज उत्पादन की अद्वितीय क्षमता होती है। बड़े पैमाने पर मांस हेतु वध करने के बाद भी प्रतिवर्ष बकरियों की संख्या में 3-4 प्रतिशत बढ़ोत्तरी हो जाती है जो इनकी उच्च प्रजन्न क्षमता का द्योतक है।

हर साल एक बकरी से लगभग 500 रूपए की परोक्ष आय दुध से प्राप्त की जा सकती है। बकरियों के नर बच्चे मांस उत्पादन हेतु काम में लाए जाते है। छ: माह की उम्र पर एक स्वस्थ बच्चे से 500-600 रूपए का लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

दुध, मांस व रेशे के अतिरिक्त किसान फसल कट जाने के उपरान्त बकरियों के रेवड को अपने खेतों में रखते है ताकि खेत में बकरी की मैंगनी व मुत्र जैविक खाद के रूप में मिल जाते है। रेवड को अपने खेतों में रखने के लिए किसान बकरी पालक को 25-50 रूपए प्रति रात्रि के हिसाब से देता है। समाज का पिछडा वर्ग जिनके पास भूमि नहीं के बराबर है। बकरी पालन को अपनाकर अपनी माली हालत को काफी हद तक सुधार सकता है क्योंकि बकरी-पालन से निम्न फायदे हैं।

1. बकरी दुध एवं मांस के लिए उपयुक्त स्त्रोत है।
2. चमड़े व बालों से अतिरिक्त आय प्राप्त होती है।
3. इसकी खाद मुत्र से खेत की उर्वरा शक्ति बढती है।
4. कम आयु में ही इससे दुध उपलब्ध होता है।
5. इसका मांस अन्य पशुओं के मांस की तुलना में अधिक पसंद किया जाता है।
6. एक बार में एक से अधिक बच्चे दे सकती है।
7. किसी विशेष आवास की जरूरत नही होती है।
8. सालभर रोजगार प्रदान करती है।
9. बहुत कम खर्चे में पाली जाती है।
10. आवास हेतु कम स्थान घेरती है।
11. विपरित परिस्थितियों में पाली जा सकती है।
12. बकरी का दुध अन्य पशुओं की तुलना में मानव दुध के काफी नजदीक है।

पशुपालन में पशुओं की अपेक्षा ग्रामीण महिलाओं का योगदान काफी अधिक है। कम पूंजी विनियोजन के नाते आर्थिक रूप से पिछडी एवं भूमि विहिन वर्ग की महिलाओं के लिए बकरी पालन एक वरदान बन सकता है। बड़े पशुओं की तुलना में बकरी को आसानी से पाला जा सकता है। एक महिला एक झुण्ड का आसानी से देखभाल कर सकती है। बकरी पालन से आर्थिक लाभ के साथ-साथ घर में उपलब्ध अतिरिक्त श्रम का भी उपयोग होता है तथा साथ ही बकरी के दुध एवं मांस से ग्रामीण महिलाओं के पोषण स्तर में भी अपेक्षित सुधार होगा। जिससे कुपोषण की समस्या नहीं रहेगी जो कि ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत से बीमारियों का कारण है। सूखा एवं अकालग्रस्त क्षेत्रों में महिलाएं इन्हे बूरे दिनों का बीमा मानती है। बहुत सी विवाहित महिलाओं को बकरीयां अपनी मां से दहेज के रूप में मिलती है। अपने परिवार को पालने में, बच्चों की देखभाल में और शादी-ब्याह का खर्च निकालने में महिलाएं बकरी पालन से हुई आमदनी का उपयोग करती है। ग्रामीण महिलाएं बकरी पालन व्यवसाय के लिए सरकार द्वारा प्रदत कम ब्याज पर ऋण प्राप्त कर सकती है, जो कि ब्लॉक स्तर पर संचालित योजनाओं के तहत दिए जाते है। कुल मिलाकर गरीबी से लड़ने के लिए बकरी पालन एक अच्छा साधन बनाया जा सकता है।

प्रोटीन व दुध की कमी को पूरा करने का सबसे अच्छा व सस्ता रास्ता बकरी पालन है। बकरी के दुध की प्रोटीन की मात्रा मानव दुध के प्रोटीन से मिलती जुलती है तथा यह मानव बच्चे के लिए उत्तम दुध है। बहुत से लोग, जिन्हे गाय व भैंस के दुध से एलर्जी होती है या पेट में छाले/ अल्सर होते हो, उनके लिए बकरी का दुध बहुत लाभदायक है। हमारे देश के मासांहारी लोग बकरी के मांस को अन्य जानवरो के मांस से ज्यादा पसंद करते है क्योंकि बकरी के मांस में प्रोटीन की मात्रा अधिक व वसा की मात्रा कम होती है, जो कि संतुलित आहार की नजर से अच्छा है। बकरी प्रतिदिन 1 से 2 लीटर दुध देती है, जिससे एक परिवार के दुध की आवश्यकता को पूरा किया जा सकता है तथा अतिरिक्त दुध को बेचकर आर्थिक लाभ भी प्राप्त किया जा सकता है। बकरी को इतने दुध के लिए ज्यादा दाना-पानी की जरूरत नही होती है। घर या आसपास मौजुद चारा व दुसरी चीजें खिलाकर भी आसानी से बकरी पालकर दैनिक जरूरतों को पुरा किया जा सकता है। प्राचीनकाल से ही बकरी का दुध मानव दुध के उपरान्त दूसरे स्थान पर प्रतिस्थापित होकर नवजात बच्चों के स्वास्थय के लिए अति उत्तम माना जाता रहा है। यहां तक कि वृद्धों के लिए भी बकरी का दुध अति पौष्टिक, शीघ्र पचने वाला एवं लाभकारी होता है। अत: बकरी को मनुष्य की सौतेली मां की संज्ञा दी जाती है।

मरूस्थलीकरण और बकरी बकरियों के प्रति यह एक गलत धारणा है कि बकरी अक्सर सारी हरियाली चर जाती है जिससे मरूस्थलीकरण को बढावा मिलता है। अध्ययनों से पता चलता है कि यह एक गलत धारणा है, प्राय: यह समस्या गाय एवं भेडों ने ज्यादा पैदा की है।

# भिंडी-एक लाभकारी सब्जी

भिंडी एक लोकप्रिय सब्जी है। सब्जियों में भिंडी का प्रमुख स्थान है जिसे लोग लेडीज फिंगर या ओकरा के नाम से भी जानते हैं। भिंडी की अगेती फसल लगाकर किसान भाई अधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं। मुख्य रुप से भिंडी में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, खनिज लवणों जैसे कैल्शियम, फास्फोरस के अतिरिक्त विटामिन ए , बी, सी, थाईमीन एवं रिबोफ्लेविन भी पाया जाता है। इसमें विटामिन ए तथा सी पर्याप्त मात्रा में पाये जाते हैं। भिंडी के फल में आयोडीन की मात्रा अधिक होती है। भिंडी का फल कब्ज रोगी के लिए विशेष गुणकारी होता है।

## ▶▶ भिंडी के पोषक तत्व और फायदे

भिंडी एक ऐसी सब्जी है जिसमें क्षारीय गुण पाए जाते हैं. भिंडी में पाया जाने वाला जिलेटिन एसीडिटी और अपच जैसी समस्याओं में बहुत लाभकारी साबित होता है. भिंडी में फोलिक एसिड, विटामिन बी, विटामिन सी, विटामिन के कैल्शियम, फाइबर, पोटेशियम, एंटीऑक्सिडेंट और कुछ महत्वपूर्ण फाइटोन्यूट्रिएंट से भरी होती है. इसके साथ ही यह फाइबर का एक बहुत ही अच्छा स्त्रोत होती है, जिससे आपका पेट लंबे समय तक भरा रहता है और यह आपके पाचन तंत्र को भी बेहतर बनाती है. इसके अलावा यह आपके मेटाबॉलिज्म और आपकी मांसपेशियों को भी मजबूत बनाने का काम करती है, तो आइए आज हम आपको भिंडी के पोषक तत्व और फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं.

## ▶▶भिंडी में पाए जाने वाले पोषक तत्व

भिंडी में कई पौष्टिक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं जैसे-विटामिन C, विटामिन B-6, विटामिन D, कैल्शियम, पोटेशियम, मैग्नीशियम,फास्फोरस और आयरन आदि. इसके चलते मूत्र से संबंधित समस्याओं में खासतौर पर भिंडी के सेवन की सलाह दी जाती है.

## ▶▶भिंडी खाने के फायदे -

भिंडी विटामिन ए, बी, सी, प्रोटीन और खनिज का एक बहुत अच्छा स्त्रोत है, जिसकी वजह से गैस्टिक और अल्सर की समस्या में ये एक प्रभावी दवा का काम करती है.

-भिंडी के रोजाना नियमित सेवन से आपकी आंत में जलन की समस्या नहीं होती है.

-भिंडी के काढ़े के सेवन से मूत्र संबंधी सुजाक, मूत्रकृच्छ और ल्यूकोरिया में राहत प्रदान होती है. -भिंडी में पाया जाने वाला विटामिन बी गर्भवती महिलाओं के लिए बेहद लाभकारी होता है, ये गर्भ को बढ़ने में सहायक होता है.

-भिंडी मधुमेह और श्वास रोगियों के लिए बहुत ही लाभकारी होती है.

-भिंडी के सेवन से त्वचा की रंगत सुधरती है. इसके लिए आप भिंडी को उबाल कर अच्छी तरह पीसें और अपनी स्किन पर थोड़ी देर तक लगा कर रखें. फिर सूख जाने पर चेहरे को धो लें. इससे आपकी त्वचा मुलायम और ताजगी से भर जाती है.

-भिंडी के रोजाना नियमित सेवन से किडनी से संबंधित समस्याएं दूर होती हैं और किडनी की सेहत में सुधार होता है.

-भिंडी खाने से आपकी हड्डियां मजबूत होती है और शरीर में खून की कमी को दूर करने में मदद मिलती है.

-भिंडी आपकी आंखों, बाल और प्रतिरक्षा प्रणाली को भी बेहतर बनाने में मददगार होती है.

-भिंडी एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होती है जिससे यह आपके तनाव को कम करने में मदद करती है. साथ ही यह आपके शरीर में मौजूद मुक्त कणों को भी प्रभावी रूप से खत्म करने का काम करती है.

-भिंडी में पाए जाने वाले एंटीऑक्सिडेंट आपकी त्वचा को खराब होने से बचाने में सहायक होते हैं और बढ़ती उम्र की प्रक्रिया को धीमा करने में मददगार होते हैं.

अधिक उत्पादन तथा मौसम की भिंडी की उपज प्राप्त करने के लिए संकर भिंडी की किस्मों का विकास कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किया गया हैं। ये किस्में यलो वेन मोजकै वाइरस रोग को सहन करने की अधिक क्षमता रखती हैं। इसलिए वैज्ञानिक विधि से खेती करने पर उच्च गुणवत्ता का उत्पादन कर सकते हैं।

## ▶▶ भूमि व खेत की तैयारी

भिंडी के लिये दीर्घ अवधि का गर्म व नम वातावरण श्रेष्ठ माना जाता है। बीज उगने के लिये 27-30 डिग्री सेग्रे तापमान उपयुक्त होता है तथा 1। डिग्री सें.ग्रे से कम पर बीज अंकुरित नहीं होता। यह फसल ग्रीष्म तथा खरीफ, दोनों ही ऋतुओं में उगाई जाती है। भिंडी को उत्तम जल निकास वाली सभी तरह की भूमियों में उगाया जा सकता है। भूमि का पी0 एच मान 7.0 से 7.8 होना उपयुक्त रहता है। भूमि की दो-तीन बार जुताई कर भुरभुरी कर तथा पाटा चलाकर समतल कर लेना चाहिए।

## ▶▶भिंडी की उन्नत किस्में, विशेषताएं और पैदावार

भिंडी की उन्नत खेती के लिए उसकी उन्नत किस्मों का चयन करना आवश्यक है। कृषकों को अधिक पैदावार के लिए अपने क्षेत्र की प्रचलित भिंडी की किस्म का चयन करना चाहिए इसके साथ साथ उस किस्म की विशेषताओं और उपज की जानकारी होना भी

आवश्यक है। कृषकों की जानकारी के लिए इस लेख में भिंडी की उन्नत किस्मों की विशेषताएं और पैदावार का उल्लेख किया गया है ।

## ▶▶ वर्षा उपहार-

1. इस भिंडी की किस्म येलोवेन मोजेक विशाणु रोग रोधी है।
2. पौधे मध्यम ऊँचाई 90 से 120 सेंटीमीटर और इंटरनोड पासपास होते हैं।
3. पौधे में 2 से 3 शाखाएँ प्रत्येक नोड से निकलती हैं।
4. पत्तियों का रंग गहरा हरा, निचली पत्तियां चौडी और छोटे छोटे लोब्स वाली तथा ऊपरी पत्तियां बडे लोब्स वाली होती हैं।
5. वर्षा ऋतु में 40 दिनों में फूल निकलना शुरू हो जाते हैं और फल । दिनों बाद तोडे जा सकते हैं,फल चौथी पांचवी गाठों से पैदा होते हैं।
6. औसत पैदावार 9 से 10 टन प्रति हेक्टेयर होती हैं।
7. इसकी खेती ग्रीश्म ऋतु में भी कर सकते हैं।

**अर्का अभय-**

1. यह किस्म येलोवेन मोजेक विशाणु रोग रोधी है।
2. इसके पौधे की ऊचाई 120 से 150 सेंटीमीटर सीधे और अच्छी भााखा युक्त होते हैं।

**हिसार नवीन-**

1. इस किस्म में रोग रोधक क्षमता अद्भुत है।
2. इसके पत्तों का रंग हल्का पिला होता है।
3. वर्षा ऋतू की यह उत्तम किस्म है।
4. इस किस्म की औसत पैदावार 11 से 12 टन प्रति हेक्टेयर है।

**एच बी एच-**

1. यह भिंडी की एक संकर किस्म है।
2. यह रोगरोधी और इसके पत्तों का रंग हल्का पिला होता है।
3. यह वर्षा ऋतू की फसल है।
4. इसकी औसत पैदावार 12 से 13 टन प्रति हेक्टेयर है।

**पंजाब- 8-**

1. यह येलोवेन और मोजेक विषाणु रोगरोधी किस्म है।
2. इस किस्म की पैदावार 10 से 11 टन प्रति हेक्टेयर मानी जाती है।

## ▶▶ बुआई का समय

ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई फरवरी-मार्च में तथा वर्षाकालीन भिंडी की बुवाई जून-जुलाई में की जाती है। यदि भिंडी की फसल लगातार लेनी है तो तीन सप्ताह के अंतराल पर फरवरी से जुलाई के मध्य अलग-अलग खेतों में भिंडी की बुवाई की जा सकती है।

खाद और उर्वरक

भिंडी की फसल में अच्छा उत्पादन लेने हेतु प्रति हेक्टेर क्षेत्र में लगभग 15-20 टन गोबर की खाद एवं नत्रजन, स्फुर एवं पोटाश की क्रमश: 80 कि.ग्रा., 60 कि.ग्रा. एवं 60 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से मिट्टी में देना चाहिए। नत्रजन की आधी मात्रा स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के पूर्व भूमि में देना चाहिए। नत्रजन की शेष मात्रा को दो भागों में 30-40 दिनों के अंतराल पर देना चाहिए।

## ▶▶ निराई व गुड़ाई

नियमित निंदाई-गुड़ाई कर खेत को खरपतवार मुक्त रखना चाहिए। बोने के 15-20 दिन बाद प्रथम निंदाई-गुड़ाई करना जरुरी रहता है। खरपतवार नियंत्रण हेतु रासायनिक कीटनाशकों का भी प्रयोग किया जा सकता है। खरपतवारनाशी फ्ल्यूक्लरेलिन के 1.0 कि.ग्रा. सक्रिय तत्व मात्रा को प्रति हेक्टेयर की दर से पर्याप्त नम खेत में बीज बोने के पूर्व मिलाने से प्रभावी खरपतवार नियंत्रण किया जा सकता है।

## ▶▶ सिंचाई

सिंचाई मार्च में 10-12 दिन, अप्रैल में 7-8 दिन और मई-जून में 4-5 दिन के अन्तर पर करें। बरसात में यदि बराबर वर्षा होती है तो सिंचाई की आवश्यकता नहीं पड़ती है ।

## ▶▶ भिंडी के प्रमुख कीट एवं रोग का समन्वित प्रबंधन

भिंडी हमारे बाजारों में वर्ष भर मिलने वाली सब्जी है। जो उपोष्ण तथा आर्द्र उपोष्ण क्षेत्रों में उगाई जाती है। अपने उच्च पोषण मान के कारण भिंडी का सेवन सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए लाभकारी है। भिंडी के हरे कोमल फलों से सब्जी और सूप बनाया जाता है। भिंडी का जड़ तथा तना गुड़ बनाते समय उसकी गन्दगी साफ करने में काम आता है।

फलों में पाया जाने वाला आयोडिन गल का रोग के नियंत्रण में काम आता है। भिंडी के बीजों में 13 से 22 प्रतिशत स्वास्थ्य वर्धक खाद्य तेल और 20 से 24 प्रतिशत प्रोटीन होती है। तेल का उपयोग साबुन बनाने एवं सौन्दर्य उद्योग में किया जाता है।

भिंडी के पिसे हुए बीजों को जानवरों को खिलाने से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होती है। इसके रेशे का उपयोग जूट, कपड़े और कागज उद्योग में किया जाता है। भिंडी में कीट एवं रोग से काफी नुकसान होता है, जिसे समन्वित प्रबन्धन से रोका जा सकता है।

## ▶▶ कीट एवं प्रबंधन

प्ररोह एवं फल छेदक- इस कीट की सुण्डी मुलायम टहनियों के शीर्ष भाग, कलियों, फूलों एवं अविकसित फलों में छेद कर अन्दर घुस जाती है, जिससे प्रभावित फल खाने योग्य नहीं रह जाते। शीर्ष भाग सूख कर नीचे झुक जाता है और फल टेढ़े हो जाते हैं। ग्रसित पौधों में कलियां एवं फूल भी नीचे गिर जाते हैं और बढ़वार बुरी तरह प्रभावित हो जाती है।

**▶▶प्रबंधन-**

1. भिंडी के ग्रसित पौधे और फलों को इकट्ठा करके नष्ट कर दें।
2. खेत के आस-पास के अन्य पोषक पौधों को नष्ट कर मकड़ी एवं अन्य कीटभक्षी कीटों को आकर्षित करने के लिए आकर्षी फसलें लगाएं।
3. भिंडी की खेती में फेरोमोन ट्रेप 12 प्रति हेक्टेयर की दर से लगाएं।
4. भिंडी के फल लगने के प्रारम्भ से ही ट्राइकोग्रामा किलोनिस 1 लाख प्रति हेक्टेयर की दर से सप्ताहिक अन्तराल पर 2 से 3 बार छोड़ें।
5. क्राइसोपर्ला कार्निया द्वितीय अवस्था के लार्वा 10000 प्रति हेक्टेयर की दर से छोड़ें।
6. भिंडी में बैसीलस यूरिन्जेन्सिस 2 ग्राम प्रति लीटर की मात्रा से छिड़काव करें।
7. भिंडी की खेती में कार्बरिल 10 प्रतिशत डब्लू पी 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर का बुरकाव करें।
8. क्युनालफास 25 प्रतिशत ई सी या प्रोफोनोफास 50 प्रतिशत ई सी की 5 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।

जैसिड या हरा फुदका- यह हरे रंग का छोटा कीट होता है। इस कीट के शिशु और वयस्क दोनों ही भिंडी की पत्तियों की निचली सतह पर रहकर रस चूसते हैं। पत्तियां पीली पड़ने लगती हैं एवं मुड़कर कप के आकार की हो जाती हैं तथा पौधा छोटा रह जाता है। इसके मल मूत्र से तने पर काली फफूद लग जाती है।

**▶▶प्रबंधन-**

1. गाउचो 3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करने से कीट का प्रकोप प्रारम्भिक अवस्था में नहीं होता है।
2. नीम की खली 250 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई के समय और बुआई के 30 दिन बाद प्रयोग करें।
3. प्रकोप होने पर इमिडाक्लोप्रिड 200 एस एल, 100 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर या मिथाइल ओ डिमेटान 25 ई सी, 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर या डाइमेथोएट 30 ई सी, 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर या फास्फेमिडान 40 एस एल, 600 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें एवं आवश्यकतानुसार एक निश्चित अन्तराल पर दुबारा छिड़काव करें।
4. नीम के बीज निस्सार 5 प्रतिशत का छिड़काव भी लाभकारी होता है।

सफेद मक्खी- यह अत्यन्त छोटे आकार का कीट होता है। शिशु एवं प्रौढ़ दोनों ही भिंडी की मुलायम पत्तियों और शाखाओं से रस चूसते हैं। सफेद दाग जैसे धब्बे बनते हैं, धीरे-धीरे पीले रंग उतक बन जाते हैं और ज्यादा प्रकोप होने पर पत्तियां छोटी-छोटी अवस्था में गिर जाती हैं। इस कीट के प्रकोप से तने पर फफूद पैदा हो जाती है। यह पीला शिरा मोजेक पैदा करती है।

**▶▶ प्रबंधन-**

1. इमिडाक्लोप्रिड या थायोमेथाक्साम 4 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करने पर कीट का प्रकोप प्रारम्भिक अवस्था में नहीं होता है।
2. भिंडी की खेती हेतु नीम की खली 250 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई के समय और बुआई के 30 दिन बाद प्रयोग करें।
3. प्रकोप होने पर इमिडाक्लोप्रिड 1।.8 एस एल या एसिटामीप्रिड 20 प्रतिशत एस पी, की 5 मिलीग्राम मात्रा प्रति 15 लीटर पानी में या मिथाइल ओ डिमेटान 25 ई सी या डाइमेथोएट 30 ई सी की 5 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें एवं आवश्यकतानुसार एक निश्चित अन्तराल पर दुबारा छिड़काव करें।

रेड स्पाइडर माइट- माइट भिंडी के पौधों की पत्तियों की निचली सतह पर समूह में रहते हैं। अपने मुखांग से पत्तियों की कोशिकाओं में छेद कर देते हैं और निकलने वाले द्रव को चूसते रहते हैं। परिणाम स्वरूप पत्तियां टेढ़ी-मेढ़ी हो जाती हैं एवं अधिक प्रकोप की स्थिति में पौधे सूख जाते हैं।

**▶▶प्रबंधन-**

इस कीट के प्रबन्धन के लिए डाइकोफाल 5 ई सी की 2 मिलीलीटरमात्रा प्रति लीटर पानी में या घुलनशील गंधक 2.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी के साथ मिलाकर छिड़काव करें एवं आवश्यकतानुसार एक निश्चित अन्तराल पर दुबारा छिड़काव करें।

## ▶▶रोग एवं प्रबंधन

पौध आर्द्रगलन- ठण्डे व वर्षा वाले मौसम, बादल, अधिक नमी एवं नम व कठोर मिट्टी में यह समस्या अधिक आती है। इस रोग से ग्रसित पौधे में जमीन के सतह से आक्रमण होता है। जिसे भिंडी के ग्रसित पौध उगने से पहले या बाद में मर जाते हैं।

**▶▶प्रबंधन-**

1. प्रभावित भूमि को प्रत्येक वर्ष बदल देना चाहिए एवं भूमि का सौरीकरण करना चाहिये।
2. भिंडी में आवश्यकता से अधिक सिंचाई नहीं करनी चाहिए।
3. ट्राइकोडर्मा विरिडी 3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करना चाहिए।
4. बीजों को एग्रासेन जी एन या सेरेसान की 2 ग्राम प्रति किलोग्राम मात्रा या थायरम या केप्टान 3 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से उपचारित करके बीमारी को रोका जा सकता है।
5. डायथेन एम 45, 0.2 प्रतिशत या बाविस्टीन 1 प्रतिशत की दर से मिट्टी में मिलाने से रोग में कमी आती है।

## उन्नत किस्में

**हिसार उन्नत-**

1. इस भिंडी की किस्म के पौधे मध्यम ऊँचाई 90 से 120 सेंटीमीटर और इंटरनोड पासपास होते हैं।
2. पौधे में 3 से 4 शाखाएँ प्रत्येक नोड से निकलती हैं।
3. इस भिंडी की किस्म की पत्तियों का रंग हरा होता हैं।
4. पहली तुड़ाई 46 से 47 दिनों बाद शुरू हो जाती हैं।
5. औसत पैदावार 12 से 13 टन प्रति हेक्टेयर होती हैं।
6. फल 15 से 16 सेंटीमीटर लम्बे हरे और आकर्षक होते है।
7. यह किस्म वर्षा और गर्मियों दोनों समय में उगाई जाती हैं।

**वी आर ओ- 6-**

1. इस भिंडी की किस्म को काशी प्रगति के नाम से भी जाना जाता है।
2. यह किस्म येलोवेन मोजेक विशाणु रोग रोधी है।
3. पौधे की औसतन ऊँचाई वर्षा ऋतु में 1।5 सेंटीमीटर और गर्मी की फसल में कुछ कम रहती है।
4. इंटरनोड पासपास होते हैं।
5. औसतन 38 वें दिन फूल निकलना शुरू हो जाते हैं।
6. गर्मी में इसकी औसत पैदावार 13.5 टन और बरसात में 18.0 टन प्रति हेक्टेयर तक ली जा सकती है।

**पूसा ए- 4-**

1. यह भिंडी की एक उन्नत किस्म है।
2. यह एफिड और जैसिड के प्रति सहनशील किस्म हैं।
3. यह पीतरोग यैलो वेन मोजैक विशाणु रोधी है।
4. फल मध्यम आकार के गहरे, कम लस वाले, 12 से 15 सेंटीमीटर लंबे और आकर्षक होते है।
5. बोने के लगभग 15 दिन बाद से फल आना शुरू हो जाते है और पहली तुडाई 45 दिनों बाद शुरू हो जाती हैं।
6. इसकी औसत पैदावार ग्रीष्म में 10 टन तथा खरीफ में 15 टन प्रति हेक्टेयर है।

**परभनी क्रांति-**

1. इस भिंडी की किस्म पीत-रोगरोधी है।
2. फल बुआई के लगभग 50 दिन बाद आना शुरू हो जाते है।
3. फल गहरे हरे और 15 से 18 सेंटीमीटर लम्बे होते है।
4. इसकी पैदावार 9 से 12 टन प्रति हेक्टेयर है।

**पंजाब- ।-**

1. इस भिंडी की किस्म भी पीतरोग रोधी है।
2. फल हरे और मध्यम आकार के होते है।
3. बुआई के लगभग 55 दिन बाद फल आने शुरू हो जाते है।
4. इसकी पैदावार 8 से 12 टन प्रति हेक्टेयर है।

**अर्का अनामिका-**

1. इस भिंडी की किस्म येलोवेन मोजेक विशाणु रोग रोधी है।
2. इसके पौधे ऊँचे 120 से 150 सेंटीमीटर सीधे व अच्छी भााखा युक्त होते हैं।
3. फल रोम रहित मुलायम गहरे हरे और 5 से 6 धारियों वाले होते हैं।
4. फलों का डंठल लम्बा होने के कारण तोड़ने में सुविधा होती हैं।
5. यह किस्म दोनों ऋतुओं में उगााई जा सकती हैं।

## बीज की मात्रा व बुआई का तरीका

सिंचित अवस्था में 2.5 से 3 किग्रा तथा असिंचित दशा में 5-7 किग्रा प्रति हेक्टेअर की आवश्यकता होती है। संकर किस्मों के लिए 5 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की बीजदर पर्याप्त होती है। भिंडी के बीज सीधे खेत में ही बोये जाते हैं।

बीज बोने से पहले खेत को तैयार करने के लिये 2-3 बार जुताई करनी चाहिए। वर्षाकालीन भिंडी के लिए कतार से कतार दूरी 40-45 सें.मी. एवं कतारों में पौधे की बीच 25-30 सें.मी. का अंतर रखना उचित रहता है।

ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई कतारों में करनी चाहिए। कतार से कतार की दूरी 25-30 सें.मी. एवं कतार में पौधे से पौधे के मध्य दूरी 15-20 से.मी. रखनी चाहिए। बीज की 2 से 3 से.मी. गहरी बुवाई करनी चाहिए। बुवाई के पूर्व भिंडी के बीजों को 3 ग्राम मेन्कोजेब कार्बेन्डाजिम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करना चाहिए। पूरे खेत को उचित आकार की पट्टियों में बांट लें जिससे कि सिंचाई करने में सुविधा हो। वर्षा ऋतु में जल भराव से बचाव हेतु उठी हुई क्यारियों में भिण्डी की बुवाई करना उचित रहता है।